@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 14 जून 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 220 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नए सेना प्रमुख नियुक्त

वर्तमान COAS जन. द्विवेदी की जगह लेंगे

एजेंसी
हेलसिंकी। सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया है। वह वर्तमान में सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। धीरज सेठ 30 जून, 2026 की दोपहर से अपना पदभार संभालेंगे। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी उसी दिन सेवानिवृत्त होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन मिला था। उनका सैन्य कॅरिअर लगभग चार दशकों तक फैला हुआ है। उन्होंने परिचालन, रणनीतिक और क्षमता विकास सहित कई क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। उन्होंने भारतीय सेना की युद्धक क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण

योगदान दिया है। अधिकारी ने विभिन्न परिचालन वातावरणों में हर स्तर पर कमान संभाली है। उनके कमांड असाइनमेंट में डेजर्ट सेक्टर में एक आर्मर्ड रेजिमेंट शामिल है। उन्होंने पश्चिमी थिएटर में एक आर्मर्ड ब्रिगेड की भी कमान संभाली है। जम्मू-कश्मीर में एक काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स का नेतृत्व भी किया है। लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली।

विभिन्न कमांड में अनुभव

उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में भी कार्य किया। इस दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य गतिविधियों की देखरेख की। साथ ही कई औपचारिक जिम्मेदारियां भी निभाईं। सेना कमांडर के पद पर पदोन्नत होने के बाद उन्होंने दक्षिण पश्चिमी कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दक्षिणी कमान का नेतृत्व किया। यह दो परिचालन सेना कमानों की कमान संभालने का दुर्लभ सम्मान है। उन्होंने ढाई साल से अधिक समय तक महत्वपूर्ण थिएटरों में रणनीतिक निगरानी प्रदान की।

अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों के अध्ययन का दिया निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के अध्ययन के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया है।

उच्च स्तरीय समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में अमित शाह ने समिति को स्थिति का आकलन करने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने गत माह देश में असामान्य जनसंख्यिकी बदलाव और अवैध घुसपैठ के अध्ययन के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को इस समिति के गठन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के स्वरूप और प्रभावों का अध्ययन कर सरकार को नीतिगत सुझाव देना है।

महाराष्ट्र के धुले में बस ने बाइक को मारी टक्कर

महाराष्ट्र के धुले में बस ने बाइक को मारी टक्कर

एजेंसी
धुले। महाराष्ट्र के धुले जिले में रफ्तार ने एक बार फिर अपना घातक रूप दिखाया। तेज रफ्तार बस की टक्कर से बाइक पर सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। धुले शहर के पारोळा रोड पर शनिवार तड़के हुए इस हृदयविदारक हादसे में वरखेडी गांव के निवासी मां-बेटे सहित तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों की पहचान सुभाष धनगर, नंदू पाटिल और उनकी मां सिंधुबाई पाटिल के रूप में हुई है। तीनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर कहीं जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार लग्जरी बस ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, नक्षत्र लॉन्स के समीप जब वे सड़क पार करने का प्रयास कर रहे थे, तभी धुले की ओर से आ रही एक अनियंत्रित बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वरखेडी गांव में इस घटना की सूचना

मिलते ही मातम छा गया। एक ही परिवार के तीन सदस्यों का अचानक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। पड़ोसी और रिश्तेदार लगातार घर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दे रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि सुबह-सुबह यह खबर सुनकर किसी की समझ में नहीं आ रहा है कि कैसे एक पल में पूरा परिवार उजड़ गया।

असम में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए सीधे आधार नहीं : डॉ. हिमंत बिस्व सरमा

● हालांकि, 18 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा।

एजेंसी
गुवाहाटी। अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड लेने से रोकने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, असम कैबिनेट ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए रेगुलर एनरोलमेंट प्रोसेस के ज़रिए आधार कार्ड जारी करना बंद करने का फ़ैसला किया है।

इसके अलावा कैबिनेट बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

नई सरकार की शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य सरकार यह पक्का करना चाहती है कि कोई भी अवैध प्रवासी आधार एनरोलमेंट सिस्टम का फ़ायदा न उठा सके। नई पॉलिसी के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे। हालांकि, 18 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। ऐसे मामलों में, संबंधित डिप्टी कमिश्नर को सरकार को एक प्रस्ताव भेजना होगा, जो कार्ड जारी करने पर अंतिम फ़ैसला लेगी। मुख्यमंत्री ने साफ़ किया कि इस कदम का मकसद आधार एनरोलमेंट प्रोसेस में कमियों और गड़बड़ियों को रोकना है, साथ ही यह पक्का करना है कि असली भारतीय नागरिक इस दस्तावेज़ से वंचित न रहें। कैबिनेट ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय बागान समुदाय के सदस्यों के लिए भी छूट दी है, जो मार्च 2027 तक आधार एनरोलमेंट के लिए पात्र बने रहेंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, यह फ़ैसला पहचान की पुष्टि करने वाले सिस्टम को मज़बूत करने और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों द्वारा धोखाधड़ी से आधार कार्ड हासिल करने पर रोक लगाने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है। अधिकारियों ने कहा कि मकसद एनरोलमेंट प्रोसेस को और मज़बूत बनाना और यह पक्का करना है कि आधार कार्ड सही जांच-पड़ताल के बाद ही जारी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि वयस्कों के लिए आधार एनरोलमेंट पूरी तरह से बंद नहीं किया जाएगा, लेकिन मौजूदा सिस्टम के ज़रिए कोई भी कार्ड अपने-आप जारी नहीं किया जाएगा और 18 साल से अधिक उम्र के हर आवेदन को मंज़ूरी मिलने से पहले कड़ी जांच-पड़ताल से गुज़रना होगा।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में तृणमूल विधायक कुणाल घोष को सीआईडी का समन

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच तेज करते हुए राज्य की अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने अब बेलियाघाटा से तृणमूल कांग्रेस विधायक कुणाल घोष को पूछताछ के लिए तलब किया है। उन्हें रविवार को भवानी भवन स्थित सीआईडी मुख्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। इसी दिन तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ता दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार, कुणाल घोष को शुक्रवार को नोटिस जारी किया गया था। अभिषेक बनर्जी को रविवार दोपहर 12 बजे उपस्थित होने के लिए कहा गया है, जबकि कुणाल घोष को उसी दिन लगभग ढाई बजे सीआईडी मुख्यालय पहुंचने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले

सीआईडी अधिकारियों ने साइन फर्जीवाड़ा मामले में कुणाल घोष के आवास पर जाकर उनका बयान दर्ज किया था। अब जांच एजेंसी दोनों नेताओं के बयानों का मिलान कर मामले की विभिन्न कड़ियों को जोड़ने का प्रयास करेगी।

● इस मामले में अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता उच्च न्यायालय से 21 दिनों का अंतरिम संरक्षण प्राप्त है। अदालत ने जांच में सहयोग करने की शर्त पर उन्हें यह राहत दी है। इससे पहले सीआईडी द्वारा तीन बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद वह पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आरोप -

अभिषेक बनर्जी के आवास का ताला तोड़कर घर में घुसी पुलिस

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास का ताला तोड़कर प्रवेश किया और पूरे घर में तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे अभूतपूर्व बताया। अभिषेक बनर्जी के पाटुआपाड़ा स्थित आवास के बाहर पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि पुलिस ने ताला तोड़कर पूरे घर की तलाशी ली। उनके अनुसार, अदालत के निर्देशों के बावजूद इस तरह की कार्रवाई की गई, जिसकी उनकी पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती है।

उडुपी दौरे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंदिरों में किए दर्शन

एजेंसी
गुवाहाटी। अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड लेने से रोकने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, असम कैबिनेट ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए रेगुलर एनरोलमेंट प्रोसेस के ज़रिए आधार कार्ड जारी करना बंद करने का फ़ैसला किया है। इसके अलावा कैबिनेट बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

नई सरकार की शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित

करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य

● 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

सरकार यह पक्का करना चाहती है कि कोई भी अवैध प्रवासी आधार एनरोलमेंट सिस्टम का फ़ायदा न उठा सके। नई पॉलिसी के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे। हालांकि, 18 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा।

ऐसे मामलों में, संबंधित डिप्टी कमिश्नर को सरकार को एक प्रस्ताव भेजना होगा, जो कार्ड जारी करने पर अंतिम फ़ैसला लेगी। मुख्यमंत्री ने साफ़ किया कि इस कदम का मकसद आधार एनरोलमेंट प्रोसेस में कमियों और गड़बड़ियों को रोकना है, साथ ही यह पक्का करना है कि असली भारतीय नागरिक इस दस्तावेज़ से वंचित न रहें।

हारने के बाद से टीएमसी में बनी हुई है भगदड़ की स्थिति : हुमायूं कबीर

मुर्शिदाबाद। आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी भगदड़ को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि टीएमसी में आज भगदड़ की स्थिति बनी हुई है। टीएमसी के ज्यादातर नेता इधर से उधर जा रहे हैं। सभी नेता अपने लिए एक महफूज ठिकाने की तलाश कर रहे हैं। इनमे से कई नेता एक अलग संगठन के रूप में तब्दील होते हुए एनडीए में शामिल करने का विचार कर रहे हैं। लेकिन, हम इस बात को खारिज नहीं कर सकते हैं कि गत लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की जनता ने जब टीएमसी के पक्ष में मतदान किया था।

राजस्थान में रेलवे स्टेशन का शेड उखड़कर ट्रैक पर गिरा

यूपी के वाराणसी में तूफान, हाथरस में सड़कें डूबीं

एजेंसी
कोलकाता। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। शनिवार सुबह कानपुर-अयोध्या, उन्नाव समेत 25 शहरों में बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर में तूफान आया। इससे होर्डिंग उड़ गई। लखनऊ में तेज आंधी आई, दिन में अंधेरा छा गया। हाथरस में बारिश के चलते कोतवाली सदर में पानी भर गया। सड़कें डूब गईं।

राजस्थान में शुक्रवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर और चूरू के कई इलाकों में हवा के साथ बारिश हुई। चूरू के श्रीमकड़ीनाथ रेलवे स्टेशन पर लगा टिनशेड अंधड़ से रेलवे ट्रैक पर गिर गया। इससे ट्रेनें लेट हो गईं। दिल्ली में शनिवार सुबह बारिश के चलते कई फ्लाइट्स लेट हुईं। इंडिगो एयरलाइंस ने X पर पोस्ट करके कहा- खराब मौसम की वजह से उड़ानों के समय पर असर पड़ा है। मानसून की झारखंड और ओडिशा के

कुछ हिस्सों में एंट्री हो गई।। अगले 3 दिन में मानसून के छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश पहुंचने की संभावना है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है।

6 राज्यों में गर्मी का असर, पारा 40°C पार

राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के कई शहरों में पारा 40°C से ज्यादा रहा। राजस्थान के श्रीगंगानगर में सबसे ज्यादा 44.2°C तापमान रहा। वहीं महाराष्ट्र के वर्धा और अकोला में 43.5°C और तेलंगाना के आदिलाबाद में 43.2°C दर्ज किया गया।

14 जून: दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है।

अभी सरकार दरबार साहिब-दुर्ग्याणा मंदिर व बाल्मीकि मंदिर और आनंदपुर साहिब-नैना देवी मंदिर के ही दर्शन करा रही थी: केजरीवाल

कौमी पत्रिका
नई दिल्ली/पंजाब, 13 जुलाई। पंजाब की भगवंत मान सरकार सालासर-खाटू श्याम जी, हरिद्वार-ऋषिकेश और मथुरा-वृंदावन का भी मुफ्त दर्शन कराएगी। अभी तक भगवंत मान सरकार दरबार साहिब-दुर्ग्याणा मंदिर व बाल्मीकि मंदिर और आनंदपुर साहिब-नैना देवी मंदिर के ही दर्शन करा रही थी। लेकिन श्रद्धालुओं की भारी मांग पर सरकार ने तीन नए रूटों पर स्थित इन तीर्थ स्थलों पर भी अपने खर्चे पर श्रद्धालुओं को भेजने का फैसला किया है। शनिवार को जालंधर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने यह जानकारी साझा की। इस अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान समेत अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ने गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहादत दिवस बहुत धूमधाम, इज्जत और सम्मान के साथ मनाया। अब गुरु रविदास जी का 650वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। इसे भी बहुत अच्छे से आयोजित किया जा रहा है। पटियाला में मां काली का प्रसिद्ध मंदिर है। लोगों की उसमें बहुत श्रद्धा है और मान्यता है। वहां पूरे उत्तर

भारत से लोग अपनी मनोकामनाएं और दुख लेकर आते हैं, जिन्हें मां पूरी करती हैं और उनके दुख? दूर करती हैं। 85 करो? रुपए की लागत से उस मंदिर का पूरा जीर्णोद्धार और विकास किया जा रहा है। सितंबर में यह बनकर तैयार हो जाएगा। मेरी अपील है कि बनने के बाद पंजाब के लोग एक बार मंदिर जाकर मां काली के दर्शन जरूर करें। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवंत मान सरकार बहुत सारी तीर्थ यात्राओं का भी आयोजन कर रही है। इसके लिए सरकार ने वोल्वो बसें ली हैं। अभी तीर्थयात्रा के दो रूट चल रहे हैं। एक रूट पर दरबार साहिब-दुर्ग्याणा मंदिर और वाल्मीकि मंदिर के दर्शन कराए जाते हैं। दूसरे रूट पर आनंदपुर साहिब और नैना देवी मंदिर के दर्शन कराए जाते हैं। अभी तीन रूट और शुरू किए जा रहे हैं, जिनमें सालासर-खाटू श्याम जी, हरिद्वार-ऋषिकेश और मथुरा-वृंदावन शामिल हैं। इन तीर्थ यात्राओं का पूरा खर्च सरकार वहन कर रही है। जो लोग भी इच्छुक हैं, जो जरूर जाएं। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि जुलाई के अंत से सरकार पूरे पंजाब में 'हे राम!' प्ले करा रही है। आशुतोष राणा के इस प्ले श्हे रामश् में रामायण के कई प्रसंग हैं और राम व रावण के बीच के कई दिलचस्प वार्तालाप दिखाए गए हैं। मैंने भी दिल्ली में यह प्ले देखा था और बहुत सारे लोगों ने इसे देखा है। दिल्ली में इसकी टिकट 8,000 रुपए की होती थी, लेकिन पंजाब के लोगों के लिए हमने इसे बिल्कुल फ्री किया है। पूरे पंजाब के अलग-अलग शहरों में इसके कई मंचन कराए जाएंगे। जब यह आपके शहर में आए, तो इसे बिल्कुल मिस मत करिएगा। यह 3.5 घंटे का बहुत ही शानदार प्ले है, जो जुलाई के अंत से शुरू कराया जाएगा।

भारत अपनी आत्मा खो रहा है: शशि थरूर का आत्ममंथन

–लेख लिखकर बढ़ते भेदभाव और विभाजनकारी माहौल पर जताया दुख

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने देश में बढ़ते भेदभाव और विभाजनकारी माहौल पर गहरा दुख जाहिर किया है। सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता थरूर ने लिखा कि जब किसी देश को धीरे-धीरे अपनी आत्मा खोते हुए महसूस किया जाता है, तब एक गहरा और टीस भरा दुख होता है। जो लोग भारत को अनेकता में एकता के शानदार समावेशी प्रयोग के तौर पर देखते आए हैं, उन्हें हाल के वर्षों में निराशा मिली है। उनका मानना है कि कभी-कभी कोई एक घटना रोजमर्रा की राजनीति के शोर-शराबे को चीरकर हमारे नैतिक पतन की गहराई को उजागर करती है।

ऐसी ही एक घटना हाल ही में सामने आई, जिसकी हेडलाइन थी कि होटल से बाहर निकाला गया अल्पसंख्यक बीजेपी नेता। यह घटना सज्जाद यूसुफ शाह से जुड़ी है, जो भाजपा के जम्मू-कश्मीर मीडिया सह-प्रभारी हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में यात्रा के दौरान बीजेपी नेता शाह को होटल से यह कहकर जाने को कहा गया कि उनकी मुस्लिम और कश्मीरी पहचान समस्याग्रस्त है। कांग्रेस नेता थरूर ने सवाल किया कि भारत के सबसे प्रगतिशील राज्यों में शामिल महाराष्ट्र में ऐसा कैसे हो सकता है?

शशि थरूर ने गंभीर आत्ममंथन का आह्वान कर कहा, हमें आइने में देखना चाहिए और खुद से एक सीधा, दुखद सवाल पूछना चाहिए, हम किस हाल में पहुंच गए हैं? उन्होंने तर्क दिया कि किसी महान सभ्यता को उसकी जीडीपी ग्रोथ या रक्षा ताकत से नहीं, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि वह अपने सबसे कमजोर लोगों और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा बर्ताव करती है। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि इस घटना का उपयोग छोटी-मोटी राजनीतिक बढ़त के लिए नहीं, बल्कि सामूहिक आत्ममंथन के मौके के तौर पर होना चाहिए, ताकि हम नफरत की राजनीति को नकार सकें और सभी को साथ लेकर चलने वाली विविधता को फिर से अपना सकें, जिसने कभी हमारी पहचान बनाई थी।

कांग्रेस नेता थरूर ने विडंबना जाहिर की कि सत्ताधारी पार्टी के लिए काम करने वाला व्यक्ति भी उन्हीं पूर्वाग्रहों का शिकार हुआ, जो उसकी पार्टी की बयानबाजी से पैदा हुए हैं। जब भेदभाव संस्थागत हो जाता है, तब वह राजनीतिक वफादारी नहीं देखता,बल्कि सीधे पहचान को निशाना बनाता है। उन्होंने भारत की पहचान रहे अतिथि देवो भव और गंगा-जमुनी तहजीब जैसे गहरे सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण पर चिंता व्यक्त की।

कांग्रेस नेता ने कहा कि एक मुस्लिम नागरिक का अतिथि के तौर पर भी सुरक्षित रूप से होटल का कमरा किराए पर नहीं ले पाना बेहद दुखद है। यह सिर्फ एक कारोबारी विवाद नहीं, बल्कि गहरी समस्या का लक्षण है, जहां भेदभाव रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। कांग्रेस नेता थरूर ने सत्ताधारी भाजपा को अपनी नीतियों पर सोचने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावी फायदे के लिए ध्रुवीकरण को हथियार बनाना एक ऐसा राक्षस पैदा करता है जो आखिरकार अपने बनाने वालों के ही काबू से बाहर हो जाता है। ऐसी बयानबाजी का असर आम लोगों तक पहुंचता है, जो सामाजिक स्थिरता को कमजोर करता है।

थरूर ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और उस्ताद बिस्मिल्लाह खान जैसे महान मुसलमानों और सच्चे

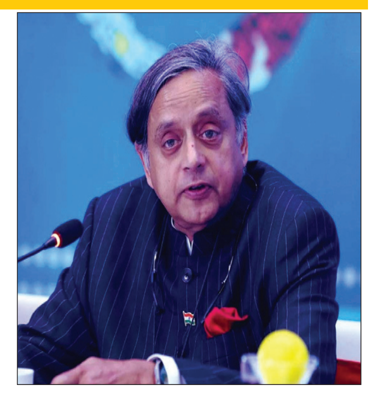

भारतीयों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अपनी ही आने वाली पीढ़ियों को अपने ही देश में अनचाहे अजनबी जैसा महसूस कराना एक बहुत बड़ी नैतिक विफलता है। यह ढांचागत और सामाजिक अलगाव इंसान की गरिमा को कमजोर करता है और मिल-जुलकर नागरिक होने की खुशी की जगह बेचैनी और बचाव की भावना पैदा करता है जो धीरे-धीरे सब कुछ खत्म कर देती है।

विदेशी ताकतों ने देश को कमजोर किया : योगी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विज्ञान भारती के 7वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन कर विदेशी शक्तियों और वामपंथी विचारधारा पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लंबे समय तक हमारे देश में यह गलत धारणा रही कि भारतीय किसी काम के नहीं और केवल विदेशी ही श्रेष्ठ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन विदेशी शक्तियों, वामपंथी विचारधारा और भारत–विरोधी तत्वों ने देश को कमजोर करने की कोशिश की है और आज भी ऐसी ताकते सक्रिय हैं जो हमारी प्रगति में बाधा डालना चाहती हैं। गंगा नदी के महत्व पर प्रकाश डालकर सीएम योगी ने अपने बचपन का एक मार्मिक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी मां पौधों पर कीड़े लगने या फूल न आने की स्थिति में गंगाजल का छिड़काव करती थीं, और आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही दिनों में वे पौधे फिर से खिल उठते थे। इस घटना ने उन्हें गंगा के पावन जल के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व का गहरा एहसास कराया। मुख्यमंत्री ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन में आयोजित महत्वपूर्ण अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस मौके पर बीएचयू कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत और सम्मान किया। विज्ञान भारती का यह दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 13 और 14 जून को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश–विदेश से लगभग 1200 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इन प्रतिभागियों में वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, नीति–निर्माता और उद्योग जगत के विशेषज्ञ सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं।

खराब मौसम के चलते एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाता रहा विमान

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में खराब मौसम का असर विमान उड़ानों पर भी पड़ा। चंडीगढ़ से जयपुर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट करीब एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाती रही। मौसम खराब होने के कारण विमान को लैंडिंग की इजाजत नहीं मिली। इंडिगो की फ्लाइट 6ई–7413 चंडीगढ़ से जयपुर के लिए रवाना हुई थी। फ्लाइट अपने तय समय से करीब 15 मिनट देरी से चल रही थी। फ्लाइट शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 5 मिनट पर जयपुर पहुंची। इसके बाद भी खराब मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो सकी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल के निर्देशानुसार जयपुर एयरपोर्ट के आस–पास होल्डिंग पैटर्न में रखा। इस दौरान विमान करीब एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाता रहा और मौसम की स्थिति सामान्य होने का इंतजार करता रहा। मौसम में सुधार और विजिबिलिटी बेहतर होने के बाद रात करीब 12 बजकर 10 मिनट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट के तय समय से काफी देर तक हवा में रहने के कारण पैसेंजर्स के बीच चिंता और बेचैनी का माहौल था। कई पैसेंजर्स लगातार फ्लाइट के लैंड नहीं होने से परेशान नजर आए। हालांकि एयरलाइन और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की ओर से सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी जरुरी मानकों का पालन किया गया। फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग के बाद पैसेंजर्स ने राहत की सांस ली। बता दें पिछले कुछ दिनों से जयपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम लगातार बदल रहा है। तेज हवाओं, आंधी और बादलों की आवाजाही के कारण हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ रहा है। मौसम खराब होने की स्थिति में फ्लाइट्स को होल्ड पर रखना या वैकल्पिक एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट करना फ्लाइट सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है।

दिल्ली दंगा : शरजील इमाम ने फिर मांगी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगा मामले के आरोपी शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा अदालत में नई जमानत याचिका दायर की है। अदालत ने याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगकर अगली सुनवाई 4 जुलाई को तय की है। शरजील इमाम ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि वह पिछले करीब छह वर्षों से न्यायिक हिरासत में हैं और उनकी पिछली जमानत अर्जी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 5 जनवरी, 2024 को खारिज करने के बाद से मुकदमे की सुनवाई में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने इमाम की जमानत याचिका को अस्वीकार किया था। उस फैसले के बाद अब उन्होंने निचली अदालत का दरवाजा खटखटाया है, इसमें लंबी अवधि की हिरासत और मुकदमे में हो रही देरी को जमानत का मुख्य आधार बनाया है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार कर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। पुलिस के जवाब और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर अदालत 4 जुलाई को आगे की सुनवाई करेगी। बात दें कि इमाम दिल्ली दंगों से संबंधित मामलों में लंबे समय से जेल में बंद हैं। उनकी ओर से लगातार यह दलील दी है कि मुकदमे में हो रही देरी को देखकर उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। वहीं, अभियोजन पक्ष लगातार गंभीर आरोपों का हवाला देकर उनकी जमानत का विरोध कर रहा है। इस नई याचिका पर अदालत का फैसला दोनों पक्षों की दलीलों और मामले की वर्तमान प्रगति के आकलन के बाद ही सामने आएगा, जो इस हाई–प्रोफाइल मामले में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

एयर अरबिया की फ्लाइट की कोच्चि में इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि (एजेंसी)। शारजाह से कोझिकोड जा रही एयर अरबिया की एक फ्लाइट में शनिवार तड़के तकनीकी खराबी आने के बाद कोच्चि के कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में सवार सभी 179 यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। एयरपोर्ट अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि एयर अरबिया की फ्लाइट जी9–454 में इंजन के रिवर्स थ्रस्ट सिस्टम से जुड़ी तकनीकी समस्या का पता चला था। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सुबह 3ः19 बजे 'लोकल स्टैंडबाय' घोषित किया गया। इसके कुछ ही मिनट बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सुबह 3ः34 बजे 'फुल इमरजेंसी' लागू कर दी गई, जिससे सभी आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट पर रखा जा सके। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद तकनीकी टीम ने खराबी की जांच और मरम्मत का कार्य किया। आवश्यक परीक्षण पूरे होने के बाद विमान को दोबारा उड़ान भरने की अनुमति दी गई। इसके बाद फ्लाइट सुबह 7ः15 बजे कोझिकोड के लिए रवाना हो गई। एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि पूरे घटनाक्रम के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया और किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। समय रहते तकनीकी समस्या का पता चल जाने और त्वरित कार्रवाई के कारण एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई।

गैस रिसाव से चार युवकों की मौत

रामगढ (एजेंसी)। रामगढ़ जिले के गिद्दी–रामगढ़ सीमावर्ती वन क्षेत्र में एक बंद खदान में गैस रिसाव से चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई, जब ये लोग खदान के भीतर उत्खनन कार्य कर रहे थे। मृतकों की पहचान आशीष रजवार (25), किशोर रवानी (35), देवा कुमार बेदिया (25) और डब्लू बेदिया (30) के रूप में हुई है। घटना के वक्त सबसे पहले एक युवक गैस रिसाव की चपेट में आया और वहीं बेहोश होकर गिर गया। उसके बाकी तीन साथी उसे बचाने के लिए खदान में उतरे तो वो भी जहरीली गैस की चपेट में आकर वहीं गिर। उनके एक अन्य साथी ने गांव वालों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। चारों युवकों को तत्काल पुलिस की मदद से अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने इनमें से दो को अस्पताल पहुंचने पर मृत बताया। वहीं अन्य दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सीएम सतीशन को जान से मारने की धमकी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल पुलिस ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में सोनी थॉमस को गिरफ्तार किया है। जबकि एक अन्य विधायक टी.के. गोविंदन ने भी इसी तरह की धमकी मिलने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शामएक अज्ञात व्यक्ति ने तिरुवनंतपुरम शहर जिला पुलिस कमान एवं नियंत्रण केंद्र को फोन किया और मुख्यमंत्री और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। एफआईआर के अनुसार, कारण पूछे जाने पर, फोन करने वाले ने कथित तौर पर कहा कि वह मुख्यमंत्री सतीशन को पसंद नहीं करता। एफआईआर में कहा गया है कि फोन उठाने वाले पुलिस अधिकारी को गाली देने के बाद, आरोपी ने कथित तौर पर पूछा कि क्या मुख्यमंत्री के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अमेरिकी हमलों में भारतीयों की मौत: स्वामी ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदू राष्ट्रवादी नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने ओमान तट पर अमेरिकी सेना द्वारा तीन भारतीय नाविकों की हत्या को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। पूर्व राज्यसभा सांसद स्वामी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में रीढ़ की हड्डी बची है, तब उन्हें सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति को फोन करके विरोध जताना चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी जेसन मीक्स को तलब करने के बाद की।

बीजेपी नेता स्वामी ने विदेश मंत्रालय के अमेरिकी दूतावास से बात करने पर सवाल उठाकर स्पष्ट रूप से कहा, हालांकि, मुझे पता है कि मोदी ऐसा क्यों नहीं करने वाले है। भारत ने अमेरिकी दूतावास के अधिकारी को दो बार तलब किया, और कहा कि भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी सेना के घातक और जानलेवा हमले अस्वीकार्य हैं।

यह पहली बार था जब मोदी सरकार ने सार्वजनिक रूप से माना कि अमेरिकी नौसेना ने भारतीय चालक दल वाले जहाजों को निशाना बनाया था। विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिकी कार्रवाई में 10 जून को पलाऊ के ध्वज वाले टैंकर सेटेबेलो पर सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई थी। विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को संवेदनशील क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने वाला बताया और तत्काल रोकने की मांग की।

विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी अधिकारी से भारत की चिंताओं को वाशिंगटन तक पहुंचाने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य बल नागरिकों के जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि 8 जून को मैरीवेक्स (24 भारतीय नाविक सुरक्षित) और गुरुवार को जलवीर (20 भारतीय नाविक) पर हुए हमले भी अमेरिकी नौसेना की ओर से किए गए थे।

नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे राहुल गांधी, 17 जून से होगी शुरुआत

वेणुगोपाल बोले– यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नीट-यूजी और कई अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में भी वह इन सम्मेलनों के जरिए छात्रों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इन छात्र सम्मेलनों के जरिए से नीट के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करने, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी।

कांग्रेस ने 8 जून को अपने महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक में यह फैसला किया था कि नीट मामले, चुनावों से पहले सीट चोरी किए जाने, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा। वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के सशक्त नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और मोदी सरकार द्वारा भारत के युवाओं के साथ किए जा रहे विश्वासघात के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के बड़े सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी और फिर 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में यह सम्मेलन होंगे। उनके मुताबिक इन सम्मेलनों में छात्र, परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा, युवा संगठन, शिक्षक और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित, सभी लोग शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को सामने लाया जाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत कांग्रेस देश भर में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस कमेटी और स्थानीय इकाइयों के जरिए बड़े पैमाने पर छात्रों तक पहुंचने और उन्हें एकजुट करने के राहुल गांधी के आह्वान को आगे बढ़ाएगी। वेणुगोपाल ने कहा कि लोगों के बीच मौजूदगी और डिजिटल माध्यम, कैंपस में संपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों पर बातचीत, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों के साथ सीधे संवाद जैसे कार्यक्रम बड़े पैमाने पर किए जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का मानना है कि युवा भारतीयों की उम्मीदों की बलि भ्रष्टाचार, अक्षमता या राजनीतिक उदासीनता की भेंट नहीं चढ़नी चाहिए। इसी सोच के साथ यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करेगा और प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने और बार-बार परीक्षा में विफलता और पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही की मांग करने का मंच प्रदान करेगा। वेणुगोपाल ने कहा कि यह आंदोलन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पहले उठाई गई मांगों को सड़कों पर ले जाएगा।

अमित की आत्महत्या के बाद फिर सामने आया कॉर्पोरेट क्रूरता का भयावह चेहरा

पुणे (एजेंसी)। 2 जून को टीसीएस इंजीनियर अमित ब्रह्मे की आत्महत्या ने कॉर्पोरेट जगत में बढ़ते मानसिक दबाव और उत्पीड़न पर सवाल उठा दिए है। सामने आए सुसाइड नोट ने मामले में बड़ा खुलासा किया है, जिसमें दो वरिष्ठ सहयोगियों पर मानसिक प्रताड़ना और अपमान का आरोप लगा है। दोपहर करीब 4 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या करने से पहले लिखे गए नोट में ब्रह्मे ने अपनी आर्थिक बदहाली और मानसिक उत्पीड़न के लिए सीधे तौर पर कई लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। अपनी मौत से पहले लिखे नोट में ब्रह्मे ने टीसीएस हिंजवड़ी की अपनी वरिष्ठ सहयोगियों, अर्चना और शाश्वती पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीते दो महीनों से उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया और खराब फीडबैक देने की धमकी देकर अंततः प्रोजेक्ट से बाहर किया गया। ब्रह्मे के अनुसार, उन्हें कम वेतन पर नौकरी दी गई थी, लेकिन बिना उचित प्रशिक्षण के ही उनसे काम की अपेक्षा की जाती थी। नोट में कहा गया है कि पत्नी की गंभीर बीमारी और पिता के निधन के दौरान छुट्टी मांगने पर भी उन्हें परेशान किया गया, इससे उनका जीवन बर्बाद हो गया। उन्होंने अपील की है कि इन दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जाए ताकि वे अन्य कर्मचारियों को भी इसी तरह प्रताड़ित न कर सकें। कार्यस्थल के उत्पीड़न के साथ ही, ब्रह्मे ने विनोद पालीचा नामक एक व्यक्ति पर भी परिवार को मानसिक रूप से परेशान करने और झूठे आरोप लगाकर छवि खराब करने का आरोप लगाया है। विनोद द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत में ब्रह्मे को निर्दोष पाया गया था, फिर भी विनोद ने टीसीएस के एचआर को झूठे ईमेल भेजकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की। ब्रह्मे ने विनोद को धूर्त और झूठा व्यक्ति बताकर भविष्य में अपने परिवार के लिए उससे खतरे की आशंका जाहिर की है। इस गंभीर मामले में, भोसरी पुलिस ने ब्रह्मे को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में अर्चना, शाश्वती और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक पहुँच चुका है, और नेशनल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सीनेट के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा ने निष्पक्ष और गहन जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने की मांग की है। संगठन ने आईटी क्षेत्र में बढ़ते मानसिक दबाव और कार्यस्थल पर उत्पीड़न जैसे गंभीर मुद्दों की विस्तृत जांच की आवश्यकता पर भी जोर दिया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। भोसरी पुलिस ने बताया कि टीसीएस के एचआर अधिकारियों ने जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

मीनाक्षी नटराजन मामला : चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारी त्यागी

–शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा का नामांकन रद्द होने के मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद और शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि इन सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं ने मामले में अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं निभाई हैं।

दरअसल शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने के खिलाफ सुनवाई की मांग वाली याचिका खारिज की थी। इसके बाद शनिवार को प्रियंका चतुर्वेदी ने पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने पूरे प्रकरण को सीधे-सीधे

सत्ता हथियाने की चाल बताया। वह यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर उंगली उठाकर कहा, सबसे खराब बात ये है कि चुनाव आयोग और पूरे सम्मान के साथ माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारियों का त्याग किया है।

इतना ही नहीं प्रियंका चतुर्वेदी ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका पर तीखे सवाल उठा दिए। उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद खबर आई कि हैदराबाद कोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका यह कहकर लौटा दी कि यह उसके अधिकार क्षेत्र का मामला नहीं है। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने हैरानी जताकर कहा कि जब कोई एफआईआर नहीं थी और हाई कोर्ट भी याचिका लौटा चुका था, तब फिर रिटर्निंग ऑफिसर ने केंद्रीय चुनाव आयोग से विचार-विमर्श किए बिना ही कमजोर आधार पर नामांकन रद्द क्यों किया। उद्धव ठाकरे की पार्टी की नेता ने लिखा, इस बात पर बहस हो सकती है कि फॉर्म भरने में गलती किसने की, किसने किसको जानकारी दी, इस पर भी बात की जा सकती है, लेकिन मूल बात ये है कि एक निश्चित सीट उन एजेंसियों के चलते हाथ से चली गई, जिनके पास संविधान और लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी है।

जेन-जी की नई सोच: न पूंजीवाद पर पूरा भरोसा, न पारंपरिक वामपंथ का आकर्षण

–महंगाई, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा को लेकर युवाओं की बढ़ी चिंता

–दुनिया भर में उभर रहा व्यावहारिक 'जेन–जी समाजवाद'

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनिया भर में जेनरेशन-जेड (जेन-जी) की आर्थिक और राजनीतिक सोच पारंपरिक विचारधाराओं से अलग दिशा में विकसित हो रही है। वर्ष 2000 के बाद जन्मी यह पीढ़ी न तो पारंपरिक पूंजीवाद पर पूरी तरह भरोसा करती है और न ही पुराने वामपंथी मॉडल से खुद को जोड़ना चाहती है। इसके बजाय वह ऐसी नीतियों की समर्थक बनकर उभर रही है, जो आम लोगों को महंगाई, बढ़ते किराए और जीवन-यापन की बढ़ती लागत से तत्काल राहत प्रदान कर सकें। इस तरह मनोवैज्ञनियों के लिए भी जेन-जी की सोच शोध का विषय बन गई है।

विश्लेषकों के अनुसार, युवाओं के बीच उभर रही यह सोच पारंपरिक समाजवाद से भिन्न है। इसे एक व्यावहारिक और मिश्रित आर्थिक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें मुक्त बाजार और सरकारी हस्तक्षेप दोनों की भूमिका स्वीकार की जाती है। जेन-जी की प्राथमिकता वैचारिक बहसों से अधिक रोजमर्रा की आर्थिक चुनौतियों का समाधान है। इस पीढ़ी की प्रमुख मांगों में भ्रष्टाचार रोकें, आवास किराए पर नियंत्रण, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी और आम नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना शामिल है। बढ़ती महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता के बीच युवा वर्ग सरकारों से अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा कर रहा है।

तकनीकी बदलावों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने भी युवाओं की चिंताओं को बढ़ाया है। कई युवाओं को आशंका है कि स्वचालन और एआई के कारण भविष्य में रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। यही कारण है कि नौकरी सुरक्षा, कौशल विकास और रोजगार गारंटी जैसी अवधारणाओं को समर्थन मिल रहा है। आर्थिक असमानता का मुद्दा भी जेन-जी की सोच के केंद्र में है। यह वर्ग अत्यधिक संपन्न लोगों और लक्ज़री उपभोग पर अधिक कर लगाने की वकालत कर रहा है। उनका मानना है कि ऐसे करों से प्राप्त संसाधनों का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने में किया जा सकता है।

भारत में भी जेन-जी आर्थिक और सामाजिक मुद्दों को लेकर पहले की तुलना में अधिक जागरूक दिखाई दे रही है। यह पीढ़ी केवल अधिक वेतन वाले रोजगार की तलाश तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे संस्थानों और कंपनियों को प्राथमिकता दे रही है जो सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक प्रभाव को महत्व देते हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक जेन-जी भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा उपभोक्ता और प्रभावशाली कार्यबल बन सकती है।

हालांकि, यह पीढ़ी पारंपरिक समाजवादी मॉडल को भी पूरी तरह स्वीकार नहीं करती।

सोवियत संघ जैसे पुराने प्रयोगों की विफलताओं और सीमाओं को देखते हुए जेन-जी निजी संपत्ति और मुक्त बाजार के महत्व को मानती है। लेकिन साथ ही वह 'क्रोनी कैपिटलिज्म' और कुछ हाथों में संपत्ति के अत्यधिक केंद्रीकरण का विरोध करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जेन-जी की यह नई आर्थिक सोच आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति और आर्थिक नीतियों को प्रभावित कर सकती है, जहां वैचारिक कट्टरता की बजाय व्यावहारिक समाधान और सामाजिक संतुलन को अधिक महत्व मिलेगा।

सूर्य चौहान मामला: अपराध, सांप्रदायिक कथा और संयम के संवैधानिक कर्तव्य के बीच

कौमी पत्रिका

हत्या सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण मानवीय त्रासदी है और यदि आरोप वास्तव में सत्य साबित होते हैं, तो गाजियाबाद के खोदा में सूर्या चौहान की हत्या क्रूर हिंसा में से एक है, जो आपराधिक कानून के पूर्ण दंड के योग्य है। कोई भी सभ्य समाज किसी किशोर की हत्या के प्रति निष्क्रिय नहीं हो सकता, तथा पोस्टमार्टम के बाद मृत्यु, मामूली विवादों को भी घातक बना देती है। एक परिवार की पीड़ा, पड़ोस और जनता का आक्रोश तथा प्रतिशोध की मांग, ये सभी इस कृत्य के परिणाम हैं। दूसरे, इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न यह उठा है कि क्या हत्या की जांच को सांप्रदायिक आख्यान का विषय बनने दिया जा सकता है, जबकि तथ्यों को अभी अदालत में प्रमाणित किया जाना बाकी है। आपराधिक न्याय प्रणाली का यह कर्तव्य है कि वह व्यक्तिगत अपराधियों को दंडित करे, न कि पूरे समुदाय को दोषी ठहराए। लोकतंत्र में जहां कानून सर्वोच्च है, सजा व्यक्तिगत रहनी चाहिए, साक्ष्य सर्वोपरि रहना चाहिए और निर्णय केवल अदालत से ही आ सकता है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, सूर्या चौहान की खोड़ा में असद और कुछ युवकों से मिलने के बाद हत्या कर दी गई थी। पुलिस संस्करण और कई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ये दोनों व्यक्ति एक-दूसरे को जानते थे, और एक विवाद हुआ जो मौत में समाप्त हुआ। हालांकि, परिवार के अनुसार, लड़के को लालच देकर उस स्थान पर लाया गया था, वहां कई पुरुष थे, और यह एक पूर्वनियोजित हत्या थी। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि हत्या धर्म के कारण हुई थी, संभवत: इसलिए क्योंकि यह घटना ईद/बक्रिद के निकट हुई थी, तथा आरोपियों की ओर से अपमानजनक टिप्पणियां भी की गई थीं। इसके विपरीत, अन्य स्थानीय स्रोतों ने सुझाव दिया है कि मकसद अभी भी अनिश्चित है, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि यह सांप्रदायिक नफरत के बजाय व्यक्तिगत झगड़े से उपजा है। यह असंगति, सबसे बढ़कर, गंभीर तर्क की मांग करती है, न कि अलंकारिक निश्चितता की। आपराधिक कानून में, संदेह, यहां तक कि सबसे मजबूत संभव संदेह भी, कभी भी सबूत की जगह नहीं ले सकता है। हत्या के लिए कृत्य और इरादे दोनों को उचित संदेह से परे साबित करने की आवश्यकता होती है, और यदि यह हत्या साबित होती है, जैसा कि भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 103 के तहत है, तो अभियोजन पक्ष का कार्य इसे स्थापित करना और दोषियों को दंडित करना है। यदि एक से अधिक व्यक्ति समान इरादे से शामिल हैं, तो बीएनएस की धारा 3(5) लागू होगी, या यदि पूर्वचिंतन साबित किया जा सकता है, तो आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित धारा 61 लागू हो सकती है। ये आपराधिक आरोप अपने आप में पर्याप्त महत्व रखते हैं और इन्हें गंभीर बनाने के लिए धर्म को अतिरिक्त मकसद के रूप में आवश्यक नहीं है। इसलिए मामले का पहला भाग पीड़ित पर निर्भर है। परिवार के न्याय के अधिकार को कमजोर करना गैरकानूनी और अनैतिक होगा क्योंकि एक युवा लड़के की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। जब हिंसा, चाकू, कई लोगों और शायद बाद में भागने के प्रयास के साथ मौत की बात आती है, तो आरोपों में दम होता है अगर इसकी पुष्टि के लिए चिकित्सा और दस्तावेजी सबूत, गवाहों के बयान और फोरेंसिक रिपोर्ट हों। ये जानकारी एकत्र कर ली गई है, तथा जांच जारी रहने तक परिवार को उचित देखभाल तथा समय पर जानकारी मिलनी चाहिए। उन्हें अपराधियों से किसी भी प्रकार की धमकी नहीं मिलनी चाहिए, न ही किसी भी समय प्रक्रिया के अभाव में मामले को नजरअंदाज होने दिया जाना चाहिए। चाहे पीड़ित होने की कितनी भी प्रशंसा की जाए और इसे महत्वहीन बनाने के खिलाफ बचाव किया जाए, इसे मीडिया की तमाशा में नहीं बदला जाना चाहिए, और किसी परिवार के स्वाभाविक गुस्से को इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि कुछ संगठन और राजनीतिक अभिनेता इसका राजनीतिकरण करने के लिए मैदान में कूद पड़े हैं। ऐसा कई मामलों में होता है, और फिर भी दु:ख वास्तविक होता है। कानून को संज्ञेय, गंभीर अपराध का संज्ञान लेना चाहिए, तथा प्रत्येक व्यक्ति को न्याय के कटघरे में लाने के लिए जिम्मेदार ठहराना चाहिए जिसने षडयंत्र रचा, उकसाया या वास्तविक अपराधी था। लेकिन तर्क के दूसरे भाग को भी उचित महत्व दिया जाना चाहिए। आपराधिक आरोप व्यक्तिगत होते हैं, और भारत में कानून और साक्ष्य के तहत स्पष्ट रूप से प्रावधान किए बिना कोई सांप्रदायिक दायित्व नहीं हो सकता। आरोपी व्यक्ति, इस मामले में हत्या का मुख्य आरोपी असद और उसके साथी, किसी धर्म के प्रतिनिधि नहीं हैं। एक समुदाय से संबंधित होने के कारण उनकी स्थिति स्वत: ही हत्या के मामले को सांप्रदायिक दंगा नहीं बना देती। यह तथ्य कि हत्या ईद/बक्रिद जैसे धार्मिक त्योहार के दौरान हुई थी, तभी प्रासंगिक है जब यह पीड़ित के धर्म के आधार पर मकसद या साजिश साबित करता है। अपने आप में इसका कोई निश्चित मूल्य नहीं है। यह बिंदु महत्वपूर्ण है। सांप्रदायिक अपराध के लिए इस बात का सबूत आवश्यक है कि अपराध किसी व्यक्ति या लोगों के विरुद्ध उनके धर्म के कारण या समूहों के बीच दुर्भावना पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है। बीएनएस की धारा 103 (2) विशेष रूप से नस्ल, जाति, समुदाय, व्यक्तिगत विश्वास या अन्य समान कारणों से सामान्य इरादे वाले पांच या अधिक व्यक्तियों के समूह द्वारा हत्या से संबंधित है। इसका तात्पर्य यह है कि यदि इस धारा को लागू किया जाना है तो इसका प्रत्यक्ष प्रमाण होना चाहिए, और जनता इसके लिए अनुमान लगाकर कोई काल्पनिक मकसद नहीं बना सकती। तभी सांप्रदायिक कथा को प्राथमिकता मिलती है। आपराधिक न्यायालय यह पूछता है कि किसने किसके साथ क्या किया है और किस इरादे से किया है – यह विशुद्ध रूप से साक्ष्य आधारित प्रश्न है; जबकि सांप्रदायिक तर्क यह पता लगाने का प्रयास करता है कि किस धर्म को दोषी ठहराया जाए। पहला कानून का शासन है, दूसरा समूह आरोप है। व्यक्तिगत अपराध को सांप्रदायिक अपराध में बदलना केवल क्रोध और प्रतिशोध का चारा प्रदान करता है; इसका न्याय से कोई लेना-देना नहीं है। इन मुद्दों पर खोड़ा के आसपास जो कुछ हुआ है, उससे पता चलता है कि राजनीतिक हस्तियां और संगठन मृतक के आवास पर एकत्र हुए हैं और इस घटना को हिंदू समुदाय पर हमला बताया है, और कुछ ने तो घरों को ध्वस्त करने, किरायेदारों को हटाने और सामूहिक दंड की मांग तक कर दी है। लेकिन यह एक संवैधानिक राष्ट्र के शासन के सिद्धांतों पर हमला है; राज्य के पास पहले से ही अपराध से निपटने, अपराधियों को गिरफ्तार करने और उन्हें कानून के अनुसार दंडित करने की अपार शक्तियां हैं; किसी अन्य के अपराध के लिए पड़ोसियों या निर्दोष किरायेदारों पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है, या किसी अपराधी के साथ संबंध होने का आरोप लगाकर किसी पर मामला दर्ज करने का अधिकार नहीं है। सौभाग्य से, भारत की दंड संहिता में ऐसे सांप्रदायिक उकसावे से निपटने के प्रावधान हैं – बीएनएस की धारा 196 में विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने पर दंड का प्रावधान है, धारा 197 में मानहानि के लिए दंड का प्रावधान है, जो राष्ट्रीय एकीकरण को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है, तथा धारा 353 में फर्जी या भ्रामक जानकारी फैलाने पर दंड का प्रावधान है। इन्हें अक्सर सोशल मीडिया मामलों में लागू होते देखा जा सकता है, लेकिन मूलत:, इन प्रावधानों का गहरा संवैधानिक कारण निजी दु:ख को सार्वजनिक अशांति में बदलने से रोकना है। गाजियाबाद हत्या में शामिल अन्य लोगों के वीडियो के प्रसार ने खतरे को और बढ़ा दिया है। आज के संदर्भ में, आपराधिक कार्यवाही से पहले संपादित वीडियो, भड़काऊ कैप्शन और सांप्रदायिक टैगलाइनों की एक श्रृंखला के माध्यम से एक छाया कार्यवाही होती है। एक मासूम वीडियो, जो पुराना भी हो सकता है, चार्ज-शीट से भी तेजी से फैलता है। जब तक पुलिस स्पष्टीकरण लेकर आएगी या तथ्य जांच सामने आएगी, तब तक समाज की धारणा पहले ही तय हो चुकी होगी। ऐसे माहौल में जिम्मेदारी चुप रहने की नहीं बल्कि मितभाषी होने की है। आक्रोश उचित हो सकता है; गलत सूचना उचित नहीं है; न्याय की मांग वैध है, उकसाना वैध नहीं है। दूसरा आयाम पुलिस मुठभेड़ है जिसमें असद मारा गया। पुलिस के अनुसार, वह फरार था और उसके सिर पर इनाम रखा गया था तथा पकड़े जाने पर उसने गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे उसने आत्मरक्षा में कार्रवाई की। यदि इस संस्करण पर विश्वास किया जाए, तो पुलिस की कार्रवाई को अपने कार्यों के निर्वहन में तथा खतरनाक अपराधी की गिरफ्तारी में निजी बचाव और सार्वजनिक कर्तव्य के अधिकार के वैध प्रयोग के रूप में बचाव किया जा सकता है। ऐसा कोई कानून नहीं है जिसके तहत पुलिस कर्मियों को तब तक मरना पड़े जब तक अन्य लोग उन्हें मारने के लिए तैयार हों। आसन्न खतरे के लिए राज्य द्वारा बल आनुपातिकता का प्रयोग करना उचित है। हालांकि, मुठभेड़ में हुई मौत कभी भी मुकदमे का विकल्प नहीं हो सकती है, और पुलिस कार्रवाई में अभियुक्त की मौत का मतलब संवैधानिक जांच का बंद होना नहीं है; बल्कि इसका मतलब वास्तव में एक और जांच का रास्ता खोलना है। संविधान का अनुच्छेद 21 सभी को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा प्रदान करता है, चाहे वे निर्दोष हों या भगोड़े हों और यहां तक कि जघन्य अपराध के संदिग्ध हों। पीयूसीएल बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुलिस मुठभेड़ों में हुई मौतों की पारदर्शी, प्रभावी और स्वतंत्र जांच की आवश्यकता होगी। अनिवार्य सुरक्षा उपायों में पूर्व खुफिया जानकारी दर्ज करना, पुलिस गोलीबारी के कारण हुई मौत के मामले में एफआईआर दर्ज करना, स्वतंत्र जांच, फोरेंसिक के लिए साक्ष्य का संरक्षण, पोस्टमार्टम, मजिस्ट्रेट द्वारा जांच और मुठभेड़ के गैरकानूनी होने पर सजा देना शामिल है। यह अभियुक्त के प्रति सहानुभूति का मामला नहीं है, बल्कि कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया का मामला है। संविधान न केवल निर्दोष लोगों की रक्षा करता है, बल्कि उस प्रक्रिया की भी रक्षा करता है जिसके माध्यम से अपराध का निर्धारण किया जाता है। जैसे ही समाज किसी अभियुक्त की मृत्यु को निर्णायक न्याय के रूप में मनाना शुरू करता है, तो वह पूरी संस्था, जिससे दोषियों को दंडित करने की अपेक्षा की जाती है, कमजोर हो जाती है। मुकदमे में साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएंगे, उद्देश्य स्थापित किया जाएगा, सहयोगियों की पहचान की जाएगी, गवाहों की परीक्षा ली जाएगी तथा सार्वजनिक रिकॉर्ड तैयार किए जाएंगे। मुठभेड़, भले ही वैध हो, मुख्य गवाह को राज्य के संस्करण के अलावा किसी अन्य सबूत के बिना हटा देती है। राज्य को यह स्थापित करने की आवश्यकता है कि दोनों सत्य एक साथ मौजूद हो सकते हैं:- सूर्या का परिवार अपनी हत्या के लिए न्याय का हकदार है और असद की मुठभेड़ में हुई मौत वैधता की उचित जांच की हकदार है। ये दोनों आवश्यकताएं विरोधाभासी नहीं हैं बल्कि कानून के शासन की परख हैं। जो राज्य हत्या के साथ-साथ मुठभेड़ों में अपनी कार्रवाई का भी कठोरता से जवाब देने में सक्षम है, वह कमजोर नहीं बल्कि संवैधानिक है; जबकि, जो राज्य अपराध या दंड या जवाबदेही पर निर्णय लेने में जनता के गुस्से के आगे झुक जाता है, वह मजबूत नहीं, बल्कि मनमाना है। मीडिया को भी अपरिहार्य भूमिका निभानी होगी। जबकि प्रेस लोगों को अपराध के बारे में सूचित करने, अधिकारियों से पूछताछ करने और पीड़ित को आवाज देने की एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाता है; कोई भी रिपोर्टिंग जो पक्षपातपूर्ण, चयनात्मक और/या सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों को बढ़ावा देती है, वह सार्वजनिक चर्चा और आपराधिक न्याय प्रशासन को दूषित करने का काम करेगी। ऐसी सुर्खियाँ जो प्रासंगिकता या तथ्य की आवश्यकता के बिना धर्म को प्रमुखता से पेश करती हैं, अविश्वास और पूर्वाग्रह पैदा कर सकती हैं; जबकि सांप्रदायिकता से लड़ने के लिए पीड़ित की पीड़ा को कम करने वाली कहानियाँ लापरवाह लग सकती हैं और उसी सार्वजनिक विश्वास को अलग कर सकती हैं जिसकी धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था को आवश्यकता होती है। ऐसे मामलों में, यह आवश्यक है कि पीड़ित परिवार के आरोपों की स्पष्ट रूप से रिपोर्ट की जाए, पुलिस संस्करण की रिपोर्ट उसी प्रकार की जाए जैसा कि कहा गया है और स्थानीय गवाहों के संस्करण की रिपोर्ट की जाए, साथ ही उद्देश्य से संबंधित बारीकियों और संदेहों की भी रिपोर्ट की जाए, अपराध और धार्मिक रूप से प्रेरित अपराध के बीच अंतर को स्पष्ट रूप से समझाया जाना चाहिए। यह बिना सबूत के दोषी ठहराने से इनकार करने के कानूनी अर्थ में तटस्थता होगी; उदासीनता के अर्थ में नहीं। न्यायपालिका ने लगातार दोहराया है कि आपराधिक न्याय सबूत पर आधारित है, भावना नहीं। निर्दोषता की धारणा, सबूत का बोझ, निष्पक्ष जांच और निष्पक्ष सुनवाई तकनीकी नियम नहीं हैं बल्कि व्यक्तियों के जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा करते हैं; न केवल निर्दोष बल्कि उन अपराधों के अपराधी भी जो लोकप्रिय नहीं हैं। सार्वजनिक आक्रोश एक ऐसी घटना है जो हमें गुमराह करने के लिए सबसे अधिक उत्तरदायी है, और इसलिए, उचित प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण है जब यह सबसे कम लोकप्रिय हो। खोड़ा मामले में अभियोजन पक्ष को निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देना होगा:- झगड़े का तात्कालिक कारण, पूर्व शत्रुता, क्या सूर्या और असद के बीच कोई मित्रता या परिचय था; किसने किसे और कहां से फोन किया, इसमें शामिल व्यक्तियों की संख्या, हथियारों का कब्ज़ा, पूर्वनियोजित या अचानक हमला, क्या इसमें कोई धार्मिक उकसावे या निशाना बनाने की घटना शामिल थी और रिकॉर्ड पर कौन से स्वतंत्र साक्ष्य मौजूद हैं? सीसीटीवी, कॉल विवरण, फोरेंसिक रिपोर्ट और चिकित्सा साक्ष्य क्या बताते हैं? किससे और कब क्या बरामद किया गया? ये कोई मामूली सवाल नहीं हैं, बल्कि यह निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि क्या यह एक साधारण हत्या है या सामुदायिक इरादे और पूर्वचिंतन से प्रेरित सामूहिक हत्या है। इसी प्रकार, मुठभेड़ों की जांच के लिए यह आवश्यक है कि इनपुट रिकॉर्ड किया जाए, पुलिस अधिकारी के हथियारों की जांच की जाए और उनके कारतूसों का मिलान किया जाए, मृतक के कथित हथियार को बैलिस्टिक और फिंगरप्रिंट विश्लेषण के लिए भेजा जाए, पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की जाए, तथा एक स्वतंत्र जांच की जाए और आरोपी के रिश्तेदारों को सूचित किया जाए तथा उनसे संपर्क किया जाए? ये प्रश्न असद को सूर्या की कथित हत्या से दोषमुक्त करने के लिए नहीं हैं; बल्कि, वे राज्य की कार्रवाई की सीमाओं और संवैधानिक सीमाओं का परीक्षण करते हैं। वर्तमान में सबसे व्यापक और महत्वपूर्ण समस्या तत्काल न्याय है। विध्वंस, बेदखली, मुठभेड़ में हत्या और सामूहिक दंड का आह्वान अत्यंत संतोषजनक है, लेकिन कानूनी और संवैधानिक रूप से खतरनाक है। आपराधिक कानून में हत्या के लिए कठोर सजा का प्रावधान है, यहां तक कि जहां उपयुक्त हो, गंभीर हत्या के लिए आजीवन कारावास या मृत्युदंड का भी प्रावधान है। यह उचित प्रक्रिया के बिना दंड की अनुमति नहीं देता है; तथा राज्य या गैर-राज्य अभिनेता किसी समुदाय को उसके व्यक्तिगत सदस्य के कथित कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं। एक जिम्मेदार समाज विभिन्न धर्मों के व्यक्तियों के बीच हर अपराध को सभ्यताओं के सांप्रदायिक टकराव में नहीं बदल सकता। भारत में पहले से ही एक ऐसा समाज है जो पीड़ित होने की अफवाह, प्रचार और प्रतिस्पर्धा के प्रति संवेदनशील है। ऐसी स्थिति से बचना आवश्यक है जहां एक हत्या प्रतीक में बदल जाए, प्रतीक नारे में बदल जाए तथा नारा हथियार में बदल जाए। यह कानून का शासन है जिसे इस चक्र को रोकना होगा, घटना को तथ्यों और प्रक्रिया के दायरे में वापस लाना होगा। इसे अपराध, जांच, मुकदमे और सजा के ढांचे पर वापस लौटना चाहिए। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि सांप्रदायिक मकसद को नजरअंदाज किया जा सकता है। यदि घटना धार्मिक रूप से लक्षित निकली, तो कानून को निश्चित रूप से उस बढ़ी हुई दोषीता को पूरा करना चाहिए; हालाँकि, यदि यह एक व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता थी, जो बाद में सांप्रदायिक बयानबाजी से रंग गई, तो कानून को समान रूप से होना चाहिए, इसे जनता द्वारा समझने की आवश्यकता है कि पीड़ित के सम्मान के बारे में झूठ न बोलने से उस पीड़ित को मदद मिलती है। सूर्या की हत्या (यदि यह वास्तव में हुई है) प्रचार के बजाय सच्चाई की मांग करती है। उनके लिए वास्तविक न्याय अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने और कानून द्वारा स्वीकार्य सबूतों के आधार पर दोषसिद्धि की मांग करता है; निर्दोषों के प्रति नफरत नहीं। न ही खोदा के निर्दोष मुसलमानों पर, जिन्होंने स्वयं इस हत्या की निंदा की है, मुकदमा चलाया जाना चाहिए, क्योंकि यह एक मुसलमान द्वारा भड़काई गई अवैध मुठभेड़ हो सकती है। सामूहिक संदेह न्याय नहीं है; यह अराजकता की शुरुआत है। तो फिर, राज्य के तीन कार्य हैं। पहला, हत्या की जांच को उद्देश्य, व्यावसायिकता और पीड़ित परिवार के प्रति सहानुभूति की भावना के साथ आगे बढ़ाना। दूसरा, संविधान और सर्वोच्च न्यायालय की घोषणाओं के दायरे में इस मुठभेड़ की सावधानीपूर्वक जांच करना; और तीसरा, भड़काऊ बयानबाजी, गलत सूचना और सामूहिक बदमाशी से बचना, जो सार्वजनिक शांति को भंग कर सकती है। किसी एक मामले में विफलता जनता के कानून के प्रति सम्मान को कमजोर कर देगी। सूर्य चौहान की घटना ऐसी न हो जहां तथ्य-खोज नारेबाजी की परत के नीचे हो। यह ऐसा मामला होना चाहिए जहां राज्य की संस्थाएं कम से कम दो सिद्धांतों को एक साथ रखने की अपनी क्षमता प्रदर्शित करें:- पीड़ित के लिए न्याय, अभियुक्त के लिए निष्पक्षता को बाहर न करे, हत्या की निंदा के लिए धर्म के आधार पर दोष निर्धारित करना आवश्यक न हो और कानून प्रवर्तन में दृढ़ता राज्य को अपने कार्यों के लिए जवाबदेह बने रहने की जिम्मेदारी से मुक्त न करे। ये उदारवादी आकांक्षाएँ नहीं हैं; वे संवैधानिक आपराधिक न्याय के लिए न्यूनतम पूर्व-आवश्यकताएँ हैं। इसलिए, निष्पक्ष परिणाम यह नहीं होना चाहिए कि किसी भी पक्ष पर दोष समान माना जाए। निष्पक्ष परिणाम यह है कि कानून यह पता लगाए कि वास्तव में क्या हुआ था। यदि सूर्य की हत्या असद और उसके सह-अपराधियों ने किसी षड्यंत्र या साझा इरादे से की थी, तो उन्हें कानून के तहत यथासंभव कठोरतम दंड मिलना चाहिए। यदि कोई धार्मिक मकसद था, तो कानून को भी इसे प्रतिबिंबित करना चाहिए। तथापि, यदि विवाद व्यक्तिगत था और बाद में जानबूझकर सांप्रदायिक रूप से तैयार किया गया था, तो राज्य को इसकी जांच की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तथ्यों के इस मनगढ़ंत निर्माण को सार्वजनिक सद्भाव के विरुद्ध अतिरिक्त अपराध में बदलने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। न्याय की खोज को प्रतिशोध की खोज के बराबर नहीं माना जाना चाहिए, न ही पीड़ित परिवार की कीमत पर सावधानी बरतने के बराबर माना जाना चाहिए। सूर्या चौहान की हत्या के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। उनकी हत्या के सांप्रदायिकरण को समाज द्वारा चुनौती दिए बिना नहीं छोड़ा जाना चाहिए। जिस मुठभेड़ में असद की हत्या हुई थी, उसकी राज्य द्वारा गहन कानूनी जांच की जानी चाहिए। केवल तीनों मांगों पर ध्यान देकर ही यह कहा जा सकता है कि राज्य ने कानून के अनुसार अपना कर्तव्य निभाया है। उतना ही निश्चित. तटस्थता तथ्यों और झूठ के बीच अंतर को विभाजित करना नहीं है; इसका तात्पर्य पहचान पर साक्ष्य को प्राथमिकता देने की अनुमति देना है।

लेखक:- डॉ. एपी सिंह, प्रख्यात वकील, भारत का सर्वोच्च न्यायालय

पुलिस भर्ती परीक्षा में उम्र छिपाकर बैठा अभ्यर्थी पकड़ा गया, पूछताछ में खुली हेराफेरी की पोल

बांदा। पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के दौरान उम्र संबंधी दस्तावेजों में हेराफेरी कर परीक्षा में शामिल होने गए एक अभ्यर्थी को अधिकारियों ने पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने उम्र कम दिखाने के लिए दोबारा हाईस्कूल परीक्षा देने और आधार कार्ड में जन्मतिथि संशोधित कराने की बात स्वीकार की। मामले में शहर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जिले के इंटरमीडिएट कॉलेज तिंदवारा में पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा का केंद्र बनाया गया था। परीक्षा के अंतिम दिन बुधवार को दूसरी पाली में प्रयागराज जिले के फाफामऊ थाना क्षेत्र स्थित सराय गोपाल निवासी आदर्श सिंह परीक्षा दे रहा था। इसी दौरान केंद्र व्यवस्थापक को उसके दस्तावेजों और उम्र को लेकर संदेह हुआ। मामला तत्काल उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया गया। इसके बाद अभ्यर्थी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में उसने उम्र कम दर्शाने के लिए दोबारा हाईस्कूल की परीक्षा देने तथा आधार कार्ड में जन्मतिथि बदलवाकर भर्ती परीक्षा में आवेदन करने की बात स्वीकार की। मामले की विवेचना कर रहे मेडिकल कॉलेज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सात वर्ष से कम सजा वाले अपराध की श्रेणी में आने के कारण उसे मुचलके पर छोड़ दिया गया है। दस्तावेजों की जांच कर मामले की विस्तृत विवेचना की जा रही है।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR -2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डाहौला के खेतों में टूटी माइनर, 80 एकड़ जमीन जलमग्न

एजेंसी
जींद। गांव डाहौला के खेतों में बधाना माइनर के ओवरफलो होकर टूटने से करीब 80 एकड़ जमीन जलमग्न हो गई। किसानों ने माइनर टूटने की सूचना सिंचाई विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही सिंचाई के जेई आसिफ अपने दलबल के मौके पर पहुंचे और जेसीबी की सहायता से टूटी माइनर को बंद करने का प्रयास किया लेकिन पीछे से पानी के तेज बहाव के कारण माइनर बंद नहीं हो पाई। माइनर टूटने से किसानों के खेतों में खड़ी धान की पौध, हरा चारा तथा बोरवेल खराब हो गए हैं। जिसके कारण किसानों में जिला प्रशासन के खिलाफ रोष है। किसानों का आरोप है कि विभाग की लापरवाही और समय पर माइनर की साफ-सफाई न होने के कारण माइनर टूट गई। किसानों ने बताया कि माइनर के किनारे काफी समय से कमजोर हो चुके थे। जिसकी शिकायत भी कई बार सिंचाई विभाग को दी गई थी लेकिन इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अचानक माइनर टूट गई, जिससे तेज बहाव के साथ पानी खेतों में घुस गया और करीब 80 एकड़ जमीन जलमग्न हो गई। सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो जमीन जलमग्न होते देख उनके होश उड़ गए। किसानों ने तुरंत इसकी सूचना सिंचाई विभाग के अधिकारियों को दी।

विकसित भारत और विकसित हरियाणा के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है: डा. अर्चना गुप्ता

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित स्नेह मंदिर में आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लेते हुए साफ-सफाई की तथा स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने मिठाईयों भी बांटी और लोगों के साथ संवाद कर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सांझा की। स्वच्छता अभियान के दौरान डा. गुप्ता ने सफाई कर्मचारियों को शॉल देकर सम्मानित भी किया।डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छता ही संस्कार है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए।

सीबीआई ने 657 करोड़ के घोटाले में दाखिल की दो चार्जशीट

चंडीगढ़। सीबीआई ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के जरिए सरकारी धन के कथित दुरुपयोग से जुड़े बहुचर्चित मामलों में दो अलग-अलग चार्जशीट दाखिल की हैं। इनमें एक मामला हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़े फंड के कथित दुरुपयोग का है, जबकि दूसरा चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) से संबंधित है। दोनों मामलों में अब तक वित्तीय नुकसान का आंकड़ा 657 करोड़ तक पहुंच चुका है। सीबीआई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, हरियाणा सरकार से जुड़े मामले में 504 करोड़ तथा चंडीगढ़ केंद्रशासित प्रदेश से जुड़े मामले में 153 करोड़ के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। जांच अभी खत्म नहीं हुई है और आने वाले समय में और आरोप पत्र दाखिल किए जा सकते हैं। सीबीआई ने हरियाणा सरकार के फंड के कथित दुरुपयोग मामले में पंचकूला स्थित विशेष अदालत में दूसरी चार्जशीट दाखिल की है। इस बार आरोप पत्र में दो निजी व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार दोनों उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें कथित अपराध से प्राप्त धन का लाभार्थी माना गया है। इससे पहले इसी प्रकरण में सीबीआई 15 आरोपियों के खिलाफ पहली चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

हत्या का प्रयासः मुख्य दोषी सचिन को सात साल की कैद

फतेहाबाद। थाना भूना के अंतर्गत वर्ष 2016 में हुए एक चर्चित हत्या के प्रयास के मामले में फतेहाबाद के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित गर्ग की अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने मामले के मुख्य आरोपी सचिन कुमार उर्फ टोनी को दोषी करार देते हुए 7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर 1 लाख 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इसी मामले में सह-आरोपी विकास, सतीश कुमार उर्फ आशाराम, सुरेंद्र उर्फ शैलेन्द्र सिंह, सुमित उर्फ दाराराम तथा संजय कुमार को अदालत ने भविष्य में किसी भी प्रकार के आपराधिक कृत्य से दूर रहने की कड़ी चेतावनी देते हुए रिहा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने बताया कि यह विवाद 31 मई 2016 को हुआ था। गाँव खजूरी जाटी निवासी शिकायतकर्ता विश्वामित्र पुत्र राम सिंह बिश्नोई ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि जब वह अपने बेटे विनोद उर्फ मनोज, भाई सुभाष और भतीजे सुधीर के साथ खेत में पाइप लाइन की मरम्मत कर रहे थे।

हरियाणा जल्द बनेगा 'आलू के प्रमाणित बीज' उत्पादन के लिए एक नैशनल-हब : श्याम सिंह राणा

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा वैसे तो पहले ही कृषि और बागवानी के क्षेत्रों में एक अग्रणी राज्य है और अब यह उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज आलू के उत्पादन के लिए एक नैशनल-हब बनने की दिशा में काम कर रहा है। वे आज यहां हरियाणा के बागवानी विभाग द्वारा 'हरियाणा टिशू कल्चर-आधारित बीज आलू अधिनियम, 2026,' एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) मिशन और हरियाणा उद्यानिकी नीति पर केंद्रित एक राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार, बागवानी निदेशालय के विभागाध्यक्ष श्री अर्जुन सैनी के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, एफपीओ प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान और बीज आलू उत्पादक मौजूद रहे।श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि प्रस्तावित 'हरियाणा टिशू कल्चर-आधारित बीज आलू

अधिनियम, 2026' राज्य में रोग-मुक्त, उच्च गुणवत्ता वाले और ट्रेस करने योग्य (ट्रेसेबल) बीज आलू के उत्पादन को बढ़ावा देगा, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ-साथ नए बाजारों तक पहुंच भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश भर में गुणवत्तापूर्ण बीज आलू की मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसकी उपलब्धता अभी भी सीमित है। इस प्रस्तावित अधिनियम का उद्देश्य टिशू कल्चर, एयरोपोनिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके बीज आलू उत्पादन के लिए एक वैज्ञानिक प्रणाली स्थापित करना है, जिससे प्रमाणित बीज उत्पादन और विपणन में किसानों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।कार्यशाला के दौरान अधिकारियों और विशेषज्ञों ने बताया कि हरियाणा में लगभग 33,000 हेक्टेयर क्षेत्र में आलू की खेती की जाती है और राज्य में बीज आलू उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। इस प्रस्तावित अधिनियम के लागू होने के बाद, राज्य में शुरुआती वर्षों के भीतर लगभग 10 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज आलू उत्पादन करने की क्षमता विकसित हो सकती है; इससे न केवल राज्य की अपनी ज़रूरतें पूरी होंगी, बल्कि अन्य राज्यों को भी गुणवत्तापूर्ण बीजों की आपूर्ति की जा सकेगी। इस कार्यशाला में एफपीओ मिशन पर भी विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने समझाया कि सामूहिक विपणन, प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग), भंडारण और मूल्यवर्धन (वैल्यू एडिशन) जैसी सुविधाएं प्रदान करके किसानों की आय बढ़ाने में एफपीओ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ऊषा प्रियदर्शी बनीं महिला आयोग की अध्यक्ष, सरकार ने महिला आयोग का किया पुनर्गठन

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में महिला आयोग का पुनर्गठन कर दिया है। कुरुक्षेत्र में नर्सिंग स्टाफ से विवाद के बाद चलते हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया के इस्तीफे के बाद सरकार ने महिला आयोग की अध्यक्ष व उपाध्यक्ष समेत पांच सदस्यों की नियुक्ति की है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गुरुग्राम निवासी ऊषा प्रियदर्शी को महिला आयोग की नई अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री और तोशाम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुकीं मीना परमार उपाध्यक्ष होंगी। इनके अलावा भारती सैनी, सुनीता लोहचब, सुमन शहजादवाला, अनुकंपा गर्ग और सुनीता चौहान को सदस्य बनाया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी ने राज्य महिला आयोग की नई अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पांच सदस्यों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए। नर्सिंग ऑफिसर से विवाद के बाद रेणु भाटिया द्वारा इस्तीफा दिया गया था लेकिन सरकार की तरफ से इस्तीफा स्वीकार किए जाने के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। नई नियुक्तियों के साथ ही स्थिति साफ हो गई है। महिला आयोग की चेयरपर्सन का कार्यकाल तीन साल का होता है, लेकिन रेनू भाटिया साढ़े चार साल तक इस पद पर रहीं। उन्होंने 19 जनवरी 2022 को चेयरपर्सन के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। इस आधार पर उनका कार्यकाल पिछले साल 18 जनवरी को पूरा हो गया था। 26 नवंबर 2024 को महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जारी एक पत्र के माध्यम से उनका कार्यकाल अगले आदेश तक बढ़ाया गया था, जिस पर अब विवाद छिड़ा है। नियमानुसार किसी विभागीय पत्र द्वारा कानून में निर्धारित अधिकतम कार्यकाल की सीमा को पार नहीं किया जा सकता।

योग भारत की प्राचीन संस्कृति और जीवन पद्धतिः ओम प्रकाश यादव

एजेंसी
नारनौल। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शनिवार को बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं अस्पताल पटीकरा में हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भव्य योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव मुख्य रूप से शामिल हुए और योगाभ्यास कर लोगों को स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम से पूर्व दोनों जनप्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया। इसके बाद भगवान धन्वंतरि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में उपस्थित लोगों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम किए। अपने संबोधन में विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और जीवन पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग को वैश्विक स्तर पर सम्मान और पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए योग सबसे प्रभावी माध्यम है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए अवश्य निकालना चाहिए। महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि योग केवल शरीर को ही नहींए बल्कि मन और आत्मा को भी स्वस्थ रखता है। उन्होंने योग गुरु बाबा रामदेव के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने योग को जन.जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चंडीगढ़ में सरकारी आवास आवंटन के लिए नया ऑनलाइन मॉड्यूल

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने चंडीगढ़ में सरकारी आवासों के आवंटन के लिए विकसित किए जा रहे ऑनलाइन मॉड्यूल के मद्देनजर सभी विभागों को आवश्यक विवरण निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा ई-आवास पोर्टल पर सरकारी आवास आवंटन के लिए विकसित किए जाने वाले इस समर्पित ऑनलाइन मॉड्यूल से आवास आवंटन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध होगी। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, हरियाणा लोक सेवा आयोग, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग, हरियाणा विधानसभा, हरियाणा पुलिस तथा अन्य प्रमुख कार्यालयों को पत्र जारी कर नोडल अधिकारी नामित करने तथा निर्धारित समय-सीमा के अन्दर आवश्यक विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश

दिए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान नियमों के तहत पात्र सरकारी कर्मचारियों को सरकारी आवास के आवंटन अथवा आवास परिवर्तन के लिए ई-आवास पोर्टल पर आवेदन करने के साथ-साथ संबंधित विभाग के माध्यम से सत्यापित हार्ड कॉपी भी भेजनी होती है। प्रत्येक माह की 20 तारीख तक प्राप्त आवेदन अगले माह के आवंटन चक्र में शामिल किए जाते हैं, जबकि अधूरे अथवा अपात्र आवेदन निरस्त किए जा सकते हैं। हाउस अलॉटमेंट कमेटी ने यह भी उल्लेख किया है कि ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने के बावजूद कई आवेदन निर्धारित सत्यापन प्रक्रिया का पालन किए बिना भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण और पदस्थापन संबंधी जानकारी समय पर अद्यतन नहीं होने के कारण अनेक अपात्र कर्मचारी वरिष्ठता सूची में बने रहते हैं अथवा पात्रता समाप्त होने के बाद भी सरकारी आवासों पर काबिज रहते हैं। ऐसे मामलों में नियमानुसार दंडात्मक किराया तथा ब्याज की वसूली की जा सकती है। इन समस्याओं के समाधान के लिए चंडीगढ़ प्रशासन ई-आवास पोर्टल पर एक व्यापक ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित करने जा रहा है। प्रस्तावित प्रणाली के माध्यम से विभागाध्यक्षों अथवा नामित नोडल अधिकारियों द्वारा डिजिटल सत्यापन के बाद ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। साथ ही स्थानांतरण एवं पदस्थापन संबंधी विवरणों का वास्तविक समय (रियल-टाइम) में अद्यतन, अपात्र कर्मचारियों की पहचान, वरिष्ठता सूची का स्वतः अद्यतन तथा आवास आवंटन प्रक्रिया का अधिक पारदर्शी और समयबद्ध संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

मानसून से पहले हरियाणा के स्वास्थ्य संस्थानों को बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान शुरू करने के निर्देश

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने राज्य भर के सभी सिविल सर्जनों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को आगामी मानसून सीजन से पहले व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को उपयुक्त पेड़ों की प्रजातियों का बड़े पैमाने पर रोपण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य पर्यावरण को हरा-भरा बनाना और मरीजों, आगंतुकों (विजिटर्स) तथा स्वास्थ्य कर्मियों के लिए अधिक स्वस्थ माहौल तैयार करना है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि मानसून के आगमन के साथ ही पौधे जीवित रहने की उच्च दर के कारण वृक्षारोपण गतिविधियों के लिए स्थितियां आदर्श हो जाती हैं। इसलिए, विभाग ने जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे योजनाबद्ध तरीके से इस वृक्षारोपण अभियान को चलाने के लिए स्थानीय प्रशासन और बागवानी विभागों के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य संस्थानों

को सलाह दी गई है कि वे बारहमासी स्थानीय प्रजातियों को प्राथमिकता दें, जिसमें घनी छाया देने वाले और सजावटी पेड़ शामिल हैं। ऐसी प्रजातियां न केवल अस्पताल परिसरों की सुंदरता को बढ़ाती हैं, बल्कि स्थानीय तापमान को कम करके, हवा की गुणवत्ता में सुधार करके और जैव विविधता को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक जिले को इस मानसून वृक्षारोपण अभियान के दौरान उपयुक्त प्रजातियों के कम से कम 1,000 पौधे लगाना सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने और सरकारी संस्थानों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल (ग्रीन) बनाने के राज्य के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधाओं के आसपास हरियाली बढ़ाने से स्वच्छ और अधिक आरामदायक माहौल तैयार होता है, जिसका सार्वजनिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। पेड़ अत्यधिक गर्मी (हीट स्ट्रेस) को कम करने में मदद करते हैं, छाया प्रदान करते हैं और समग्र पारिस्थितिक संतुलन में योगदान देते हैं, जिससे स्वास्थ्य परिसर मरीजों के लिए अधिक अनुकूल बनते हैं।अतिरिक्त मुख्य सचिव ने आगे कहा कि जिला अधिकारियों को इस वृक्षारोपण कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और अभियान पूरा होने पर अनुपालन रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग इसकी बारीकी से निगरानी करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पूरे राज्य में वृक्षारोपण के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से हासिल किया जा सके।

नीट में एक मिनट की देरी भी पड़ेगी भारी, 1:30 बजे बंद होंगे गेट

एजेंसी
नारनौल। मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहे हजारों अभ्यर्थियों के लिए इस बार समय की पाबंदी सबसे बड़ी परीक्षा साबित हो सकती है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में दोपहर 1:30 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा, चाहे देरी का कारण कुछ भी हो। जिला प्रशासन ने इसे लेकर विशेष सतर्कता बरतने और अभ्यर्थियों को समय से पहले केंद्रों पर पहुंचने की सलाह दी है।

महेंद्रगढ़ की उपायुक्त अनुपमा अंजली ने शनिवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ हुई समीक्षा बैठक के बाद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा की शुचिता, सुरक्षा और पारदर्शिता के साथ कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अभी से अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दें ताकि परीक्षा का संचालन पूरी तरह निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से हो सके। प्रशासन के अनुसार परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश सुबह 11 बजे से शुरू होगा, लेकिन दोपहर 1:30 बजे के बाद गेट बंद कर दिए जाएंगे। ऐसे में अंतिम समय तक पहुंचने की सोच रखने वाले अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रशासन का मानना है कि ट्रैफिक, दूरी या अन्य कारणों से होने वाली देरी को देखते हुए अभ्यर्थियों को कम से कम एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना चाहिए। इस बार परीक्षा को लेकर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था भी विशेष रूप से मजबूत की जा रही है। परीक्षा केंद्रों के आसपास कानून व्यवस्था बनाए रखने, यातायात सुचारु रखने तथा बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नीट परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होगी। जिला प्रशासन का फोकस इस बात पर है कि प्रत्येक अभ्यर्थी को निष्पक्ष वातावरण मिले और परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे।

बोर्ड अध्यक्ष ने विभिन्न शाखाओं, छात्र सुविधा केन्द्र व कैंटीन का किया औचक निरीक्षण

एजेंसी
भिवानी : हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के अध्यक्ष श्री शंकर लाल धूपड़ ने आज बोर्ड कार्यालय की विभिन्न शाखाओं, छात्र सुविधा केन्द्र व कैंटीन का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें और जनता से संवाद के दौरान विनम्र एवं सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाए रखें। निरीक्षण के दौरान श्री शंकर लाल धूपड़ ने कहा कि बोर्ड के कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं में जाकर लंबित मामलों का जायजा लिया तथा अधिकारी/कर्मचारियों को समय रहते कार्यों के निपटान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बोर्ड अध्यक्ष ने बोर्ड परिसर स्थित कार्यालय कैंटीन का निरीक्षण करते हुए भोजन/चाय एवं अन्य खाद्य पदार्थों का सेवन कर स्वयं गुणवत्ता की जांच की तथा उपस्थित कर्मचारियों को कैंटीन की साफ सफाई के साथ-साथ बेहतर गुणवत्ता

वाले पदार्थों को तैयार करने बारे निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त बोर्ड अध्यक्ष द्वारा छात्र सुविधा केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया। बोर्ड कार्यालय में अपने-अपने कार्यों से आए विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से भी संवाद किया तथा बोर्ड की कार्यशैली, कर्मचारियों के व्यवहार, शिकायत निवारण व्यवस्था व अन्य सुविधाओं बारे विस्तार से बातचीत की तथा उनकी राय भी जानी। आगन्तुकों ने बोर्ड अध्यक्ष से अपने अनुभव साझा किए, जिनमें से कई ने बोर्ड की कार्यप्रणाली की सराहना की, वहीं कुछ ने सुधार संबंधी सुझाव भी दिए। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड प्रदेशभर के विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के हित में पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जींद को मिली बड़ी सौगातः 50 एमबीबीएस सीटों वाले मेडिकल कॉलेज की मंजूरी, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में खुलेगा विकास का नया अध्याय

एजेंसी
जींद : हरियाणा सरकार द्वारा जींद जिले में 50 एमबीबीएस सीटों वाले मेडिकल कॉलेज की स्थापना को मंजूरी मिलने के बाद जिले में खुशी का माहौल है। इस ऐतिहासिक निर्णय को शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में मील का पत्थर माना जा रहा है। जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त किया है।जिले के लोगों का मानना है कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना से न केवल चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे, बल्कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर भी बेहतर होगा। लंबे समय से मेडिकल कॉलेज की मांग उठाई जा रही थी, जिसे अब सरकार ने साकार रूप दिया है।इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता आशुतोष शर्मा ने हरियाणा विधानसभा के माननीय डिप्टी स्पीकर श्री कृष्ण लाल मिड्ढा से विशेष मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जींद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हजारों विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने का कार्य करेगी। अब जिले के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और उन्हें अपने ही जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। आशुतोष शर्मा ने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को साकार करने में डिप्टी स्पीकर श्री कृष्ण लाल मिड्ढा के निरंतर प्रयासों, दूरदर्शी सोच तथा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के सकारात्मक नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय-समय पर श्री मिड्ढा द्वारा इस विषय को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा गया, जिसके परिणामस्वरूप जींद को यह ऐतिहासिक सौगात प्राप्त हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का भी विशेष धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिली है। मेडिकल कॉलेज की स्थापना से क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

सोनीपत का नागरिक अस्पताल अब होगा 300 बिस्तरों का, हिसार के पनिहार चक में खुलेगा नया उप-स्वास्थ्य केंद्र

एजेंसी
चंडीगढ़।हरियाणा सरकार ने राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने और आम जनमानस को उनके घर के नजदीक ही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में दो बड़े और महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। सरकार ने सोनीपत स्थित 200 बिस्तरों वाले नागरिक अस्पताल की क्षमता को अपग्रेड कर 300 बिस्तरीय करने और हिसार जिले के ग्रामीण क्षेत्र पनिहार चक में एक नया उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलने की आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण फैसले की जानकारी साझा करते हुए हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी राज्य के प्रत्येक नागरिक तक विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध हैं। इसी विज़न को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने इन दोनों प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाई है, जिसमें सोनीपत के अस्पताल का अपग्रेडेशन विशेष रूप से शामिल है, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा इस वर्ष के बजटीय सत्र के दौरान की गई थी।सोनीपत के नागरिक अस्पताल की क्षमता में इस विस्तार से स्थानीय और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को बहुत बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में जिला अस्पताल पर मरीजों का भारी दबाव रहता था, लेकिन अब बिस्तरों की संख्या बढ़कर 300 होने से न केवल गंभीर मरीजों को बेड के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा, बल्कि अस्पताल में नए वार्डों का निर्माण, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और अतिरिक्त डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती का रास्ता भी साफ होगा। इससे मरीजों के परिवारों का आर्थिक व मानसिक बोझ भी घटेगा। इसी तरह ग्रामीण आंचल में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कड़ी में हिसार जिले के गांव पनिहार चक को एक बड़ी सौगात मिली है। यहाँ नए उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना को मुख्यमंत्री द्वारा दी गई मंजूरी से पनिहार चक सहित इसके आसपास के कई गांवों के लोगों का जीवन

आसान होगा। अब ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को सामान्य बीमारियों के इलाज, नियमित टीकाकरण, और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर-दराज के शहरों या बड़े नागरिक अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्हें अपने ही गांव में प्राथमिक उपचार और मुफ्त दवाइयां सुलभ हो सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने दोहराया कि राज्य सरकार का मुख्य लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है, जिसके तहत शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का समान रूप से आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

सेवानिवृत्ति के बाद भी नौकरी कर रहे अधिकारियों व कर्मचारियों की होगी छुट्टी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सेवानिवृत्ति के बाद दोबारा नियुक्त किए गए तथा संविदा आधार पर कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का ब्योरा मांगा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के कार्यालय ने हरियाणा सिविल सचिवालय के सभी विभागों को पत्र जारी कर 15 जून तक समस्त जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं। बृहस्पतिवार को जिन अधिकारियों व कर्मचारियों को सेवाओं से अलग किया गया है, उनमें सज्जन सिंह, विपिन कुमार, हरीश चंद्र, हरेंद्रपाल, तरसेम सिंह और मुन्नी लाल सैनी शामिल हैं। मुख्य सचिव कार्यालय ने हरियाणा सचिवालय में कार्यरत सभी श्रेणियों (ए, बी, सी और डी) के उन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची मांगी है, जिन्हें सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्त किया गया है या जो संविदा आधार पर सेवाएं दे रहे हैं। यह जानकारी विभिन्न विभागों से एकत्र कर मुख्य सचिव कार्यालय की स्थापना-2 शाखा को भेजनी होगी। रिटायरमेंट के बाद काम कर रहे अधिकारियों व कर्मचारियों की संख्या सेक्टर 17 स्थित मिनी सचिवालय में भी कम नहीं है। मुख्य सचिव कार्यालय के पत्र में स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री के आदेशों के अनुपालन में यह विवरण तैयार किया जा रहा है। सभी अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों, सचिवों, विशेष सचिवों, संयुक्त सचिवों तथा विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीन कार्यरत ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों का पूरा रिकार्ड निर्धारित समय सीमा तक उपलब्ध कराएं। सरकारी सूत्रों के अनुसार इस कवायद को सचिवालय और विभिन्न विभागों में सेवानिवृत्ति के बाद दी गई नियुक्तियों की व्यापक समीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है।

रुपया में सप्ताहिक तौर पर डॉलर के मुकाबले मामूली कमजोरी रही

भू-राजनीतिक तनाव में कमी और तेल कीमतों में नरमी ने दी कुछ राहत

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारतीय रुपये का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। डॉलर के मुकाबले रुपये में सप्ताह भर में 0.18 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें अच्छी मजबूती देखने को मिली, जिससे हुई कुल साप्ताहिक गिरावट में कुछ सुधार आया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 0.68 फीसदी की तेजी के साथ 95.11 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह गुरुवार के 95.76 प्रति डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण सुधार था, जब रुपये में उल्लेखनीय कमजोरी देखी गई थी। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.94 के स्तर तक भी पहुंचा था, जो बाजार के बेहतर माहौल को दर्शाता है। रुपये में आई इस मजबूती की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में युद्ध थमने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, बाजार का बेहतर होता माहौल और अमेरिका-ईरान के बीच कूटनीतिक सफलता की संभावनाओं से डॉलर का कमजोर होना रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के विदेशी मुद्रा विनियम के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने इस बात पर जोर दिया कि रुपये ने गुरुवार को हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई की है। रुपया फिलीपींस के पेसो, दक्षिण कोरियाई वॉन और इंडोनेशियाई रुपिया के बाद एशिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक रहा। हालांकि, फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपये में कुल 4.35 फीसदी की गिरावट आ चुकी है, जो लंबी अवधि की चुनौतियों को दर्शाता है।

बॉन्ड बाजार में लौटी रौनक कंपनियों व संस्थानों ने जुटाए 27,000 करोड़

अगले हफ्ते भी जारी रहेगा बॉन्ड जारी करने का सिलसिला

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते भारतीय कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई, जहां कंपनियों और संस्थानों ने करीब 27,000 करोड़ रुपये जुटाए। बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट के कारण उधार लेने की लागत कम होने से कंपनियों ने बड़े पैमाने पर बॉन्ड जारी करना शुरू कर दिया है।

यह तेजी प्रारंभिक वित्त वर्ष में देखी गई सुस्ती के बाद आई है, जब ऊंची यील्ड ने उधारकर्ताओं को बैंक ऋण का सहारा लेने पर मजबूर किया था। इस सप्ताह अच्छी रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड पर यील्ड लगभग 50 से 70 आधार अंक तक कम हुई, जबकि 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में करीब 9 आधार अंक की गिरावट दर्ज की गई।

यील्ड में इस अनुकूल कमी ने कंपनियों के लिए बॉन्ड बाजार से पूंजी जुटाना अधिक आकर्षक बना दिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया नीतिगत समर्थन और पूंजी जुटाने के लिए उठाए गए कदमों, जैसे विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक (बी) जमा और बाह्य वाणिज्यिक उधारी को बढ़ावा देने से भी पूंजी जुटाने की स्थिति में सुधार हुआ है और रुपये को स्थिर करने में मदद मिली है। बाजार में यह उत्साह अगले हफ्ते भी जारी रहने की उम्मीद है। हाउसिंग ऐंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (हडको), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान अगले हफ्ते बॉन्ड से कुल 13,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों (अप्रैल और मई) में प्राथमिक बाजारों में काफी कम गतिविधियां देखी गई थीं, जब भारतीय कंपनियों ने घरेलू बॉन्ड बाजार से केवल 1.07 लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई थी।

यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले लगभग 58 फीसदी कम थी और वित्त वर्ष 2023 के बाद से किसी भी वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों में जुटाई गई सबसे कम रकम थी। इस सप्ताह नेशनल बैंक फॉर फाइनैंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐंड डेवलपमेंट (नैबफिड) ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाए।

पीएनबी, उज्जीवन ने बढ़ाई एफसीएनआर जमा दरें

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) ग्राहकों के लिए विदेशी मुद्रा प्रवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) अमेरिकी डॉलर जमा पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इस कदम का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को विदेशी मुद्रा में अपनी आय बढ़ाने का अवसर देना तथा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिम से सुरक्षा प्रदान करना है। बैंक के अनुसार विशेष एफसीएनआर (बी) जमा योजना के तहत तीन से चार वर्ष की अवधि के लिए छह प्रतिशत, जबकि चार से पांच वर्ष की अवधि के लिए 6.05 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। पांच वर्ष की सावधि जमा पर पीएनबी 6.1 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भी एफसीएनआर (बी) जमा दरों में वृद्धि की है। बैंक ने तीन से पांच वर्ष की अवधि के लिए अधिकतम 7.13 प्रतिशत तक ब्याज दर की घोषणा की है।

मोगावीरा सहकारी बैंक पर आरबीआई का शिकंजा, निकासी सीमा तय

छह महीने के लिए लागू हुआ प्रतिबंध, खाताधारक केवल 1 लाख रुपये तक ही निकाल सकेंगे

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई के मोगावीरा सहकारी बैंक की गंभीर होती वित्तीय स्थिति पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन निर्देशों के तहत अब कोई भी खाताधारक अपने विभिन्न खातों से अधिकतम 1 लाख रुपये तक ही निकाल पाएगा।

यह कदम ग्राहकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

आरबीआई का यह आदेश शुक्रवार को बैंकिंग कार्य समाप्त होने के बाद से लागू हो गया है और अगले छह महीने तक प्रभावी रहेगा, जिसकी केंद्रीय बैंक समय-समय पर समीक्षा करेगा। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि बैंक की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के कारण यह कदम उठाना पड़ा है। आरबीआई लगातार मोगावीरा बैंक के बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन के संपर्क में था ताकि कमियों को दूर कर खाताधारकों के पैसों की रक्षा की जा सके, लेकिन बैंक ने कोई ठोस प्रयास नहीं किए। जमाकर्ताओं के हितों को सुरक्षित रखने के लिए अंततः आरबीआई को यह सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। इस अवधि में बैंक नए ऋण जारी नहीं कर सकेगा और न ही कोई नया निवेश कर पाएगा।

शेयर बाजार ने निराशा से ऐतिहासिक छलांग तक का तय किया सफर

वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव से प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं रहा। वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोमवार को भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे प्रमुख सूचकांक धड़ाम हो गए। हालांकि सप्ताह के अंत में निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी ने बाजार में तूफानी वापसी दर्ज कराई और सेंसेक्स-निफ्टी नए ऐतिहासिक उच्च स्तरों पर बंद हुए, जो बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को बेहद निराशाजनक रही। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वैश्विक बदलावों के बीच जोखिम से बचने के माहौल ने बाजार को अपनी चपेट में ले लिया। मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स 719.08 अंक लुढ़ककर 73,524.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 243.71 अंक टूटकर 23,123.00 के अहम स्तर से नीचे आ गया। यह बिकवाली एशियाई और यूरोपीय बाजारों में भी देखी गई। मंगलवार को बाजार ने शानदार वापसी की और दोनों सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 394.50 अंक की बढ़त के साथ 73,918.76 पर पहुंचा, वहीं निफ्टी 119.10 अंक मजबूत होकर 23,242.10 पर बंद हुआ। हालांकि बुधवार को बाजार में मिला-जुला रुख दिखा। सेंसेक्स मामूली 64.42 अंक बढ़कर 73,983.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 27.15 अंक गिरकर 23,214.95 पर लाल निशान में रहा। इस दौरान रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट जारी रही। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में बिकवाली का माहौल दिखा। सेंसेक्स 150.63 अंक फिसलकर 73,832.55 पर आ गया और निफ्टी 53.35 अंक कमजोर होकर 23,161.60 पर बंद हुआ। भारतीय रुपये में भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की और गिरावट दर्ज की गई, जो 95.60 पर पहुंच गया। शुक्रवार का दिन निवेशकों के लिए किसी सौगात से कम नहीं रहा। जबरदस्त खरीदारी के माहौल में बाजार खुलते ही चौतरफा तेजी देखी गई। जोखिम लेने के बढ़ते रुझान के चलते दिनभर सूचकांकों ने जोरदार छलांग लगाई। कारोबारी सत्र के अंत में बीएसई सेंसेक्स 1,695.40 अंकों की लंबी छलांग लगाकर 75,527.95 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ।

रिलायंस अनिल अंबानी समूह के दो पूर्व अधिकारियों को ईडी ने किया गिरफ्तार

पीएमएलए के तहत हुई गिरफ्तारी, बैंक लोन धोखाधड़ी की जांच जारी

मुंबई ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह पर अपना शिकंजा कसते हुए प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दो पूर्व अधिकारियों सतीश सेठ और गौतम दोषी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कथित बैंक लोन फ्रॉड से संबंधित सीबीआई की जांच के बाद हुई है। इसी के साथ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिससे समूह की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सेठ और दोषी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के पूर्व निदेशक रह चुके हैं। उन पर भारतीय स्टेट बैंक को 114.98 करोड़ रुपए के कथित लोन फ्रॉड का आरोप है, जिसके संबंध में सीबीआई ने पहले मामला दर्ज किया था। ईडी ने सीबीआई की इसी शिकायत का संज्ञान लिया है। उन्हें आगे की कस्टडी के लिए दिल्ली की अदालत में पेश किया जाएगा। एसबीआई उन 11 बैंकों के कंसोर्टियम का हिस्सा था, जिन्होंने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को कुल 735 करोड़ रुपए की टर्म लोन सुविधा मंजूर की थी। दूसरी ओर एनसीएलटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस इन्फ्राटेल लिमिटेड को दिए गए ऋणों के लिए व्यक्तिगत गारंटर के रूप में अनिल अंबानी की भूमिका को लेकर एसबीआई की याचिका मंजूर कर ली है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने इस फैसले को कानूनी रूप से चुनौती देने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि जून में सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर अमिताभ झुनझुनवाला को भी इसी तरह के एक बड़े लोन फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार किया था।

मई में बढ़ी खुदरा महंगाई, 3.93 फीसदी पर पहुंचा आंकड़ा

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल बनी मुख्य वजह, अक्टूबर में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा जारी मई के आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति (रिटेल इनफ्लेशन) बढ़कर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.48 फीसदी थी। यह इस साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है, जिसमें अप्रैल के मुकाबले 0.45 प्रतिशत अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि का मुख्य कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में आया उछाल है, जिससे आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ा है। मई में उपभोक्ता खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 4.78 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 4.2 फीसदी थी। ग्रामीण इलाकों में यह दर 4.85 फीसदी और शहरी इलाकों में 4.66 फीसदी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, टमाटर, अदरक और अन्य सब्जियों जैसी जल्द खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतों में तेजी से यह दबाव बना है। हालांकि, कोर इनफ्लेशन लगभग 3.7 फीसदी पर स्थिर रहा, जो दर्शाता है कि मुद्रास्फीति में वृद्धि में खाद्य वस्तुओं का ही प्रमुख योगदान है। बाजार के जानकारों ने कहा कि 4 फीसदी से नीचे का खुदरा और कोर इनफ्लेशन अल्पकालिक राहत का संकेत देता है, लेकिन मानसून के असर पर नजर रहेगी। उन्होंने अक्टूबर में ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की संभावना जताई है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अल-नीनो के संभावित प्रभाव (कमजोर मानसून) से भविष्य में महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है, जिससे पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है।

अमेरिकी आदेश के बाद एन्थ्रोपिक ने बंद किए अपने सबसे एडवांस एआई मॉडल

राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं पर अमेरिकी सरकार का निर्देश; जेलब्रेक की आशंका पर कंपनी असहमत

नई दिल्ली ।

अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एन्थ्रोपिक ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमेरिकी सरकार के आदेश के बाद अपने सबसे उन्नत एआई मॉडल फें विल 5 और मायथॉस 5 को सभी विदेशी उपयोगकर्ताओं के लिए बंद कर दिया है। एन्थ्रोपिक को मिले निर्देश में फें विल 5 के सुरक्षा उपायों को बायपास या जेलब्रेक करने की आशंका जताई गई है, जिससे सॉफ्टवेयर कमजोरियों का पता लग सकता है। हालांकि, कंपनी ने केवल एक संभावित सीमित जेलब्रेक के मौखिक सबूत मिलने की बात कही। एन्थ्रोपिक ने करोड़ों लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कमर्शियल मॉडल को ऐसे सीमित कारण से वापस लेने को अनुचित बताया है, जिससे एआई डेवलपर्स और नियामकों के बीच तनाव बढ़ा है। यह कार्रवाई कंपनी के ट्रंप प्रशासन से पुराने विवाद और अमेरिकी सेना को अपने एआई मॉडल घरेलू निगरानी या स्वचालित हथियारों के लिए देने से इनकार के बाद हुई है, जिसके जवाब में सरकार ने उसे ब्लैकलिस्ट किया था। यह घटना विदेशी एआई क्षमताओं को रोकने के अमेरिकी प्रयासों में एक बड़ा बदलाव भी दर्शाती है।

क्रूड 87 डॉलर के पार, कई शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

महानगरों में स्थिर रहीं कीमतें, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की तेजी का असर

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 87 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद देश के कई शहरों में ईंधन के दामों में बदलाव आया है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों की घोषणा के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 101.92 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल में 21 पैसे की बढ़त के साथ यह 95.37 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 11 पैसे चढ़कर 113.65 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को आंशिक राहत मिली है। यहां पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 102.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे की गिरावट के साथ 95.44 रुपये प्रति लीटर के भाव पर आ गया है। गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे जारी की जाती हैं। इन दामों में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य शुल्कों को जोड़ने के बाद इनका अंतिम मूल्य मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाता है।

सोयाबीन खल की कमी ने बढ़ाई लागत, सीएलएफएमए ने जताई चिंता

सीएलएफएमए ने कहा, लागत बढ़ने से पोल्ट्री, ए[ाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र पर दबाव

मुंबई ।

पशु आहार उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है। कंपाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएलएफएमए) ने सोयाबीन तेल-रहित खल (डीओसी), जो पशु आहार में प्रोटीन का मुख्य स्रोत है, की गंभीर कमी पर चिंता व्यक्त की, जिससे चारे की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इस आपूर्ति व्यवधान के कारण पोल्ट्री, जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) तथा पशुपालन क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ा है। सीएलएफएमए के अनुसार हाल के हफ्तों में सोयाबीन डीओसी की कीमतें 40 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 65-66 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। इस वृद्धि ने चारे के उत्पादन की लागत में इजाफा किया है, जिससे 'एनिमल प्रोटीन' मूल्य श्रृंखला से जुड़े किसानों पर सीधा असर पड़ रहा है। संघ की एक प्रमुख अधिकारी ने कहा, भारत के पोल्ट्री, एक्वाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आजीविका और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सोयाबीन डीओसी की निरंतर कमी और चारे की बढ़ती लागत से खेती की उत्पादकता और मुनाफे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चारे की सामग्री की उपलब्धता को राष्ट्रीय प्राथमिकता बताया। उन्होंने सभी अंशधारकों से किसानों के हितों की रक्षा और देश के चारा एवं पशु कृषि परिवेश को मजबूत करने के लिए एक संतुलित व टिकाऊ समाधान हेतु मिलकर काम करने की अपील की है।

स्पेसएक्स की बंपर लिस्टिंग, एलन मस्क बने दुनिया के पहले ट्रिलियनियर

शेयरों में 23 फीसदी की उछाल, कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2.18 लाख करोड़ डॉलर पहुंचा

वाशिंगटन ।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार में शानदार शुरुआत करते हुए अपने सीईओ एलन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनियर बना दिया। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 23 प्रतिशत उछल गए, जिससे मस्क की संपत्ति 1.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गई। स्पेसएक्स के शेयर 150 डॉलर के भाव पर खुले, जो निर्गम मूल्य से 11 प्रतिशत अधिक था, और शीघ्र ही 166.90 डॉलर तक पहुंचे। इस जोरदार शुरुआत ने कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.18 लाख करोड़ डॉलर आंका, जिससे फोर्ब्स के अनुमान के अनुसार एलन मस्क की कुल संपत्ति 1.1 लाख करोड़ हो गई है, और वे इतिहास के पहले ट्रिलियनियर बन गए हैं। कंपनी ने 135 डॉलर प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 55.56 करोड़ शेयर बेचकर रिकॉर्ड 75 अरब जुटाए, जो 2019 के सऊदी अरामको के 26 अरब डॉलर के आईपीओ के रिकॉर्ड को भी तोड़ गया। मस्क ने इन निधियों को उपग्रहों, अंतरिक्ष में डेटा सेंटर स्थापित करने और मंगल पर मानव बस्ती बसाने जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आम लोगों को चंद्रमा और मंगल तक ले जाने की कंपनी की योजनाओं का भी जिक्र किया। हालांकि, कंपनी को जनवरी 2025 से मार्च 2026 के बीच 8.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, और मॉर्निंगस्टार जैसे विश्लेषकों ने इसके आईपीओ मूल्यांकन को अत्यधिक बताते हुए चिंता व्यक्त की है, जो उसके अनुमानित मूल्य का लगभग आधा है। स्पेसएक्स इस वर्ष बाजार में सूचीबद्ध होने वाली तीन बड़ी कंपनियों में से पहली है।

भारत, स्विट्ज़रलैंड ने दवा क्षेत्र में निवेश अवसरों पर चर्चा की

बर्न ।

भारत और स्विट्जरलैंड ने भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में स्विस दवा कंपनियों के लिए नए निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने स्विट्जरलैंड दौरे के दौरान इस विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। गोयल ने बर्न में स्विट्जरलैंड के आर्थिक मामलों की सचिव हेलेन बुडलिगर आर्टिएडा और प्रमुख दवा एवं जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की सह-अध्यक्षता की।

उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि चर्चा का केंद्र नवाचार को मजबूत करने के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में नए निवेश अवसरों पर था। इसके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री ने स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। इस दौरान दोनों देशों के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को रेखांकित किया गया।

आर्थिक जुड़ाव, निवेश प्रवाह और बहुप्रतीक्षित भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को और

मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अब हालात सिर्फ बिगड़ नहीं रहे हैं बल्कि यह इस्लामाबाद के खिलाफ खुले जनविद्रोह का रूप ले चुके हैं। जिन लोगों को पाकिस्तान दशकों से अपने कब्जे का हिस्सा बताकर दुनिया के सामने कश्मीर का झूठा राग अलापता रहा, वही लोग आज सड़कों पर उतरकर उसके दमनकारी चेहरे को बेनकाब कर रहे हैं। आटे पर सब्सिडी, बिजली दरों में कमी, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों जैसी बुनियादी मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब पाकिस्तान की औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ व्यापक जनआक्रोश में बदल चुका है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सेना, रेंजर्स और पुलिस ने जिस बर्बरता का प्रदर्शन किया है, उसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई गईं, लाठीचार्ज हुआ, आंसू गैस के गोले दागे गए और इंटरनेट सेवाएं बंद कर पूरे क्षेत्र को अंधेरे में धकेल दिया गया। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार अब तक दर्जनों नागरिक मारे जा चुके हैं और हजारों गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। रावलाकोट, मीरपुर, कोटली, भीमबर और पुंछ जैसे क्षेत्रों में हालात विस्फोटक बने हुए हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों की जमीनों को डुबोकर मंगला बांध बनाया गया, उन्हीं लोगों को आज आसमान छूते बिजली बिल थमाए जा रहे हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को ऊर्जा देने वाला यह विशाल बांध स्थानीय जनता के लिए अभिशाप बन चुका है। हजारों परिवार उजड़ गए, लेकिन पुनर्वास तक नहीं मिला। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन पाकिस्तान करता है, लेकिन उसका लाभ स्थानीय जनता को नहीं मिलता। यही कारण है कि यह आंदोलन अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अस्तित्व और सम्मान की लड़ाई बन गया है।

पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया। इन सीटों के जरिये पाकिस्तान अपनी पसंद की सरकारें थोपता है और कश्मीरी आवाजों को कुचल देता है। यही कारण है कि लोग अब खुलकर कह रहे हैं कि पाकिस्तान उन्हें नागरिक नहीं, गुलाम समझता है।

स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि पाकिस्तान ने संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी को प्रतिबंधित कर दिया है। इसके नेताओं के सिर पर इनाम घोषित किए गए हैं। पत्रकारों को गिरफ्तार किया जा रहा है, मीडिया पर सेंसरशिप थोप दी गई है और इंटरनेट बंद कर सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन दमन जितना बढ़ रहा है, जनाक्रोश उतना ही उग्र हो रहा है। ब्रिटेन और अमेरिका में बसे कश्मीरी प्रवासियों ने भी पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। यह वही प्रवासी समुदाय है जिसे पाकिस्तान वर्षों तक भारत विरोधी प्रचार के लिए इस्तेमाल करता रहा। मगर अब वही लोग इस्लामाबाद के दमन के खिलाफ दुनिया को सच बता रहे हैं। पाकिस्तानी सेना ने पीओके के लोगों के साथ जो बर्बरता की है उसके खिलाफ गुस्सा इतना ज्यादा है कि लोग नारे लगा रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना को कुत्ता कहना कुत्ते की तौहीन है। बाइट।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह पाकिस्तान के लिए बेहद खतरनाक स्थिति है। यह संकट उसे सीधे 1971 की याद दिला रहा है, जब दमन और सैन्य बल के सहारे पूर्वी पाकिस्तान को दबाने की कोशिश ने अंततः बांग्लादेश के निर्माण का रास्ता खोला था। आज पीओके में भी वही हालात दिखाई दे रहे हैं। जनता का भरोसा टूट चुका है और पाकिस्तान केवल बंदूक के दम पर कब्जा बनाए रखना चाहता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि भय के सहारे किसी क्षेत्र को लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रखा जा सकता।

उधर, भारत के लिए यह स्थिति सामरिक और कूटनीतिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जमीनी हकीकत यह है कि वैसे तो पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है लेकिन पीओके में पाकिस्तान का कब्जा अवैध है। अब जब वहां की जनता खुद पाकिस्तान के खिलाफ उठ खड़ी हुई है और भारत के साथ मिलने की बातें मुखर होने लगी हैं तो सवाल उठता है कि भारत को क्या पीओके में सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए? इस सवाल पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ बंटे हुए नजर आ रहे हैं। कई विश्लेषकों का कहना है कि सीधे हस्तक्षेप की बजाय भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के मानवाधिकार उल्लंघनों को और आक्रामक तरीके से उठाना चाहिए। उनका कहना है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय देशों और वैश्विक मानवाधिकार संगठनों के सामने यह प्रश्न मजबूती से रखना होगा कि आखिर पाकिस्तान किस नैतिक आधार पर कश्मीर की बात करता है, जब उसके कब्जे वाले क्षेत्र में जनता को जीने तक का अधिकार नहीं है।

कुछ विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यदि भारत ने पीओके में सीधे हस्तक्षेप किया तो यह सीधे सैन्य दखल के रूप में देखा जायेगा और यह दो परमाणु शक्तियों के बीच संघर्ष का खतरा बढ़ा सकता है। वैसे भी पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद और उकसावे की नीति अपनाता रहा है इसलिए वह किसी भी प्रत्यक्ष कार्रवाई को युद्ध का बहाना बना सकता है। इसलिए भारत को अत्यंत संतुलित लेकिन दृढ़ रणनीति अपनानी होगी।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के पास कई विकल्प हैं। जैसे पीओके की जनता के साथ मानवीय और सामाजिक संपर्क बढ़ाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को घेरना, सीमा पर सुरक्षा और सतर्कता बढ़ाना क्योंकि पाकिस्तान ध्यान भटकाने के लिए आतंकवादी घुसपैठ बढ़ा सकता है। साथ ही पीओके के लोगों के लिए राजनीतिक संदेश देना होगा कि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है और उनके अधिकारों के साथ खड़ा है। विश्लेषकों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीओके के लिए आरक्षित 24 सीटों को सक्रिय राजनीतिक प्रक्रिया से जोड़ने पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

बहरहाल, फिलहाल भारत के लिए सबसे प्रभावी रास्ता यही है कि वह धैर्य, कूटनीति और रणनीतिक दबाव का संयोजन अपनाए। पीओके में जो आग भड़की है, वह केवल आर्थिक संकट का परिणाम नहीं, बल्कि दशकों के दमन, शोषण और राजनीतिक अपमान का विस्फोट है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी समस्या यह है कि अब उसका झूठ उसके अपने कब्जे वाले क्षेत्र में ही टूट रहा है। जिस जमीन को वह कश्मीर की आजादी का प्रतीक बताता था, वहीं की जनता आज उसके खिलाफ आजादी की आवाज बुलंद कर रही है। हालात साफ संकेत दे रहे हैं कि आने वाले समय में पीओके का भारत के साथ स्वाभाविक जुड़ाव और तेज हो सकता है। स्थानीय जनता जिस तरह पाकिस्तान के खिलाफ आरपार की लड़ाई के मूड़ में दिखाई दे रही है, उससे स्पष्ट है कि इस्लामाबाद के लिए अब केवल बंदूक और दमन के सहारे वहां अपनी पकड़ बनाए रखना आसान नहीं रहेगा। स्थानीय जनता के भीतर पाकिस्तान विरोधी भावना लगातार गहरी हो रही है। यदि पाकिस्तान ने अपनी दमनकारी नीतियां नहीं बदलीं, तो वह दिन दूर नहीं जब पीओके की जनता खुद पाकिस्तान के कब्जे को खुली चुनौती देते हुए भारत के साथ खड़े होने का रास्ता चुन सकती है।

संपादकीय

निरंकुशता के निशाने

खाड़ी में ईरान की नाकेबंदी की कवायद के दौरान अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों का मारा जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिसको लेकर देश में गम व गुस्सा व्याप्त है। यूं तो कहा जाता रहा है कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और क्वॉड जैसे संगठनों में भूमिका निभा रहा है, तो फिर लगातार भारत के हितों पर कुठाराघात क्यों किया जा रहा है? भले ही अमेरिका ईरान की तेल निर्यात से होने वाली आय रोकने व युद्ध समाप्त करने हेतु समझौते के लिये दबाव बनाने हेतु ये आक्रामक नीति अपना रहा हो। लेकिन जिन देशों का युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है, उनके नागरिकों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? हाल में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को अमेरिकी सेना द्वारा निशाना बनाया गया है। इसमें से, ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय चालक दल के तीन सदस्य मारे गये हैं। जिससे भारत व अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। वैसे औपचारिक विरोध दर्ज करते हुए भारत ने दिल्ली में एक अमेरिकी राजनयिक को तलब भी किया है। इसके बावजूद भारत के खिलाफ लगातार नकारात्मक रवैया दशार्ने वाले अमेरिका के खिलाफ सख्त स्टैंड लेने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद कि भारत क्वॉड में अमेरिका का साझेदार है। विडंबना यह भी है कि जो सूत्रधार संगठन के जरिये समुद्री आवाजाही को स्वतंत्र बनाने की बात करता है, वही अमेरिका इसमें बाधक बना है। भले ही अमेरिका इन जहाजों के प्रतिबंधित होने की बात कहे, या जहाज भारतीय न हों, लेकिन उनमें चालक दल के सदस्य तो भारतीय थे। इसकी जानकारी स्वाभाविक रूप से अमेरिका के खुफिया तंत्र को जरूर रही होगी। अमेरिका को सार्वजनिक रूप से भारतीय नाविकों के मारे जाने पर खेद जताना चाहिए। निश्चय ही भारत के निकट के समुद्री क्षेत्र में अमेरिका का निरंकुश व्यवहार निंदनीय है। कूटनीतिज्ञ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत को इस मुद्दे को सख्ती से अमेरिका के सामने उठाना चाहिए था।

चिंतन-मनन

धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है।

इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। यह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आत्म शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी नरक नहीं। जिसके भीतर स्वर्ग नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं। महावीर ने भीतर पर जोर दिया जबकि हम बाहर पर जोर दे रहे हैं। बाहर के स्वर्ग और नरक की चिंता में उलझे हैं। इसी चिंतन का दुष्परिणाम यह हुआ कि बाहर से जप-तप, पूजा-पाठ चल रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ छल-कपट, झूठ, शोषण, राग-द्वेष, नफरत भी पल रहे हैं। यानी धर्म करते हुए भी जीवन में कोई परिवर्तन नहीं है, कोई प्रांति नहीं है। इसी वजह से जीवन की शांति गायब हो गई। शांति वर्तमान में ही घटित हो सकती है। इसलिए हम अपने को वर्तमान से जोड़ें, उसे सजायें-संवारें, संगीतमय और आनंदमय बनाएं। यही धर्म है।

घर के कामकाज और जिम्मेदारी को संभालेंगे रोबोट

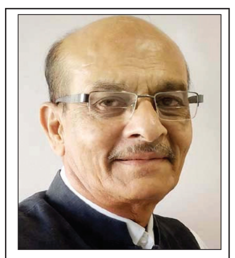

सनत जैन

तकनीकी अब घर-घर में पहुंचने की तैयारी में है। दुनिया में इस समय एआई का बोलवाला है। सारी दुनिया के देशों में एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट बनाए जा रहे हैं। हर देश में यह रोबोट अपने-अपने तरीके से परंपरागत रूप से काम करने की तकनीकी सीख रहे हैं। इन्हें इंसानों के बीच में किस तरह से किस देश में काम होते हैं उसकी जानकारी देकर रोबोट को इस बात के लिए तैयार कर रहे हैं कि वह समाज की जरूरत पर पूरी तरह से कारगर हो। भारत में जो रोबोट तैयार किये जा रहे हैं उन्हें कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए तैयार किया जा रहा है। कारखाने में जिस तरह से मजदूर काम करते हैं उन्हीं कामों को अब रोबोट से कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही घरेलू कामकाज में चरणबद्ध तरीके से रोबोट अपना काम कर सकें इसके लिए उन्हें रोटी बनाना, सब्जी बनाना, यहां तक कि किस सब्जी में कितने मसाले का उपयोग करना है, घर के कामकाज में कपड़े धोने से लेकर बेडशीट बिछाकर घर की साफ सफाई करना, साइकिल चलाना, सड़क पार करना, कपड़ों पर प्रेस करना और पौधों को पानी देने के साथ ही साथ पौधों का रखरखाव करने जैसे काम करने वाले रोबोट तैयार किया जा रहे हैं। इसके लिए लगातार प्रयास शुरू हो गए हैं। इसे देखते हुए संभावना व्यक्त की जा रही है कि साल-दो-साल में भारत के प्रमुख शहरों में कामकाजी रोबोट के शोरुम खुल जाएंगे।

रोबोटिक में इमिटेशन लर्निंग के सटीक कार्यों की जानकारी के लिए जो कुशल मजदूर हैं और ग्रहणी के रूप में जो महिलाएं काम कर रही हैं वह अपने वीडियो तैयार करके कंपनियों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे उन्हें कमाई भी हो रही है और रोबोट तैयार करने वाले इंजीनियरों को रोबोट और सॉफ्टवेयर तैयार करने में मदद मिल रही है। इस कार्य को करने के लिए जो वीडियो बनाकर कमाई शुरू हुई है उसमें कामगार को अपने काम को व्यवस्थित रूप से करने और बारीकी से उसे समझाने में मदद मिल रही है। इसी तरह से घरेलू काम के लिए घरेलू महिलाओं और घरेलू कामकाज करने वाली कामगार की सहायता ली जा रही है। रील और वीडियो के माध्यम से यह एक नया रोजगार बन रहा है जो सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी तेजी के साथ प्रचलित होता चला जा रहा है। घरेलू कामगारों के लिए कम से कम 30 मिनट का वीडियो तैयार करना होता है, इस वीडियो का उपयोग जो भी कंपनी करती है, वो उसका भुगतान भी करती है। इसी तरह से मजदूर जो भवन निर्माण एवं अन्य कामों में लगे हुए हैं वह अपने-अपने काम और अनुभव के आधार पर वीडियो तैयार कर रहे हैं, इससे उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी कमाई हो रही है।

सबसे बड़ी बात यह है अलग-अलग क्षेत्र के लिए अलग-अलग भाषा में काम करने वाले कामगार रोबोट तथा घरेलू कामकाज के लिए रोबोट तैयार करने का सिलसिला भारत में बड़ी तेजी के साथ चल पड़ा है। आने वाले दिनों में अब एआई तकनीकी से तैयार रोबोट बड़ी मात्रा में बिकने के लिए उपलब्ध होंगे, जो कंपनियां रोबोट तैयार कर रहे हैं वह इस बात पर विशेष ध्यान दे रही हैं। जो रोबोट तैयार हों वह विभिन्न भाषा में, विभिन्न संस्कृति के अनुसार, कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए पूरी तरह से काम कर सकें। आने वाले दिनों में झाड़ू-पोछा से लेकर रोटी बनाने, बुजुर्गों को टहलाने, बच्चों को खिलाने, बागवानी करने और अन्य काम अब घर घर में रोबोट करते हुए देखे जा सकेंगे। जिस तरह से एआई तकनीकी के माध्यम से परिवर्तन आ रहे हैं उसको देखते हुए यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि करोड़ों लोग जो मजदूरी और घरों के कामकाज में रोजगार प्राप्त करते

थे वह बेरोजगार हो सकते हैं। यह एक बड़ी आशंका भारत सहित दुनिया के सभी देशों को परेशान कर रही है। लेकिन तकनीकी का विकास अपनी जगह है, इसके साथ तालमेल बिठाकर काम करने की जरूरत है। यह सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके कारण सारी सामाजिक व्यवस्था और संस्कृति प्रभावित होने जा रही है। भारत सरकार अभी इस संबंध में कोई कानून लेकर नहीं आई है। किस तरह से सामाजिक, आर्थिक रूप से यह परिवर्तन लोगों को प्रभावित करेगा इसको लेकर भारत से दुनिया के सभी देशों में चिंता देखने को मिल रही है। तकनीकी का विकास पारिवारिक एवं आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। तकनीकी का अंधाधुंध विकास सामाजिक व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इसका ध्यान रखने की जरूरत है।

मानवता की एक बूंद रक्तदान करें जीवन बचाएं : सुरक्षित रक्त से मजबूत समाज की ओर

कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है बल्कि मानवता सेवा और जीवन रक्षा का वैश्विक अभियान है। इस दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनगिनत लोगों को नया जीवन मिलता है। वर्ष 2026 की थीम ह्लमानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएंह्व इस संदेश को और अधिक प्रभावी बनाती है कि रक्तदान केवल चिकित्सा सहायता नहीं बल्कि करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा प्रतीक है।

रक्त ऐसा अमूल्य संसाधन है जिसे किसी प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता। इसकी उपलब्धता पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक नागरिकों के स्वैच्छिक रक्तदान पर निर्भर करती है। जब किसी व्यक्ति को दुर्घटना होती है तब प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होता है तब कैंसर का इलाज चल रहा होता है तब थैलेसीमिया या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसी अनजान रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है और यहां रक्त की मांग भी बहुत अधिक है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.4 से 1.6 करोड़ यूनिट रक्त एकत्रित किया जाता है। यह संख्या बड़ी दिखाई देती है लेकिन देश की विशाल जनसंख्या और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अभी भी कई क्षेत्रों में रक्त की कमी महसूस की जाती है। विशेष रूप से दुर्लभ रक्त समूहों और आपातकालीन स्थितियों में रक्त की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी रहती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश की कुल आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की कमी की समस्या लगभग समाप्त हो सकती है। एक यूनिट रक्त को अलग अलग घटकों में विभाजित किया जा सकता है। इससे लाल रक्त कणिकाएं प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग होकर तीन अलग मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति का एक बार किया गया रक्तदान तीन या उससे अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है।

भारत में हर वर्ष लाखों मरीज रक्तदान से लाभान्वित होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों से लेकर हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों तक और कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों से लेकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों तक सभी के लिए रक्त जीवनरेखा का काम करता है। थैलेसीमिया से पीड़ित हजारों बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यदि रक्तदाता आगे न आएं तो इन बच्चों के जीवन पर संकट खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार प्रसव के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हर वर्ष अनेक महिलाओं की जान जोखिम में पड़ती है। समय पर उपलब्ध रक्त उनके जीवन की रक्षा कर सकता है।

रक्तदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां भी मौजूद हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आ जाती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है। रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है और शरीर में आयरन संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर भी देती है।

आज आवश्यकता केवल रक्त एकत्रित करने की नहीं बल्कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति विकसित करने की है। कई बार विशेष अवसरों पर बड़े शिविर आयोजित होते हैं और पर्याप्त मात्रा में रक्त एकत्र हो जाता है लेकिन वर्ष भर निरंतर रक्त की उपलब्धता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है। कॉलेजों विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि रक्तदान को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके।

डिजिटल युग में तकनीक भी रक्तदान अभियान को नई दिशा दे सकती है। मोबाइल एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रक्तदाताओं का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर निकटतम रक्तदाता से तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय की बचत होगी और मरीजों को शीघ्र सहायता मिल सकेगी। कई राज्यों में ऐसे प्रयास शुरू हुए हैं लेकिन इन्हें और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

स्कूल स्तर पर भी रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। भले ही विद्यार्थी रक्तदान की आयु तक न पहुंचे हों लेकिन उनमें सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। जब वे युवा बनेंगे तब स्वाभाविक रूप से रक्तदान को अपने सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार परिवारों में भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रेरित हो सके।

सरकारों और स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ साथ आधुनिक परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मानकों का कठोर पालन किया जाना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक रक्त सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी समय की मांग है। जब तक हर व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध नहीं होगा तब तक स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

सामाजिक संगठनों धार्मिक संस्थाओं उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस अभियान से जुड़ना चाहिए। यदि प्रत्येक संस्था वर्ष में कुछ रक्तदान शिविर आयोजित करे और अपने सदस्यों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करे तो देश में रक्त की उपलब्धता कई गुना बढ़ सकती है। रक्तदान को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना होगा।

विश्व रक्तदाता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी ताकत परस्पर सहयोग में निहित है। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है तब वह केवल रक्त नहीं देता बल्कि किसी परिवार को उम्मीद देता है किसी मां को उसका बेटा लौटाता है किसी बच्चे को भविष्य देता है और किसी मरीज को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि रक्तदान को महादान कहा जाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम रक्तदान को उत्सव नहीं बल्कि आदत बनाएं। यदि प्रत्येक सक्षम नागरिक वर्ष में एक या दो बार भी स्वेच्छा से रक्तदान करे तो भारत न केवल अपनी रक्त आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि सुरक्षित रक्त उपलब्धता के क्षेत्र में दुनिया के लिए उदाहरण बन सकता है।

विश्व रक्तदाता दिवस 2026 का संदेश स्पष्ट है। मानवता की रक्षा के लिए किसी बड़े त्याग की आवश्यकता नहीं है। केवल कुछ मिनट का समय और एक यूनिट रक्त किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। आइए संकल्प लें कि हम स्वयं रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। क्योंकि जब रक्त की एक बूंद किसी जीवन को बचाती है तब वह केवल चिकित्सा नहीं बल्कि मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति बन जाती है।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार-स्तम्भकार)

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन में ऑफिस सील, फ्लोर खाली और इमरजेंसी अलर्ट

पेंटागन , एजेंसी। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में गुरुवार को सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। इमारत के कई हिस्सों को खाली कराया गया और कुछ मंजिलों को सील कर दिया गया। सीएनएन और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, पेंटागन की आंतरिक निगरानी प्रणालियों ने समस्या का पता लगाया, जिसके तुरंत बाद एहतियाती कार्रवाई शुरू की गई। प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए गए और खतरनाक पदार्थों से निपटने वाली विशेष टीमें मौके पर पहुंच गईं। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि इमारत की निगरानी प्रणालियों ने ऐसी समस्या का संकेत दिया जिसके लिए तत्काल एहतियात बरतना जरूरी था। हम प्रभावित क्षेत्र में 'शेल्टर इन प्लेस' समेत सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। रेस्क्यू टीम मौके पर तैनात हैं। भवन में मौजूद लोगों की मदद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुरक्षा टीम के जारी संदेश में कर्मचारियों को बताया गया कि वायु गुणवत्ता संबंधी समस्या का पता चला है और अतिरिक्त जांच चल रही है, जिसमें एक से दो घंटे का समय लग सकता है। संदेश में कहा गया है कि रेस्क्यू टीम मौके पर हैं। आपको केंद्रीय प्रांगण में कई एजेंसियों के बचावकर्मी दिखाई दे सकते हैं। कृपया इसे सामान्य सुरक्षा अभ्यास मानें। यह घटना उस समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर 'आज रात' बड़ा हमला करने जा रहा है, ताकि निकट भविष्य में ईरान के तेल और गैस उद्योगों, खासकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर पूर्ण नियंत्रण हासिल किया जा सके। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हमलों का वार-पलटवार जारी है। इस सप्ताह तीसरी बार मिडिल ईस्ट में जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। पहले ईरान-इजराइल संघर्ष हुआ, उसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच गोलीबारी के दो दौर चले, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले देशों को निशाना बनाया गया।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बड़ा घोटाला, 954 करोड़ का महाघोटालेबाज माखीजानी गिरफ्तार

सैक्रामेंटो , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक बड़ा बैंकिंग घोटाला सामने आया है। इसने वित्तीय जगत के साथ कॉर्पोरेट गलियारों को भी हिलाकर रख दिया है। भारतीय मूल के 44 वर्षीय ग्रीन कार्डधारक फाइनेंसर महेंद्र माखीजानी को एक अमेरिकी बैंक से 954 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में बुधवार सुबह उसकी न्यूपोर्ट बीच स्थित आलीशान हवेली से गिरफ्तार किया गया। माखीजानी पर न सिर्फ शेल कंपनियों और फर्जी इंश्योरेंस दस्तावेजों के जरिये बैंक को ठगने का आरोप है, बल्कि उसने बैंककर्मियों को अपने जाल में फंसाने के लिए अश्लील माध्यमों और ड्रग्स पार्टियों का सहारा लिया और हथियारबंद गुंडों के दम पर संपत्तियों पर कब्जे किए। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया के फर्स्ट असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी बिलाल एसायली ने संघीय आपराधिक शिकायत के तहत इस गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि की है। अदालती दस्तावेजों और आईआरएस क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन के एक्टिंग स्पेशल एजेंट इन चार्ज डैरेन लियन के आधिकारिक बयान के अनुसार माखीजानी कैंटर ग्रुप वीएलएलसी नाम की कंपनी चलाता है। बैंक ने इस कंपनी को रियल एस्टेट लोन के लिए 954 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान दिया था। माखीजानी ने सितंबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच शेल कंपनियों का नेटवर्क बनाकर और टाइटल इंश्योरेंस पॉलिसियों में हेरफेर कर बैंक को गलत जानकारी दी।

2 उइगर मुस्लिम थाईलैंड के ब्रह्मा मंदिर में बम ब्लास्ट के दोषी करार, कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की एक अदालत ने 2015 में बैंकॉक के एरावन मंदिर बम धमाके के मामले में दो उइगर मुस्लिमों आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है। इस धमाके में 20 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें एक सिंगापुर का नागरिक भी शामिल था, जबकि 120 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। एरावन मंदिर बैंकॉक का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह हिंदू देवता ब्रह्मा को समर्पित है। यहां चार मुख वाले ब्रह्मा की प्रतिमा स्थापित है, जिसे थाई भाषा में फ्रा फ्रोम कहा जाता है। हर दिन हजारों स्थानीय लोग और विदेशी पर्यटक यहां पूजा करने और मनोकामना मांगने आते हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची बोले- अमेरिकी कार्रवाई से अप्रैल का सीजफायर निष्प्रभावी हो गया

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमलों ने दोनों पक्षों के बीच अप्रैल में हुए सीजफायर को बेअसर कर दिया है। गुरुवार को यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश नीति के प्रमुख काजा कैलास के साथ फोन पर हुई बातचीत में अराघची ने हाल के अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने हमलों के खतरनाक नतीजों के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार सुबह कहा कि उसकी सेनाओं ने ईरान के बेवजह और लगातार हमले के जवाब में कई ईरानी ठिकानों पर और हमले किए हैं। सीईएनटीसीओएम ने एक्स पर लिखा, 'सीईएनटीसीओएम फोर्स ने पूरे ईरान में ईरानी मिलिट्री सर्विलांस कैपेबिलिटी, कम्युनिकेशन सिस्टम और एयर डिफेंस साइट्स पर हमले किए। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, एयर फोर्स और नेवी के एसेट्स ने ईरानी टारगेट पर सटीक हथियार दागे, जो अमेरिकी फोर्स और इलाके के पानी में आने-जाने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों के लिए खतरा थे।' इसमें आगे कहा गया, 'ये हमले ईरान के बिना वजह और लगातार हमलों के जवाब में किए गए हैं। अमेरिकी सेना चौकन्नी, खतरनाक और तैयार है।' हमलों के बाद, ईरान के मुख्य मिलिट्री कमांड, खतम अल-अनबिया सेंट्रल

हेडक्वार्टर ने घोषणा की कि होर्मुज स्ट्रेट को सभी तरह के जहाजों के लिए बंद कर दिया गया है, जिसमें तेल टैंकर और कमर्शियल जहाज शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी हमलों का बदला लेने के लिए जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई की धमकी दी और कहा कि अमेरिका आखिरकार ईरान के जरूरी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण कर सकता है। यह बात अमेरिकी फोर्स के तीसरे कमर्शियल टैंकर को निष्क्रिय करने के कुछ घंटों बाद कही गई, जिस पर तेहरान के खिलाफ वाशिंगटन की नाकाबंदी तोड़ने का आरोप है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'अमेरिका आज रात ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा।

दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना सकता है नया नाम

यारेन , एजेंसी। दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना नाम बदल सकता है। संसद में एक प्रस्ताव पारित होने के बाद देश में जनमत संग्रह कराया जाएगा, जिसमें नागरिक तय करेंगे कि नाउरू का आधिकारिक नाम बदलकर 'नाओएरो' किया जाए या नहीं। राष्ट्रपति डेविड अडियांग ने संसद में कहा कि 'नाओएरो' नाम देश की विरासत, भाषा और पहचान का अधिक सम्मान करता है। प्रस्ताव बिना किसी विरोध के पारित हुआ है। सरकार के अनुसार, स्थानीय लोग अपनी भाषा में देश को 'नाओएरो' कहते हैं। हालांकि, विदेशी लोगों के लिए इसका उच्चारण कठिन होने के कारण आधिकारिक रिकॉर्ड में 'नाउरू' नाम प्रचलित हो गया। सरकार का कहना है कि यह बदलाव स्थानीय लोगों की पसंद नहीं बल्कि बाहरी सुविधा के लिए किया गया था। नाउरू का नाम कई बार बदल चुका है। 1798 में एक ब्रिटिश नाविक ने इसका नाम 'प्लेजेंट आइलैंड' रखा था। 1888 में जर्मनी के कब्जे के बाद 'नाउरू' नाम आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज हुआ। बाद में ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने भी यही नाम जारी रखा। देश को 1968 में स्वतंत्रता मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि मूल नामों की वापसी केवल भाषाई बदलाव नहीं बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आत्मनिर्णय का प्रतीक है। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी स्थानीय पहचान को मजबूत करने के लिए नाम बदले हैं। यूनेस्को नाउरू की मूल भाषा को गंभीर रूप से संकटग्रस्त मानता है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि 'नाओएरो' नाम अपनाने से भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है।

फिनलैंड में जयशंकर का दो टूक संदेश, कहा- मजबूत सप्लाई चेन से संभव है स्थिर दुनिया

हेलसिंकी , एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि आज की दुनिया में चल रहे संघर्षों का प्रभाव केवल संबंधित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर वैश्विक स्तर पर देखने को मिलता है। ऐसे में मजबूत और विविधीकृत सप्लाई चेन तथा सक्रिय कूटनीति बेहद जरूरी हो गई है। फिनलैंड में 'कुल्तारांता वार्ता' में भारत का प्रतिनिधित्व

फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में आयोजित कुल्तारांता वार्ता में भाग लेते हुए जयशंकर ने वैश्विक शक्ति संतुलन और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर भारत का दृष्टिकोण रखा। इस चर्चा में फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और यूएई की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसैबेह भी शामिल थीं। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि मौजूदा संघर्ष वैश्विक स्तर पर लागत बढ़ा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।

कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर : विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संघर्षों के प्रभाव को कम करने और कूटनीति के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने पर लगातार काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया को एकजुट होकर वैश्विक स्थिरता की दिशा में प्रयास करने की जरूरत है।

डी-रिस्किंग और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने की अपील : जयशंकर ने कहा कि आज के अस्थिर वैश्विक माहौल में

सप्लाई चेन को अधिक सुरक्षित, विविध और लचीला बनाना आवश्यक है। उन्होंने डी-रिस्किंग और डाइवर्सिफिकेशन की नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भविष्य की आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है।

ऊर्जा सुरक्षा पर भारत का रुख स्पष्ट : ऊर्जा सुरक्षा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। देश अपनी जरूरतों के अनुसार ही ऊर्जा खरीदता है, जिसमें उपलब्धता और वहनीयता प्रमुख मानदंड होते हैं। पश्चिम एशिया के साथ संबंधों पर विशेष जोर जयशंकर ने पश्चिम एशिया की भूमिका को भारत की विदेश नीति में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र भारत के लिए ऊर्जा, रणनीतिक सहयोग और लोगों के बीच मजबूत संबंधों का केंद्र है।

भारत-यूरोप संबंधों में नई गति : विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं। इस वर्ष दोनों पक्षों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत पूरी हुई है, साथ ही रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को भी आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यह भारत-यूरोप संबंधों की बढ़ती गहराई को दर्शाता है।

भारत से सीमा विवाद पर नेपाल सरकार का यू-टर्न, बोला- बातचीत से सुलझाएंगे सीमा विवाद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-भारत सीमा विवाद में तीसरे देश की मध्यस्थता मामले में नेपाल सरकार यू-टर्न ले लिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशर खनाल ने बताया कि सरकार पड़ोसी देश के साथ सीमा विवाद आपसी बातचीत करके सुलझाना चाहती है। बुधवार को नेपाली संसद में संबोधित करते हुए खनाल ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा विवाद दोनों देश के बीच का मामला है। नेपाल समझौतों, ऐतिहासिक संधियों और नक्शों के आधार पर कूटनीतिक बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा कार्य समूह और अन्य निकायों ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है जहां प्रगति काफी समय से रुकी थी।

पहले भी दी है सफाई : बता दें, पिछले हफ्ते ही नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने अपने समकक्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात भी की थी। मीडिया एजेंसी से बातचीत में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारतीय इलाके पर नेपाल के कब्जे के बारे में दिए गए बयान पर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा, 'मेरे विदेश मंत्रालय ने इस पर पहले ही साफ कर दिया है। प्रधानमंत्री उस समय बोल रहे थे जब वे सीमा-पार कब्जे से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। इसलिए हमने इस बारे में पहले ही साफ कर दिया है। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से सदियों से रहा है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा है। सदियों से ही नेपाल-भारत में रोटी-बेटी का संबंध रहा है। पिछले कई वर्षों से भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद चल रहा है। इसको लेकर दोनों देशों के बीच समय-समय पर तनाव भी सामने आया।

हाल ही में नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि भारत ही नहीं नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया हुआ है। साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता के लिए ब्रिटेन से आग्रह भी किया था, जिसे ब्रिटेन ने ठुकरा दिया था। विशेषज्ञों की मानें तो नेपाल ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश की थी, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया।

नहीं रहीं थाइलैंड की भावी रानी, तीन साल से कोमा में थीं प्रिंसेज बज्रकितियाभा

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की भावी शासक राजकुमारी, बज्रकितियाभा का निधन हो गया है। शुक्रवार सुबह शाही परिवार ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। राजा महा वजिरालॉन्गकॉर्न की सबसे बड़ी बेटी और देश की सबसे लोकप्रिय शाही हस्तियों में से एक, 'प्रिंसेस भा' पिछले साढ़े 3 साल से लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे कोमा में थीं। अब उनकी मौत से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है।

पैलेस द्वारा जारी बयान के मुताबिक, 47 वर्षीय राजकुमारी बज्रकितियाभा ने बैंकॉक के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। इससे पहले शाही परिवार ने बीते दिनों एक बयान जारी कर बताया था कि उनकी हालत बिगड़ती जा रही है। मेडिकल टीम ने बताया था कि उनके पेट और आंतों में इन्फेक्शन फैल गया था और उनके कई अंदरूनी अंगों ने काम

करना बंद कर दिया था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद स्थानीय समयानुसार गुरुवार रात उनका निधन हो गया।

दिसंबर 2022 में हो गई थीं बेहोश : राजकुमारी बज्रकितियाभा दिसंबर 2022 में बैंकॉक में अपने पालतू कुत्तों को वॉक कराने के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी थीं। डॉक्टरों के मुताबिक, दिल में माइकोप्लाज्मा इन्फेक्शन के कारण अचानक उनकी दिल की धड़कनें पूरी तरह अनियमित हो गई थीं। इससे उनके दिमाग में ऑक्सीजन की कमी हुई और वह कोमा में चली गईं। तब से उन्हें मशीनों के सहारे ही जीवित रखा गया था।

सबसे योग्य उत्तराधिकारी थीं प्रिंसेज : राजकुमारी को यहां के लोग प्यार से प्रिंसेज भा कहा करते थे। राजा वजिरालॉन्गकॉर्न की पहली पत्नी सोअमसावली से जन्मीं प्रिंसेज भा का जन्म 7 दिसंबर 1978 को हुआ था। वह अपने पिता की सात संतानों में सबसे बड़ी थीं। बचपन से ही वे काफी मेधावी थीं। आगे चलकर वे वह एक बेहद काबिल वकील थीं। उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से कानून में एलएलएम और डॉक्टरेट की डिग्रियां हासिल की थीं। इसके बाद उन्हें राजघराने से अहम जिम्मेदारियां भी मिलीं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में थाई मिशन के लिए काम किया। इसके बाद वे 2012 से 2014 तक ऑस्ट्रिया में थाईलैंड की राजदूत रहीं। इसके अलावा प्रिंसेज भा ने थाईलैंड की जेलों में बंद महिला कैदियों की स्थिति सुधारने और ड्रग्स मामलों में मिलने वाली कड़ी सजाओं के खिलाफ कानून में बड़े सुधारों की वकालत भी की थी। 2021 में उनके पिता ने उन्हें अपनी पर्सनल बॉडीगार्ड विंग का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया था और उन्हें जनरल की रैंक दी थी। राजकुमारी बज्रकितियाभा के निधन से थाईलैंड में उत्तराधिकार को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। 73 वर्षीय राजा वजिरालॉन्गकॉर्न ने अभी तक आधिकारिक रूप से अपने उत्तराधिकारी का नाम घोषित नहीं किया है। प्रिंसेस भा के निधन से पहले उन्हें ही सबसे योग्य उम्मीदवार माना जा रहा था।

पीओके में पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर बरपाया कहर, फायरिंग में 16 की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सस्ता आटा-चावल, किफायती बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे आम लोगों को एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का कहर झेलना पड़ा। रावलकोट के ईदगाह मैदान में गुरुवार को उस समय भयानक मंजर नजर आया जब सैनिकों ने बिना चेतावनी गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिसमें कम से कम 16 निहत्थे प्रदर्शनकारी मारे गए और 37 अन्य घायल हो गए। रावलकोट में आर्थिक तंगी से जूझ रहे करीब 60 से 70 हजार लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें पुरुष, महिलाएं और युवा सभी शामिल हैं। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की गोलियों की बरसात से अचानक हर तरफ भगदड़ मच गई। थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में मंजर एकदम दिल दहला देने

वाला था। खून से सनी सड़कों और खेतों में अपनों को ढूंढ़ते दुखी परिवार हक की आवाज उठाने की मानवीय कीमत चुकाने की निशानी बन गए हैं। पीओके में शुक्रवार से जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस तरह की दमनकारी कार्रवाई में अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। पाकिस्तानी सेना यहां जितनी दमनकारी कार्रवाई कर रही है, सड़कों पर उतरे लोगों का हौसला उससे कहीं ज्यादा बुलंद है। इस खूनी कहर के बावजूद सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी अब भी अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

आर-पार के मूड में जनता : गोलीबारी के बाद भीड़ को संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता सरदार अमन खान ने कहा कि संघर्ष अब एक निर्णायक दौर में पहुंच गया है और संकल्प लिया कि जान-माल के नुकसान के बावजूद यह आंदोलन जारी रहेगा। सड़कों पर मौजूद लोग कोई हथियार नहीं लिए हैं। वे बस सस्ते भोजन, सस्ती बिजली और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हैं। फिर भी, उन्हें जवाब में गोलियां मिली हैं।

ईरान की हिट लिस्ट में कई कंपनियां: मस्क की कंपनी पर भी हमले की आशंका

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने एक चेतावनी जारी की है। उसने कहा है कि वह एलन मस्क के सभी व्यापारिक संस्थानों को सैन्य निशाना मानेगा। इसमें स्पेसएक्स की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) शामिल हैं। ईरान की सरकारी मीडिया 'फार्स' के अनुसार, तेहरान ने अपनी सैन्य हिट लिस्ट बढ़ा दी है। अब इसमें पश्चिम एशिया में मौजूद मस्क की कंपनियों से जुड़े सभी आर्थिक हित और स्टारलिंक के ग्राउंड स्टेशन शामिल हैं।

ईरान का दावा : ईरानी अधिकारियों का दावा है कि मस्क की कंपनियां अमेरिका और इस्रायल की सैन्य कार्रवाइयों में सक्रिय रूप से मदद कर रही हैं। उनका कहना है कि ये कंपनियां ड्रोन हमलों और मानवरहित समुद्री जहाजों जैसे आधुनिक हथियारों को चलाने में सहयोग देती हैं। ईरान का मानना है कि अमेरिका ने मस्क की कंपनियों की मदद से युद्ध अपराध किए हैं। इसलिए ईरान इन कंपनियों के ठिकानों पर हमला करने का पूरा अधिकार रखता है।

ईरान की यह चेतावनी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट के तुरंत बाद आई है। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिकी सेना ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लेगी।

ईरान इन कंपनियों पर भी लगा चुका है आरोप : एलन मस्क की कंपनियों को धमकी

देना ईरान की पहली ऐसी कोशिश नहीं है। इस साल की शुरुआत में ईरान की 'इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने अपना ध्यान पारंपरिक हथियारों से हटाकर सूचना तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों पर लगाया था। आईआरजीसी ने 18 से ज्यादा बड़ी अमेरिकी कंपनियों को अपनी हिट लिस्ट में शामिल किया है। इसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और एनवीडिया जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा बोइंग, टेस्ला और पालान्टिर को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। खबरों के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन में अमेजन वेब सर्विसेज के डेटा सेंटरों को ईरानी ड्रोन हमलों से नुकसान पहुंचा था। इन हमलों की वजह से वहां बिजली की सप्लाई रुक गई थी और आग बुझाने वाले सिस्टम से पानी निकलने के कारण काफी नुकसान हुआ था। ईरान अब इन सभी कंपनियों को जायज निशाना मान रहा है।

ईरान पर हमला नहीं करेगा अमेरिका, ट्रंप ने लिया यू-टर्न

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ तय किए गए बड़े हमलों को अचानक रद्द कर दिया है। साथ ही उन्होंने व्यापक शांति समझौते की संभावना जताई है और कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर करने का समय व स्थान बहुत जल्द घोषित किया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर विस्तृत पोस्ट में लिखा कि ईरान के साथ हुई चर्चाओं के अंतिम बिंदुओं को संयुक्त राज्य अमेरिका, इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, तुर्की, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, मिस्र और अन्य सभी संबंधित पक्षों ने मान लिया है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरानी नेतृत्व के उच्चतम स्तर पर बातचीत पहुंचाई गई थी और उसे मंजूरी मिल चुकी है। इसलिए मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में आज शाम ईरान के खिलाफ निर्धारित सभी हमलों और बमबारी को रद्द कर दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि शांति समझौता अंतिम रूप से हस्ताक्षरित होने तक नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह लागू रहेगी। हस्ताक्षर की तारीख, समय और स्थान की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

कुछ घंटे पहले दी थी सख्त चेतावनी : इससे महज कुछ घंटे पहले ट्रंप ने ईरान पर 'बहुत कड़ी और शक्तिशाली' कार्रवाई की चेतावनी दी थी। उन्होंने ईरान के प्रमुख तेल बुनियादी ढांचे पर कब्जे की बात कही थी, जिसे पूर्ण युद्ध की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा था। ट्रंप ने लगातार तीसरी रात 'बड़े और अधिक शक्तिशाली' हमलों की धमकी देते हुए कहा था कि तेहरान को अपने नाममात्र के युद्धविराम को स्थायी शांति समझौते में बदलना होगा। उन्होंने खासतौर पर खार्ग द्वीप का जिक्र करते हुए कहा था कि हम खार्ग द्वीप और ईरान की अन्य महत्वपूर्ण तेल अवसंरचना सुविधाओं पर

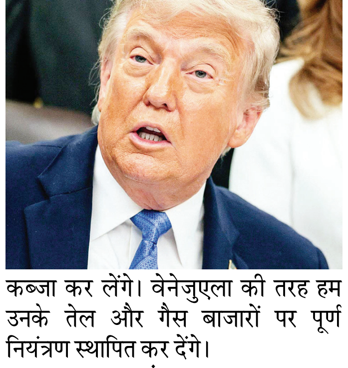

कब्जा कर लेंगे। वेनेजुएला की तरह हम उनके तेल और गैस बाजारों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर देंगे।

चरम पर पहुंच गया था तनाव : दरअसल, हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। अमेरिका ने ईरान पर कई हमले किए, जिन्हें वाशिंगटन ने खाड़ी क्षेत्र में तैनात अपने अपाचे हेलीकॉप्टर को ईरानी बलों द्वारा गिराए जाने का जवाब बताया। ईरान ने इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे 'झूठा बहाना' करार दिया। जवाब में तेहरान ने बहरीन, जॉर्डन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल व ड्रोन हमले किए। इसके अलावा ईरान ने होर्मुज की निगरानी करने वाले नए सैन्य निकाय के जरिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग को अगले आदेश तक बंद करने की घोषणा कर दी थी। अमेरिका ने ईरान की इस घोषणा को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि होर्मुज जलमार्ग अंतरराष्ट्रीय आवागमन के लिए खुला रहेगा और किसी भी बाधा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ट्रम्प का दावा- ईरान परमाणु हथियार भी नहीं खरीदेगा : राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने न सिर्फ परमाणु हथियार विकसित नहीं करने, बल्कि उन्हें खरीदने से भी सहमति जताई है। ट्रम्प के मुताबिक, शुरुआती समझौते में सिर्फ परमाणु हथियार विकसित न करने की बात थी। उन्होंने कहा, 'मैंने पूछा कि खरीदने का क्या होगा? उन्होंने कहा कि यह शामिल नहीं है। दो दिन बाद वे इस पर भी सहमत हो गए। हमें वह सब मिल गया जो हम चाहते थे।' होर्मुज स्ट्रेट से एक तेल टैंकर गुजरता हुआ। ठीक उस समय जब ईरान ने घोषणा की थी कि स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट से एक तेल टैंकर गुजरता हुआ। ठीक उस समय जब ईरान ने घोषणा की थी कि स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला टालने के फैसले के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.21 डॉलर यानी 1.3% गिरकर 89.17 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी WTI क्रूड 1.23 डॉलर यानी 1.4% टूटकर 86.48 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

स्वस्थ रहने के लिए ये हैं बेहतर फूड

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी नहीं किसी एक ही चीज खो आप लम्बे समय तक खाते रहें। इसके लिए बहुत से आप्शंस मौजूद हैं, जिन्हें आप आजमा कर आप स्वस्थ रह सकते हैं। दरअसल इंसान का स्वभाव है कि वह किसी एक फल या फूड को लम्बे समय तक खाते रहने से बोर हो जाता है, इसी के मद्देनजर कुछ हेल्दी फूड आप्शंस के बारे में हम आपको यहां जानकारी दे रहे हैं। इससे दिमाग भी ठीक रहेगा, इम्यूनिटी भी स्ट्रॉन्ग होगी।

नारियल का तेल : केमिकल रिफाइनिंग या ब्लीचिंग प्रॉसेस न होने के कारण ये खाने के लिए फिट होता है। इसमें लॉरिक फैटी एसिड

होता है। जो अच्छा एंटी वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी- फंगल एजेंट है। यूनिर्वसटिी ऑफ केरल में की गई रिसर्च के अनुसार, वर्जिन कोकोनट ऑयल सीरम और टिश्यू में लिपिड लेवल कम करता है। सलाद में डालकर खाएं।

मटर फली कैंसर दूर भगाने में फायदेमंद : यह फ्लैट पीज हैं। इनमें एडिबल पॉड्ज होते हैं और इन्हें सीधे खाया जाता है। इनमें खास किस्म का फायटोन्यूट्रियंट-कूमिस्ट्रॉल होता है। यह पेट के कैंसर से सुरक्षित रखता है। हफ्ते में दो बार जरूर खाएं।

चियासीड: ओमेगा-3 फैट्स का रिच प्लांट बेस्ड सोर्स है। रिसर्च के अनुसार, ओमेगा-3 फैट्स दिमाग, दिल और स्किन के लिए फायदेमंद होता है। सुपरमार्केट में चिया सीड के पैकेट मिलते हैं। इन्हें खाने के लिए ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं। बस इन्हें भिगो दीजिए, मिक्सी में ग्राइंड कीजिए और सीधा खा लें। चाहे तो सलाद और सूप पर डालें।

प्रीबायोटिक्स फूड : 80 दिनों तक प्रीबायोटिक (लहसुन, प्याज आदि) खाते हैं, उनमें बीमारी की आशंका 42 फीसद कम होती है। उन्हें रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन या गैस्ट्रो-इन्टेस्टाइनल डिसीज कम होती हैं। इम्यूनिटी सुधर जाती है। प्रीबायोटिक फूड में लाइव माइक्रोब्स होते हैं, जो गुड बैक्टीरिया की ग्रोथ बढ़ाते हैं।

हेजलनट्स : हैजलनट्स (पहाड़ी बादाम) एमीनो एसिड के अच्छे सोर्स हैं। इनसे ब्लड प्रेशर कम होता है और ब्लड वैसल रिलैक्स। इसमें विटामिन-ई और विटामिन-बी पाए जाते हैं। 15 से 20 नट्स ही खाएं। योगर्ट के साथ मिलाकर इसे खा सकते हैं।

होल ग्रेन करे पेट का फैट कम : पेंसिलवेनिया स्टेट यूनिर्वसटिी में हुई रिसर्च के अनुसार, होल ग्रेन्स खाने से दोगुनी तेजी से पेट का फैट कम होता हैं। होल ग्रेन से इंसुलिन का प्रोडक्शन कम होता है, जिससे वजन नहीं बढ़ता। यूनिर्वसटिी ऑफ टेक्सास हेल्थ साइंसेस सेंटर द्वारा किए गए शोध के अनुसार, हर रोज होलग्रेन खाने से हार्ट फेल होने की आशंका 7 फीसद कम हो जाती है।

बेरीज भी रखे स्वस्थ : एक दिन में चार से पांच प्रकार के फल-सब्जियां खाने की सलाह दी जाती है। आधा कप बेरीज में सिर्फ 50 कैलोरी होती है। एंटी-ऑक्सीडेंट का सबसे अच्छा सोर्स होने के कारण बेरीज को डाइट में शामिल करना फायदेमंद होता है। एंटी-ऑक्सीडेंट फ्री-रेडिकल डैमेजिंग से बचाता है। फ्रोजन बेरीज भी उतनी ही स्वादिष्ट और न्यूट्रिशनल होती हैं, जितनी फ्रेश बेरीज।

दौड़ने से तेज होता है दिमाग, बढ़ती है याददाश्त

वॉशिंगटन। दौड़ने से शरीर के चुस्त और तंदरूस्त होने के बारे में तो आप सबको पता है लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि यह सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि दिमागी कसरत भी है, जिससे हमारी याददाश्त बढ़ती है।

'अमेरिकी जर्नल सेल मोटाबोलिज्म' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार दौड़ने के बाद चूहों, बंदरों और मनुष्यों के खून में ''कैथेप्सीन बी' नामक प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है, जो दिमाग को अधिक सक्रिय करता है।'अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट' के न्यूरोसाइंटिस्ट और वरिष्ठ शोधकर्मा हेनरिट्टे वान प्राग ने कहा, 'जांच के दौरान हमने देखा कि एक प्रोटीन मांसपेशियों के उत्तकों से स्त्रवित होकर दिमाग की ओर बढ़ रहा है और मजेदार बात यह थी कि यह 'कैथेप्सीन बी' नामक प्रोटीन था। शोध के दौरान मांसपेशी की कोशिका को उस उपकरण के संपर्क में लाया गया, जो कसरत की तरह ही प्रभाव छोड़ता है। ऐसा करने पर पाया गया कि इसमें प्रोटीन 'कैथेप्सीन बी' के उत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है। कसरत के उपकरण पर रोजाना कई हफ्तों तक समय गुजारने के दौरान पाया गया कि चूहों के खून और मांसपेशियों की कोशिकाओं में प्रोटीन का स्तर अधिक है। इसके साथ ही, जब 'कैथेप्सीन बी' को दिमाग के कोशिकाओं पर लागू किया गया तो पाया कि मस्तिष्क की नई कोशिकाओं का निर्माण हो रहा है। शोध के दौरान ''कैथेप्सीन बी' स्त्रवित करने वाले चूहों और इसे स्त्रवित नहीं करने वाले चूहों के बीच एक सप्ताह तक पानी के अंदर कई स्लैब की मदद से भूलभुलैया खेल का आयोजन किया गया। इसमें शोधकर्ताओं ने पाया कि बिना 'कैथेप्सीन बी' वाला चूहे छिपे प्लेटफार्म का पता लगाने में असफल रहे जबकि 'कैथेप्सीन बी' की क्षमतावाले चूहे को रोजाना तैराकी से पहले दौड़ाया गया तो वह इस प्लेटफार्म का पता लगाने में सफल रहे। जर्मन शोधकर्ताओं के साथ इस अध्ययन के सहयोगी प्राग ने कहा, 'अध्ययन के दौरान हमने तीन प्रजातियों- चूहा, बंदर और मनुष्यों के खून में 'कैथेप्सीन बी' को अनियंत्रित देखा। उन्होंने कहा, 'मनुष्यों में चार महीनों के लगातार अध्ययन के बाद ''कैथेप्सीन बी' के स्तरों में वृद्धि के साथ-साथ उनकी याददाश्त को बेहतर पाया गया। अन्य अध्ययनों में पाया गया कि ''कैथेप्सीन बी' न्यूरोप्रोटेक्टिव है और यह एमीलॉयड प्लेक्स को साफ कर सकता है। शोधकर्ता अब यह पता लगाएंगे कि 'कैथेप्सीन बी' कैसे दिमाग की रक्त बाधाओं को पार करती है, कैसे यह न्यूरोनल संकेत, वृद्धि और जुड़ाव को सक्रिय करती है। इसके साथ ही वह यह भी पता लगाएंगे कि इसकी विभिन्न प्रजातियों में कैसा व्यवहार होता है और उम्र के साथ-साथ प्रोटीन के उत्पादन में कैसे बदलाव आता है।

> दौड़ने के बाद खून में 'कैथेप्सीन बी' प्रोटीन दिमाग को अधिक सक्रिय करता है
>
> शोध के दौरान मांसपेशी की कोशिका को उस उपकरण के संपर्क में लाया गया, जो कसरत की तरह ही प्रभाव छोड़ता है
>
> मनुष्यों में चार महीनों के अध्ययन के बाद 'कैथेप्सीन बी' के स्तरों में वृद्धि के साथ-साथ उनकी याददाश्त बेहतर पाई गई

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएे। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

गुरू और चेला दोनों अव्वल दर्जे के आलसी थे। एक रात गुरू ने चेले से कहा- जरा देख, बाहर बारिश हो रही है क्या।

चेला बोला- बारिश हो रही है।

गुरू- देखे बैगर कैसे कहता है।

चेला बोला- गुरू जी अभी-अभी जो बिल्ली अंदर आई है, वह भीगी हुई है, तो बारिश हो रही है।

पांच मिनट बाद गुरू ने फिर कहा- अच्छा जरा बत्ती बुझा दे।

चेला बोला- गुरूजी आंखे बंद कर लो, अपने आप अंधेरा हो जाएगा।

गुरूजी ने झल्लाते हुए कहा- चल जरा उठकर दरवाजा तो बंद कर दे।

चेला बोला- गुरूजी, अब दो काम मैंने कर दिए। तीसरा तो आप कर लीजिए।

□ □ □

पागालखाने के दौंरे पर आए मंत्री ने डाक्टर से कहा, ''जिस मनोरोगी से मिलवाकर आपने मुझे कहा था कि उसकी हालत में काफी सुधार हुई है, वह तो अपने आपको सन्नी दयोल कहा रहा था।''

डाक्टर, ''बड़ा सुधार हुआ है सर जब वो नया-नयायहां लाया गया था तो अपने आप को धर्मेन्द्र कहता था।''

काकुरो पहेली - 4084

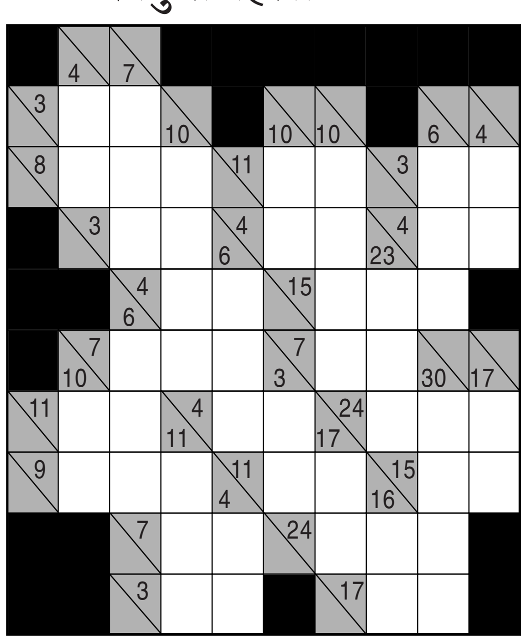

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

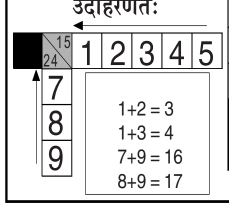

काकुरो - 4083का हल

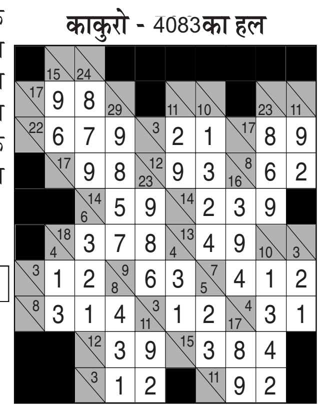

फिल्म वर्ग पहेली- 4084

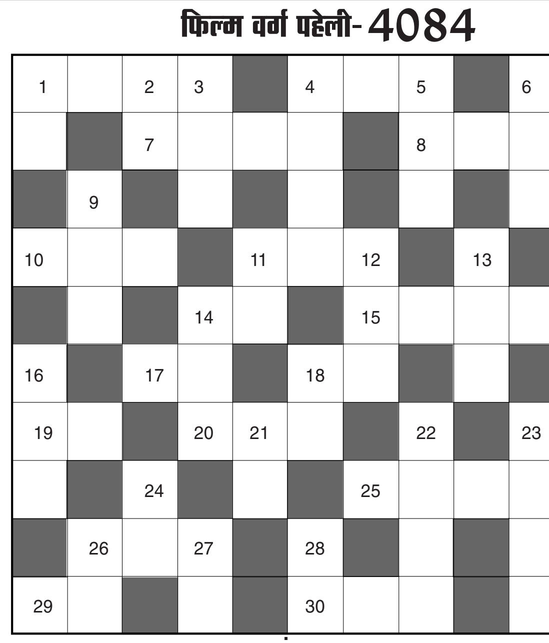

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4083

सूडोकु -4084

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -'4083 हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 4084

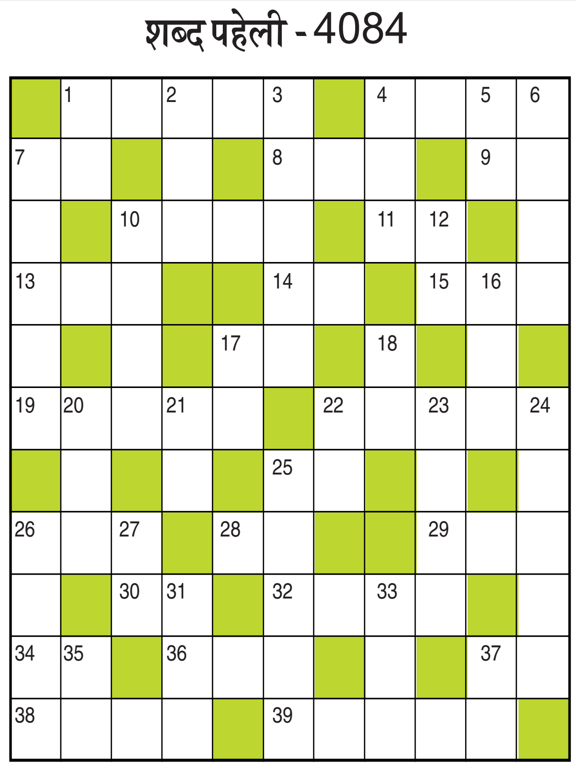

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -4083 का हल

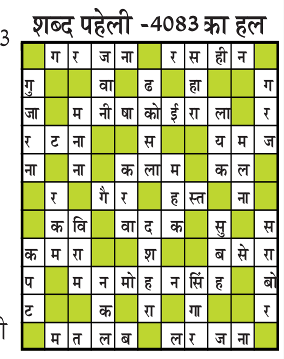

मप्र के कूनों में चीतों की निगरानी के लिए तैनात जर्मन शेफर्ड डॉग की मौत

एजेंसी

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित प्रसिद्ध कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की निगरानी और ट्रैकिंग के लिए तैनात विशेष रूप से प्रशिक्षित जर्मन शेफर्ड डॉग की मौत हो गई है। कूनो के डीएफओ और डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकुरल ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कूनो का यह जर्मन शेफर्ड कोई साधारण डॉग नहीं था। जंगल में चीतों की हरकत पर नजर रखने में वन विभाग की मदद करना उसकी जिम्मेदारी थी। डॉग का काम चीतों की ट्रैकिंग, गश्त के साथ वन अमले की सहायता करना था। कूनो में ट्रैकिंग डॉग की मौत हुई है। मौत के स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन चीता प्रबंधन की टीम द्वारा प्रारंभिक तौर पर हार्टअटैक को मृत्यु का कारण मान रहे हैं, जबकि स्थानीय स्तर पर डॉग के किसी वाहन की चपेट में आने से मौत होने की बात कही जा रही है। कूनो में डॉग की देखरेख के लिए दो हैंडलर तैनात था। ऐसे में उसकी मौत पर सवाल उठ रहे हैं। कूनो के डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकुरल का कहना है कि डॉग की मौत के बाद उसका पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक की संभावना जताई जा रही है। उसकी मौत की असली वजह क्या है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

एमआरपी व्यवस्था में लाई जाए पारदर्शिता, ग्राहकों को पता रहे उत्पादन लागत - नारायणभाई शाह

नई दिल्ली। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के देश भर से आए कार्यकर्ताओं ने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया। मंच से ग्राहक पंचायत ने अपने कार्यकर्ताओं से उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा हेतु एमआरपी व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर एक जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने का आह्वान किया। जंतर मंतर पर आज आयोजित धरने में देश के विभिन्न राज्यों से आए उपभोक्ता अधिकार कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित करीब 500 लोगों ने भाग लिया। एमआरपी की विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर आयोजित धरने में अपने संबोधन में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायणभाई शाह ने कहा कि एमआरपी व्यवस्था का मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं को मनमानी कीमतों से बचाना था, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में खामियां है। उपभोक्ताओं को यह जानने का अधिकार है कि किसी वस्तु की वास्तविक लागत क्या है और उस पर कितना लाभ जोड़ा गया है। सरकार को इस संबंध में तुरंत कोई व्यवस्था या कानून बनाना चाहिए। उपभोक्ताओं के अधिकारों का यूं ही कब तक हनन होता रहेगा।

अरुणाचल प्रदेश में सड़क हादसे में असम के पांच युवकों की मौत

सेप्पा (अरुणाचल प्रदेश)। अरुणाचल प्रदेश के सेप्पा क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में असम के लखीमपुर जिले के पांच युवकों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक जिस वाहन में सवार थे, वह पहाड़ी सड़क पर अचानक नियंत्रण खो बैठा और गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि सभी पांचों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अमदाज अली, बुलबुल अली, नूर हुसैन, सैदुल इस्लाम और अबुल हुसैन के रूप में हुई है। सभी लखीमपुर जिले के नावबोइचा क्षेत्र के निवासी थे और रोजगार के सिलसिले में अरुणाचल प्रदेश में रह रहे थे। इस दुखद घटना से मृतकों के परिवारों तथा स्थानीय समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। मामले में विस्तृत विवरण के प्रतीक्षा की जा रही है।

वैश्विक कृषि साझेदारी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकता है भारत का दृष्टिकोण : शिवराज सिंह

इंदौर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत हमेशा वैश्विक एकता, शांति और सहयोग का पक्षधर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का दृष्टिकोण 'युद्ध नहीं शांति, संघर्ष नहीं समन्वय' पर आधारित है, जो वैश्विक कृषि साझेदारी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकता है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी और स्वच्छता के प्रतीक इंदौर में शुरू हुए ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों

के दो दिवसीय सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने भारत की कृषि शक्ति, सांस्कृतिक मूल्यों और वैश्विक सहयोग की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को आगे बढ़ाते हुए इस मंत्र के साथ दुनिया को एक परिवार मानते हुए शांति, समन्वय और साझेदारी आधारित विकास पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने अतिथि देवो भवः की भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए सभी प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया और कहा कि यह संवाद विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के सामने मौजूद चुनौतियों- जैसे जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव और बाजार की अनिश्चितता का सामूहिक समाधान खोजने के लिए महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि छोटे किसान मजबूत होते हैं, तो दुनिया की खाद्य सुरक्षा स्वतः सुदृढ़ हो जाएगी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष विकसित भारत की मजबूत नींव के स्वर्णिम वर्ष : जेपी नड्डा

एजेंसी

शिमला। केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री तथा भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अवधि केवल एक सरकार का कार्यकाल नहीं, बल्कि विकसित भारत की मजबूत आधारशिला रखने वाले परिवर्तनकारी वर्षों का प्रतीक है। भाजपा द्वारा आयोजित '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' अभियान के तहत शिमला में आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की दिशा और संस्कृति दोनों

को बदला है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार तक सीमित थी, लेकिन मोदी सरकार ने राजनीति को सेवा, सुशासन और जवाबदेही का माध्यम बनाया है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने कई ऐतिहासिक निर्णय देखे हैं। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाना और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करना ऐसे फैसले हैं, जिन्होंने देश की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है।

लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग

उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण की नीतियों के कारण भाजपा को लगातार तीसरी बार जनता का समर्थन मिला है। देश के अधिकांश नागरिक आज भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में निवास कर रहे हैं, जो सरकार की नीतियों पर जनता के विश्वास को दर्शाता है। हिमाचल प्रदेश का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रदेश को विकास की नई गति प्रदान की है। बिलासपुर में एम्स की स्थापना, चंबा, हमीरपुर और नाहन में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण तथा राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क परियोजनाओं के विस्तार से प्रदेश की तस्वीर बदली है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हिमाचल में 14,400 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़क नेटवर्क विकसित किया गया है।

पाठ्यक्रम में सिख गुरुओं के इतिहास को शामिल करने का फैसला स्वागतयोग्य: तरुण चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा सरकार द्वारा 8वीं कक्षा के इतिहास के पाठ्यक्रम में सिख गुरुओं के जीवन, योगदान और उनकी शिक्षाओं को शामिल किए जाने के फैसले का स्वागत किया है। भाजपा ने कहा कि यह पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिख विरासत के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने जहां गुरुओं के इतिहास को उपेक्षित किया, वहीं भाजपा ने वीर बाल दिवस, गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम और अन्य आयोजनों के जरिए सिख इतिहास को राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का कार्य किया है। चुग ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि 1984 का सिख कत्लेआम देश कभी नहीं भूल सकता। वोटर लिस्ट पकड़कर सिखों को ढूंढ-ढूंढकर मारा गया, गुरुद्वारे जलाए गए, 52 शहरों को श्मशान बना दिया गया। भोपाल गैस कांड से लेकर दंतेवाड़ा के शहीदों तक कांग्रेस के दोहरे मापदंड जगजाहिर हैं। कांग्रेस की हिमालयन मिस्टेक्स की सूची बहुत लंबी है। जनता झूठ, भ्रम और मगरमच्छी आंसुओं की राजनीति को बार-बार नकार चुकी है। यह दाल अब गलने वाली नहीं है।तृणमूल कांग्रेस पर तंज कसते हुए तरुण चुग ने कहा कि जिस पार्टी ने पश्चिम बंगाल को लूट, तुष्टीकरण और कट मनी का राजनीतिक अड्डा बना दिया था उसके नेता अब जनता द्वारा सत्ता से हटाए जाने के बाद अपने पापों के भार से लगातार गिर रहे हैं।

मेट्टूर बांध से नहीं छोड़ा गया पानी, कावेरी डेल्टा के 16 लाख एकड़ कृषि क्षेत्र पर संकट, किसान निराश

एजेंसी

सेलम। तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र के लाखों किसानों को उस समय निराशा का सामना करना पड़ा, जब निर्धारित तिथि 12 जून को मेट्टूर बांध से कुरुवई (प्रारंभिक धान) फसल की सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ा गया। बांध में जलस्तर और जल भंडारण अपेक्षित स्तर से कम होने के कारण इस वर्ष भी सिंचाई सत्र की शुरुआत समय पर नहीं हो सकी। मेट्टूर बांध कावेरी डेल्टा के 12 जिलों की लगभग 16.05 लाख एकड़ कृषि भूमि के लिए जीवनरेखा माना जाता है। परंपरा के अनुसार हर वर्ष 12 जून से 28 जनवरी तक डेल्टा क्षेत्र में सिंचाई के लिए बांध से पानी छोड़ा जाता है। इसके लिए बांध का जलस्तर कम से कम 90 फीट और जल प्रवाह पर्याप्त होना आवश्यक माना जाता है, ताकि कुरुवई धान की खेती समय पर शुरू हो सके। हालांकि इस वर्ष 12 जून को मेट्टूर बांध का जलस्तर केवल 79.62 फीट दर्ज किया गया, जबकि जल प्रवाह महज 424 क्यूसेक रहा। जल भंडारण और आवक दोनों ही अपेक्षा से कम होने के कारण सिंचाई के लिए पानी छोड़ना संभव नहीं हो पाया। इस स्थिति ने कावेरी डेल्टा के किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। समय पर पानी नहीं

मिलने से कुरुवई फसल की बुवाई प्रभावित हो सकती है, जिससे उत्पादन में कमी आने की आशंका है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं हुआ तो इसका असर केवल किसानों पर ही नहीं, बल्कि खेती से जुड़े हजारों कृषि मजदूरों के रोजगार पर भी पड़ेगा। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने के बाद केरल और कर्नाटक के कावेरी जलग्रहण क्षेत्रों में अच्छी बारिश होती है। इसके परिणामस्वरूप कर्नाटक का कबिनी बांध भरता है और अतिरिक्त पानी कावेरी नदी के जरिए मेट्टूर बांध तक पहुंचता है। लेकिन इस वर्ष कावेरी बेसिन में अपेक्षित वर्षा नहीं होने से जलाशयों में पर्याप्त पानी नहीं जुट पाया है। कर्नाटक के 65 फीट ऊंचे कबिनी बांध का वर्तमान जलस्तर 31.84 फीट दर्ज किया गया है। बांध में पानी की आवक 2,446 क्यूसेक है, जबकि कुल जल भंडारण 6.08 टीएमसी है। ऐसे में निकट भविष्य में मेट्टूर बांध को पर्याप्त जल मिलने की संभावना भी कम दिखाई दे रही है। पिछले वर्षों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2023 में मेट्टूर बांध का जलस्तर 103.35 फीट होने के कारण 12 जून को ही कुरुवई खेती के लिए पानी छोड़ दिया गया था। हालांकि बाद में कमजोर मानसून के चलते जलस्तर तेजी से घट गया और 10 अक्टूबर को सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति रोकनी पड़ी थी।

वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों को लेकर अमेरिका दूतावास के प्रभारी राजनयिक तलब

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी राजनयिक जेसन मीक्स को ओमान की खाड़ी में भारतीय नाविकों को ले जा रहे वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी नौसेना के लगातार हमलों के संबंध में तलब किया गया। मंत्रालय ने नागरिक जहाजों पर घातक बल प्रयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की और स्पष्ट कहा कि ऐसे कृत्य अस्वीकार्य हैं।

एक दिन पहले एक बार फिर एक भारतीय चालक दल वाले जहाज को अमेरिकी नौसेना की ओर से निशाना बनाया गया। इस संबंध में आज अमेरिकी दूतावास के प्रभारी राजनयिक को तलब किया गया। राजनयिक करीब 45 मिनट तक विदेश मंत्रालय में रहे। इसके बाद विदेश मंत्रालय की ओर से एक वक्तव्य जारी किया गया। इसमें कहा गया कि मंत्रालय ने नागरिक जहाजों के खिलाफ घातक बल के प्रयोग पर एक बार फिर गहरी चिंता व्यक्त की। उनसे कहा गया कि ऐसे कृत्य अस्वीकार्य हैं और एक संवेदनशील क्षेत्र में कठिन समय में अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की

सुरक्षा, संरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं। मंत्रालय के अनुसार अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रभारी से कहा गया कि वे अपने अधिकारियों को भारत की गंभीर चिंताओं से अवगत कराएं और यह सुनिश्चित करें कि क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सेनाएं नागरिक जीवन की हानि को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करें। उल्लेखनीय है कि पिछले चार दिनों में तीन बार भारतीय चालक दल वाले तीन जहाजों को लाल सागर क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना की ओर से निशाना बना जा चुका है। पलाऊ के झंडे वाले टैंकर 'मैरीवेक्स' और 'सेटेबेलो' पर हमले हुए। 'सेटेबेलो' पर हमले में तीन भारतीय नाविक डेक कैडेट आदित्य शर्मा, फिटर शिवानंद चौरसिया और चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश की मृत्यु हो गई। वहीं गुरुवार को एक अन्य जहाज एमटी जलवीर पर हमला हुआ।

दिल्ली की सड़कों के गड्ढे अब जल्द भरेंगे, नगर निगम और सीआरआरआई ने किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों को बेहतर और गड्ढामुक्त बनाने के लिए दिल्ली नगर निगम और केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) ने एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस साझेदारी के तहत सड़कों की गुणवत्ता की जांच, निर्माण कार्य की निगरानी और इंजीनियरों को आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस समझौते के साथ ही 'इकोफिक्स' नामक नई तकनीक को अपनाने का भी फैसला किया गया है। यह तकनीक सड़कों के

गड्ढों को तेजी से और अधिक मजबूती के साथ भरने में मदद करेगी।

इस मौके पर निगम आयुक्त संजीव खीरवार ने कहा कि नई तकनीकों के इस्तेमाल से सड़कों की मरम्मत तेज और टिकाऊ होगी, जिससे लोगों को बेहतर सड़कें मिलेंगी। वहीं, सीएसआईआर-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. चौधरी रवि शेखर ने बताया कि इकोफिक्स तकनीक में स्टील उद्योग से निकलने वाले स्लैग (औद्योगिक अवशेष) का उपयोग किया जाता है। इससे न सिर्फ गड्ढों की मरम्मत मजबूत होती है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की बचत और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तकनीक के उपयोग से गड्ढों की मरम्मत जल्दी होगी। इसके साथ सड़कें अधिक समय तक टिकेंगी औरसड़क की धूल और प्रदूषण कम होगा। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से रखरखाव पर होने वाला खर्च घटेगा और औद्योगिक कचरे का उपयोग कर पर्यावरण को लाभ मिलेगा। यह पहल दिल्ली में मजबूत, सुरक्षित और नागरिकों के लिए बेहतर सड़क नेटवर्क विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

टीबी, मलेरिया और एनीमिया मुक्त भारत के लिए समन्वित प्रयास जरूरी : अराधना पटनायक

एजेंसी

धमतरी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मिशन निदेशक अराधना पटनायक ने छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जिले में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजना का विस्तृत आकलन किया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) तथा आयुष विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान अराधना पटनायक ने कहा कि टीबी, मलेरिया, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, सिकल सेल और एनीमिया जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों के उन्मूलन एवं नियंत्रण के लिए सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, उपचार, जागरूकता और सतत निगरानी के माध्यम से इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने मीज़ल्स-रूबेला, एचपीवी और

एमएमआर टीकाकरण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने, पात्र हितग्राहियों तक शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण, पोषण सेवाओं और मातृ-शिशु स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करने पर बल दिया। बैठक में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, सिकल सेल एवं टीबी स्क्रीनिंग, कुपोषण नियंत्रण और जनजागरूकता गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन विभिन्न विभागों के समन्वय से स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति, विभिन्न प्रमाणनों की तैयारी तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए रणनीति पर भी चर्चा की गई। अराधना पटनायक ने सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनस्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने के निर्देश दिए । बैठक में संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संजीव झा, राज्य क्षय रोग अधिकारी, एसपीएम एनएचएम डॉ. भरत राजपूत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चुनावी भाषण को लेकर कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए एक विवादित बयान को लेकर राजधानी कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। पुलिस ने लिखित शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी ने एक विशेष समुदाय को लेकर टिप्पणी की थी। अपने भाषण में उन्होंने कहा था कि यदि एक समुदाय एकजुट हो जाए तो वह विरोधियों की बारह बजा सकता है। साथ ही उन्होंने लोगों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ भी भड़काया था। इस बयान को लेकर उस समय भी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। इसके पूर्व इस संबंध में नेताजी सुभाषचंद्र बोस रोड निवासी तुषारकांति दास ने 20 मई को नेताजीनगर थाने में शिकायत

दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। उनका आरोप था कि भले ही किसी समुदाय का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया हो, लेकिन इस प्रकार की टिप्पणी सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है और विभिन्न समुदायों के बीच तनाव पैदा कर सकती है। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में चुनाव के बाद हुई हिंसा और सांप्रदायिक तनाव के लिए इस प्रकार के बयान जिम्मेदार हो सकते हैं। इसी शिकायत के आधार पर हेयर स्ट्रीट थाने ने मामला दर्ज किया है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री की टिप्पणी प्रथम दृष्टया उकसाने वाली, भड़काऊ और सांप्रदायिक प्रकृति की प्रतीत होती है। शिकायत में कहा गया है कि इस तरह के बयान से भय, घृणा और गलतफहमी का माहौल बन सकता है तथा विभिन्न समुदायों के बीच शांति और सौहार्द प्रभावित हो सकता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि इस प्रकार की टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो इससे राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव और लोकतांत्रिक वातावरण को नुकसान पहुंच सकता है।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि चुनाव के दौरान दिया गया यह बयान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भी हो सकता है। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच की मांग की है। फिलहाल, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में आधुनिक तकनीक का होगा व्यापक उपयोग, अमित शाह ने तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यात्रा के सुचारु संचालन के लिए व्यापक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गृहमंत्री शाह ने यहां उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि यात्रा मार्ग पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से बहुस्तरीय एवं अभेद्य सुरक्षा ग्रिड स्थापित किया जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए ड्रोन, सीसीटीवी निगरानी, सर्विलांस सिस्टम तथा अन्य आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग पर जोर दिया। शाह ने कहा कि यात्रा के दौरान विभिन्न केंद्रीय बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ

अधिकारी शिविर स्थलों तथा यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करें।

साथ ही श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं, संचार व्यवस्था और आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और पशुओं के पंजीकरण पर भी विशेष बल दिया गया। निर्देश दिए गए कि संबंधित व्यक्तियों को क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किए जाएं तथा यात्रा में उपयोग किए जाने वाले पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर लगाए जाएं। गृह मंत्री ने अधिकारियों को मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान के आधार पर ही श्रद्धालुओं के जत्थों को आगे बढ़ाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रा मार्ग के अलावा जम्मू-कश्मीर के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालु और पर्यटक सुरक्षित वातावरण में यात्रा और पर्यटन का आनंद ले सकें।1बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख, सीआरपीएफ के महानिदेशक तथा गृह मंत्रालय, सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष आयोजित होने वाली अमरनाथ यात्रा में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं, जिसके मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाते हैं।

छत्तीसगढ़ में आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित, बिजली गिरने से उप सरपंच समेत 3 की मौत

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गुरुवार देर शाम और शुक्रवार की सुबह अचानक आए तेज आंधी-तूफान, मूसलाधार बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित हो गया है। कई इलाकों में पेड़ उखड़ने, बिजली गुल होने और मोबाइल टॉवर गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। कांकेर जिले में शुक्रवार सुबह अंतागढ़ में मनरेगा कार्य के दौरान पेड़ के नीचे खड़े ग्रामीणों पर बिजली गिरने से उप सरपंच समेत 3 लोगों की मौत हो गई और 5 घायल हो गए हैं। कांकेर जिले के अंतागढ़ के ग्राम कन्हारगांव में मनरेगा कार्य के दौरान अचानक आए तूफान और बारिश से बचने के लिए ग्रामीण महुआ पेड़ के नीचे खड़े हो गए थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने से उप-सरपंच सहित 3 ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। कांकेर जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, वज्रपात की यह घटना बेहद दुखद है। घायल ग्रामीणों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है। मृतकों के परिजनों को शासन के नियमानुसार आपदा राहत कोष से 4-4 लाख रुपये की आर्थिक मुआवजा राशि शीघ्र ही स्वीकृत कर प्रदान की जाएगी। तेज हवाओं के दबाव के कारण कई क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर गिरने और क्षतिग्रस्त होने की खबरें हैं, जिससे संचार सेवाएं बाधित हुई हैं। गुरुवार देर शाम राजधानी रायपुर और आसपास वीआईपी रोड, शंकर नगर और मोवा जैसे प्रमुख इलाकों में भारी बारिश और आंधी के कारण पेड़ व बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे लंबा जाम लग गया और कई जगह ब्लैकआउट जैसी स्थिति बन गई। बालोद जिले में गुरुवार को आई तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। जिले के ग्राम भेड़िया नवागांव में तड़के आए भीषण आंधी-तूफान के कारण 131 फीट ऊंचा बीएसएनएल का मोबाइल टॉवर गिर गया। अधिकारियों ने बताया है कि टॉवर आबादी क्षेत्र से दूर खेत में गिरा, जिससे जनहानि नहीं हुई। बालोद जिला विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता और स्थानीय प्रशासन ने बयान जारी कर बताया है, अंधड़ के कारण इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा है। विद्युत कर्मियों की कई टीमें युद्धस्तर पर खंभों को दुरुस्त करने और पेड़ों को हटाने के काम में जुटी हैं। जिला प्रशासन के अनुसार बिजली के खंभे और 50 से अधिक पेड़ भी धराशायी हो गए।

केन विलियमसन के सन्यास पर विराट कोहली का छलका दर्द

कहा- महानतम बल्लेबाज ने क्रिकेट को अलविदा कहा

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार (12 जून) को इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया. इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया।

विलियमसन इस समय इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं जिसमें न्यूजीलैंड पहला मैच 115 रन से हार गई थी. विलियमसन पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे और दूसरी में 18 रन पर आउट हो गए थे. ये मैच उनके करियर का आखिरी मैच बन गया। अपने 16 साल के शानदार करियर में विलियमसन ने देश के लिये कुल 378 मैच खेले. जिसमें 110 टेस्ट, 175 वनडे और 93 टी20 मैच शामिल हैं. विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यही सही समय है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिये मेरे भीतर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और ललक रही है और मुझे इस बात में गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिये हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।'

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा , 'हमारे महानतम खिलाड़ियों में से एक विदा हो रहा है. केन विलियमसन ने त्वरित प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला किया है।'

मजदूर का बेटा बना 'गोल्डन बॉय'

बेटे की कामयाबी देख फफक-फफक कर रोए माता-पिता

करनाल (एजेंसी)। हौंसले के तरकश में कोशिश का वो तीर जिंदा रख, हार जा चाहे जिंदगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिंदा रख. इन पंक्तियों को पूरी तरह सच कर दिखाया है करनाल के सुमित ने. सुमित सीकरी गांव के निवासी हैं. गुजरात के अहमदाबाद में 4 जून से 8 जून 2026 तक 'फर्स्ट वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप' का आयोजन हुआ. इस प्रतियोगिता में सुमित ने अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के दम पर ना केवल देश का परचम लहराया, बल्कि वैश्विक पटल पर भारत और हरियाणा का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा दिया।

विश्व मंच पर सुमित का स्वर्णिम प्रदर्शन?- देशभर से आए श्रेष्ठ योगासन खिलाड़ियों के बीच हुए इस कड़े और उच्च स्तरीय मुकाबले में सुमित ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दो अलग-अलग इवेंट्स में दो गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. सुमित ने इस विश्व चैंपियनशिप के सीनियर मेल कैटेगरी में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए दो स्पर्धाओं में देश की झोली में स्वर्ण पदक डाले हैं।

लेग बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट (सीनियर मेल कैटेगरी)- अपनी एकाग्रता और शारीरिक संतुलन का लोहा मनवाते हुए सुमित ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मप्र शहडोल के 'मिनी ब्राजील' में फीफा का उत्साह

● खिलाड़ी चाहते हैं ब्राजील बने विश्व विजेता ● भारत को फीफा तक पहुंचाने का संकल्प लिया

भोपाल/शहडोल (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो गई है, जिसे लेकर दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस महाकुंभ पर करोड़ों निगाहें टिकी हैं। इस वैश्विक रोमांच के बीच मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का 'मिनी ब्राजील' गांव विचारपुर भी फुटबॉल के रंग में रंग चुका है। विश्व कप शुरू होने से पहले ही विचारपुर के मैदानों में रौनक बढ़ गई है। गांव के बच्चे और युवा खिलाड़ी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। यहां के अधिकांश खिलाड़ी ब्राजील का समर्थन करते हैं और उन्हें ही फीफा का विश्व विजेता देखना चाहते हैं। वहीं टीम इंडिया का फीफा तक नहीं पहुंच पाना भी उनके लिए निराशा का विषय है। मिनी ब्राजील के मैदान में फुटबॉल खेल रहे बच्चों का कहना है कि हम आने वाले समय में टीम इंडिया को फीफा तक पहुंचाएंगे। मैदान में खेल रहे कुछ युवा अर्जेंटीना और लियोनेल मेसी के प्रशंसक भी हैं। लेकिन इस उत्साह के बीच एक सवाल भी बार-बार उठता है जब दुनिया फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उतर रही है, तब भारत अब तक वहां क्यों नहीं पहुंच पाया?

क्यों कहा जाता है विचारपुर को मिनी ब्राजील? – शहडोल मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित विचारपुर गांव में फुटबॉल केवल खेल नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। गांव के अधिकांश घरों में कोई न कोई खिलाड़ी फुटबॉल से जुड़ा हुआ है। यहां बच्चे चलना सीखने के साथ फुटबॉल को भी अपनाने लगते हैं।

वर्षों पहले गांव के युवाओं ने फुटबॉल को अपनी पहचान बनाया। धीरे-धीरे यहां से कई खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। महिला खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। गांव में फुटबॉल के प्रति इसी जुनून ने इसे मिनी ब्राजील की पहचान दिलाई।

पीएम मोदी ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान – विचारपुर को राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में गांव का उल्लेख किया था। पीएम ने गांव की फुटबॉल संस्कृति और यहां के खिलाड़ियों की सराहना की थी। इसके बाद विचारपुर अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया।प्रधानमंत्री के उल्लेख के बाद कई प्रशासनिक और खेल विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे। गांव की पहचान एक फुटबॉल हब के रूप में बनी और यहां के खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर बढ़े। देशभर के मीडिया संस्थानों ने भी गांव की कहानी को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कुंडे बोलीं- फीफा से सीखने का अवसर

जर्मनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी खिलाड़ी सानिया कुंडे कहती हैं कि फीफा विश्व कप उनके जैसे खिलाड़ियों के लिए सीखने का सबसे बड़ा मंच है ।सानिया कहती हैं, हम लोग सभी मैच देखेंगे। जो खिलाड़ी हमारी पोजीशन पर खेलते हैं, उन्हें देखकर नई तकनीक सीखने को मिलती है। ऐसे कई शॉट्स और मूवमेंट देखने को मिलते हैं जिन्हें सीखने के लिए बहुत उच्च स्तरीय अभ्यास की जरूरत होती है। हम सब ब्राजील को सपोर्ट करेंगे। हमारी कोशिश है कि एक दिन भारत भी फीफा वर्ल्ड कप में खेले।

महिला टी20 विश्व कप 2026 में

आज चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला

बर्मिंघम (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में क्रिकेट प्रेमियों को शुरुआत में ही बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान रविवार, 14 जून को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर ग्रुप-1 के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

एजबेस्टन में दिखेगा हाई-वोल्टेज मुकाबला – भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले हमेशा से रोमांच और दबाव से भरे रहे हैं। इन मैचों में आंकड़े और हालिया फॉर्म अक्सर पीछे छूट जाते हैं और खिलाड़ी मानसिक मजबूती की परीक्षा से गुजरते हैं। बर्मिंघम में बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई समुदाय के लोग रहते हैं, जिसके चलते एजबेस्टन में एक बार फिर शानदार माहौल देखने को मिलने की उम्मीद है। स्टेडियम में दोनों टीमों के समर्थकों की भारी मौजूदगी मुकाबले को और खास बना सकती है।

पहली ट्रॉफी की तलाश में भारत – हर्मनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस बार पहली बार महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। टीम के पास अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण मौजूद है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भारत की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही हैं। दोनों बल्लेबाज शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाकर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती हैं।

युवा जोश के साथ उतरेगा पाकिस्तान – पाकिस्तान की कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है। उनकी टीम में कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं जो बड़े मंच पर खुद को साबित करने के लिए बेताब हैं। हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर रहा है, लेकिन बड़े टूर्नामेंटों में अक्सर उलटफेर देखने को मिलते हैं। ऐसे में पाकिस्तान भी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगा।

भारत को माना जा रहा है प्रबल दावेदार

कागजों पर भारतीय टीम अधिक संतुलित और मजबूत नजर आती है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भारत के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी मौजूद हैं। हालांकि पाकिस्तान को हल्के में लेना भारत के लिए बड़ी गलती साबित हो सकता है। फातिमा सना की टीम उलटफेर करने और जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करने के इरादे से उतरेगी।

शाम 7 बजे से मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला टी20 विश्व कप 2026 का मुकाबला 14 जून को भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा। मैच का आयोजन एजबेस्टन, बर्मिंघम में किया जाएगा। इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय शूटिंग टीम घोषित

● मनु भाकर और ईशा सिंह दोनों पिस्टल इवेंट्स में खेलेंगे, पिछले साल 22 मेडल जीते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने 20वें एशियन गेम्स के लिए भारत की राइफल और पिस्टल टीम घोषित कर दी है। इसमें 30 खिलाड़ी शामिल हैं। शॉटगन टीम पहले ही चुनी जा चुकी है।

जापान के आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगे। एशियाड के लिए जारी टीमें अगले महीने हांग्जो में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और अक्टूबर में काहिरा (मिस्र) वर्ल्ड कप में भी खेलेंगी।

मनु और ईशा डबल इवेंट्स में खेलेंगी – एनआरएआई की लिस्ट के मुताबिक, पेरिस ओलिंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर और 2022 एशियन गेम्स की स्टार ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। राइफल कैटेगरी में रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और विदर्शा के. विनोद भी दो-दो इवेंट्स में खेलेंगे। एनआरएआई ने बताया कि टीम का चयन हाल ही में हुए नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 4 के बाद नेशनल रैंकिंग और चयन नीति के आधार पर किया गया है।

फीफा वर्ल्ड कप- इंग्लैंड टीम का सामान चोरी

गाड़ी से ही फुटबॉल-जूते ले गए चोर, कैंसास पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम का सामान चोरी हो गया। यह घटना शुक्रवार को हुई। टीम का सामान फ्लोरिडा में लगे प्री-टूर्नामेंट कैंप से अमेरिका के कैंसास सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज ले जाया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसास सिटी पहुंचने के बाद टीम के वाहन से सामान गायब मिला। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोरी हुए सामान में फुटबॉल और खिलाड़ियों के बूट्स शामिल हैं। कैंसास पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। स्वोप सॉकर विलेज कैंसास सिटी में स्थित एक फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर है। इंग्लैंड टीम ने वर्ल्ड कप 2026 के दौरान इसे अपने बेस कैंप और ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना है।

स्थानीय पुलिस ने शुरू की जांच, 2 लोग हिरासत में – कैंसास सिटी पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि टीम के वाहन से सामान गायब होने और

संभावित चोरी के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। इस मामले में दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

ग्रुप-एल में शामिल है इंग्लैंड, 18 जून को पहला मैच – वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप-रु में है। इस ग्रुप में इंग्लैंड के साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा की टीमें मौजूद हैं। भारतीय समयानुसार इंग्लैंड की टीम 18 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मैच अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी।

9 खिलाड़ी करेंगे मेजर इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू – थॉमस टचल के कोचिंग में इंग्लैंड की टीम एक नए लुक में नजर आ रही है। इस 26 सदस्यीय टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है। टीम के 9 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार किसी बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू कर सकते हैं। इन नए खिलाड़ियों में इलियट एंडरसन और मॉर्गन रोजर्स भी शामिल हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

मेजबान अमेरिका की धमाकेदार शुरुआत, पैराग्वे को 4-1 से हराया

कैलिफोर्निया(एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को 4-1 से मात दी। कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में फ्लोरिन बालोगुन और क्रिश्चियन पुलिसिक ने अमेरिकी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बालोगुन और पुलिसिक ने बिखेरा जलवा – अमेरिका की ओर से फ्लोरिन बालोगुन ने दो गोल दागे, जबकि स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिक ने पूरे मैच में पैराग्वे की रक्षापंक्ति को परेशान रखा। पुलिसिक ने कई आक्रामक मूव तैयार किए और टीम के आक्रमण की धुरी बने रहे।

सातवें मिनट में मिली बढ़त – मेजबान टीम ने मैच के सातवें मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। पुलिसिक ने शानदार पास देकर वेस्टन मैकेनी को मौका बनाया,

जिसके बाद पैराग्वे के खिलाड़ी डेमियन बोबाडिला से आत्मघाती गोल हो गया। इसके बाद 31वें मिनट में पुलिसिक के सटीक क्रॉस पर बालोगुन ने गोल दागकर अमेरिका की बढ़त 2-0 कर दी।

स्टॉपेज टाइम में बालोगुन ने किया कमाल – दूसरे हाफ में भी अमेरिका का दबदबा जारी रहा। मैच के 90+8वें मिनट में बालोगुन ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दाग दिया। इस गोल ने अमेरिका की जीत पर मुहर लगा दी।

पैराग्वे की वापसी की कोशिश नाकाम – पैराग्वे ने 73वें मिनट में मॉरिसियो मगाल्हाएस के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 किया, लेकिन टीम इसके बाद कोई बड़ा दबाव नहीं बना सकी। अमेरिकी खिलाड़ियों ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी और विपक्षी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया।

सिंधु ऑस्ट्रेलियन ओपन का सेमीफाइनल हारीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधु को जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के हाथों सीधे गेमों में 20-22, 12-22 से करारी हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद सिंधु दूसरे गेम में पूरी तरह अपनी लय खो बैठीं और मुकाबला गंवा दिया। इस जीत के साथ ही टॉप सीड अकाने यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार अपने चौथे फाइनल में जगह बना ली है। वहीं पिछले दो साल से खराब फॉर्म और चोट से जूझने के बाद वापसी की कोशिशों में जुटीं सिंधु का इस साल का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में के लिए भारतीय टीम का ऐलान, पीवी सिंधु करेंगी अगुवाई

अगस्त में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 10 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए ग्लोबल फेडरेशन ने क्वालिफिकेशन सूची में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु सहित 10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारत

की ओर से पांच स्पर्धाओं में कुल 10 लोगों को जगह मिली हैं, जिनमें पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी देश के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले दावेदार के तौर पर शामिल हैं। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के क्वालिफिकेशन नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की। 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित इस क्वालिफिकेशन सूची में पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और हर युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में हर कैटेगरी में भारत के दो खिलाड़ी सीधे एंट्री करेंगे।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी ने क्वालिफाई किया है, जबकि महिला सिंगल्स में सिंधु के साथ उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुड्डा शामिल हैं। भारत की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली एंट्री पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की है, जिन्होंने कुल मिलाकर चौथी रैंकिंग के साथ क्वालिफाई किया। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने भारत के लिए पुरुष डबल्स में दूसरी जगह पक्की की।

क्वालिफाई करने वाली जोड़ियों में 30वें स्थान पर मौजूद ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी के साथ महिला डबल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान पर क्वालिफाई किया, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे ने भारत के लिए दूसरी जगह हासिल की। कई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रिजर्व लिस्ट में भी शामिल हैं, जिनमें पुरुष एकल में वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, और महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर शामिल हैं।

बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। चीन के पुरुष एकल चैंपियन शी यू की, दक्षिण कोरिया के पुरुष युगल विजेता किम वॉन हो और सियो सेउंग जे, और चीन की महिला युगल चैंपियन लियू शेंग शू और टैन निंग - ये सभी अपने-अपने इवेंट्स में टॉप-रैंक वाले खिलाड़ियों के तौर पर क्वालिफाई हुए। जापान की अकाने यामागुची, जो मौजूदा विमेंस सिंगल्स चैंपियन हैं, तीसरे नंबर पर क्वालिफाई हुईं, जबकि मलेशिया के मौजूदा मिश्रित युगल चैंपियन चेन तांग जी और तोह ई वेई चौथे नंबर पर क्वालिफाई हुए।

कंगना ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' में क्यों निभाई नर्स की भूमिका

कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म नर्स की बहादुरी की अनसुनी कहानी को बताती है। इस फिल्म में कंगना ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। अपनी फिल्म और अपने किरदार को लेकर कंगना ने कई बातों का खुलासा किया है।

कंगना रनौत ने फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका निभाई है। एएनआई से बातचीत के दौरान इस फिल्म में नर्स की ड्रेस को लेकर कंगना ने कहा, 'नर्सों की वर्दी बहुत ब्रिटिश लगती है, उन्हें नर्सों की अपनी पसंद के अनुसार भारतीय रूप दिया जाना चाहिए।' कंगना रनौत ने बताया कि उन्होंने 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका क्यों निभाई है। कंगना ने कहा, 'अस्पताल के कर्मचारियों ने देश के लिए दृढ़ता दिखाई। एक नर्स अजमल कसाब की पहचान करने में महत्वपूर्ण गवाह बनकर उभरीं।' इसके साथ ही कंगना ने पीएम मोदी की 'भारत भाग्य विधाता' की योजना के बारे में भी खास बात बताई है।
कंगना रनौत ने कहा, 'भारत भाग्य विधाता 26/11 हमलों की एक अनकही वीरता की कहानी है।' इसके साथ ही कंगना ने बताया कि उस दौरान गोलियों और अफरा-तफरी के बीच, नर्सों ने 20 बच्चों को जन्म देने में मदद की थी।'
फिल्म में कंगना रनौत ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। उनके साथ गिरिजा ओक भी एक नर्स के किरदार में हैं। इस फिल्म को मनोज ताप‌ड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। 'भारत भाग्य विधाता' एक पैन-इंडिया फिल्म है। कंगना इस फिल्म की निर्माता भी हैं। कंगना और गिरिजा के अलावा फिल्म में स्मिता तांबे, सुहिता थाटे, आशा शेलार, प्रिया बेर्डे, ईशा डे, रसिका अघासे, अमृता नामदेव, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी अहम किरदारों में हैं।

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है

मुंबई टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं।
नेहा हरसोरा ने कहा, डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।
अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है। इतनी जल्दी इमोशन्स बदलना आसान नहीं होता, लेकिन डेली सोप का हिस्सा होने के कारण कलाकारों को यह सब करना पड़ता है। नेहा ने कहा, डेली सोप का शूटिंग शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि कलाकार अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक शूटिंग चलती रहती है। कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी बहुत कम मिलता है। जब किसी ने अभिनेता बनने का सपना चुना है, तो उसे इस तरह की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।
अभिनेत्री ने कहा, मुझे सेट पर बिताया गया हर पल पसंद है। कैमरे के सामने खड़े होकर एक्टिंग करना, लाइन्स याद करना और सही इमोशन्स के साथ दर्शकों तक पहुंचाना मुझे खुशी देता है। एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ रोजगार का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा जुनून है जिसे मैं पूरे दिल से जीती हूं। हर दिन का काम मुझे यह याद दिलाता है कि मैंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला क्यों किया था।
नेहा ने फिल्मों और वेब सीरीज में काम करने वाले कलाकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, फिल्मों और वेब सीरीज में कलाकारों को किरदार समझने, भाषा पर काम करने और रिसर्च करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कई बार वर्कशॉप भी आयोजित की जाती हैं, जिससे कलाकार अपने किरदार में और बेहतर ढंग से ढल सकें। लेकिन डेली सोप की दुनिया बिल्कुल अलग होती है।

अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म कर लूंगा

अदिवि शेष इन दिनों अपनी एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' को लेकर चर्चा में हैं। 'क्षणम', 'गूढ़ाचारी' और 'मेजर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके शेष ने इस फिल्म के माध्यम से एक बार फिर दर्शकों के सामने नई कहानी पेश करने की तैयारी की है।
बातचीत में अदिवि शेष ने अपनी आगामी से अपने जुड़ाव और इसके अन्य पहलुओं पर चर्चा की। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था 'डकैत' मूल रूप से सबसे पहले एक प्रेम कहानी है। मैं हमेशा इसे इसी तरह देखता हूं कि यह प्यार की कहानी में बुना गया एक्शन है, न कि एक्शन की कहानी में जोड़ा गया प्यार।
अगर आपने फिल्म का गाना 'रूबरू' सुना है, जिसे फहीम अब्दुल्ला ने आवाज दी है, तो उसमें एक बेहद सादगी भरा, रूहानी और पुराने दौर के प्रेम का एहसास मिलता है। यह वैसी ही भावनाओं को दर्शाता है, जैसा कभी पुराने उपन्यासों या पिछली पीढ़ियों की प्रेम कहानियों में देखने को मिलता था। फिल्म का मूल विचार यही था कि जब इतने सरल, पवित्र और भावनात्मक प्रेम के बीच अचानक हिंसा और तीव्र एक्शन प्रवेश करता है, तो पूरा परिवेश किस तरह बदलता है। यही विरोधाभास इस कहानी की सबसे बड़ी ताकत है। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना था कि भावनात्मक रूप से गहरे रिश्तों के बीच संघर्ष और हिंसा किस तरह असर डालते हैं। यही तत्व फिल्म को अलग, बड़े कैनवास वाली और विश्वसनीय बनाते हैं। मेरा नजरिया हमेशा से स्पष्ट रहा है। मैंने तब भी कहा था कि अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म करने के लिए तैयार हूं। मेरे लिए भाषा नहीं, बल्कि कहानी महत्वपूर्ण है। 'मेजर' के बाद मुझे हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री से 4-5 बड़ी वॉर फिल्में और बायोपिक्स ऑफर हुई थीं, लेकिन मेरे भीतर का लेखक मुझे बार-बार रोक रहा था। मुझे लगा कि अगर मेजर संदीप उन्नीकृष्णन का किरदार निभाने के तुरंत बाद किसी दूसरी सैनिक-आधारित कहानी का हिस्सा बनना सही नहीं होगा। मैं उनके माता-पिता की भावनाओं और उनकी यादों के प्रति ईमानदार रहना चाहता था। मेरे लिए हमेशा वही कहानी मायने रखती है, जो भीतर तक प्रभावित करे।

विजय की फिल्म में दिखेंगी मालविका

मालविका मोहनन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर से गुजर रही हैं और एक साथ कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रही हैं। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार वह इन दिनों चेन्नई में निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मालविका केवल 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि इसके साथ-साथ एक अन्य अभी तक घोषित नहीं की गई फिल्म पर भी काम कर रही हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह अपने सभी प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और पूरी लगन के साथ शूटिंग में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार चेन्नई में चल रहे लगातार फिल्मांकन के बीच मालविका दोनों फिल्मों के काम को संतुलित कर रही हैं, जो उनके पेशेवर समर्पण और मेहनत को दर्शाता है।

ओटीटी के बजाय थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने फिल्मी फैसलों को लेकर काफी साफ और सख्त नजर आ रही हैं। ओटीटी के बढ़ते दौर के बीच उन्होंने खुलकर बताया कि अब वो हर प्रोजेक्ट नहीं करतीं, बल्कि बहुत सोच-समझकर चुनती हैं।

काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहती

इंटरव्यू में शिल्पा ने साफ शब्दों में कहा कि अब वो अपने काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहतीं। उनका मानना है कि इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब वही करना चाहिए जो दिल से सही लगे और स्क्रीन पर दिखने का कोई मजबूत कारण हो।

थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा

उन्होंने यह भी माना कि आजकल फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आया है। कई मेकर्स अब थिएटर के बजाय ओटीटी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, क्योंकि वहां रिस्क कम होता है। लेकिन शिल्पा का नजरिया थोड़ा अलग है। वो अब ऐसी फिल्म करना चाहती हैं, जो थिएटर्स में रिलीज हो। उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चों ने मुझे थिएटर्स में नहीं देखा है। इसलिए मैं एक थिएटर फिल्म करना चाहती हूं। मेरे बेटे ने 2023 में सुखी देखी थी, लेकिन वो प्रीव्यू थिएटर में थी। मैं चाहती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म मिले, जैसी हम पहले बनाया करते थे।

काफी सोचकर प्रोजेक्ट चुनती हैं शिल्पा

शिल्पा ने बताया कि उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को भी मना किया है, लेकिन उन्हें अपने फैसलों का कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा उनके लिए पैसा या बड़ा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि काम की क्वालिटी ज्यादा मायने रखती है।
शिल्पा शेट्टी ने इंडस्ट्री में खूब पहचान बनाई है। वे आज 51 वर्ष की हो गई हैं। अपनी फिटनेस के लिए भी वे खूब जानी जाती हैं। शिल्पा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' होस्ट करती दिखेंगी।

तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर है एकता कपूर का राज

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए।

एकता कपूर ने उस दौर में टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा, जब मनोरंजन के विकल्प बेहद सीमित थे लेकिन उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया।
इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। उनकी स्टाइलिश बिंदी, ड्रामेटिक एंट्री और बैकग्राउंड म्यूजिक ने ऐसा असर छोड़ा कि आज भी कोमोलिका का नाम लेते ही वह छवि आंखों के सामने आ जाती है।
एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया।
एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है।
एकता कपूर की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने समय के साथ खुद को लगातार बदला। जब टीवी का दौर चरम पर था, तब उन्होंने छोटे पर्दे पर राज किया और जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दौर आया तो उन्होंने वेब कंटेंट की दुनिया में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह दर्शकों की बदलते पसंद को समझती रहीं और उसी के अनुसार कंटेंट तैयार करती रहीं।
उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

पेट की गैस

कहीं बड़ी समस्या में न बदल जाए

आजकल पेट में गैस बनना एक साधारण बात हो गई है। पाचन तंत्र में विकार उत्पन्न होने की वजह से उदर और आंतों में गैस की समस्या उत्पन्न हो जाती है है। गैस बनना किसी रोग का लक्षण भी हो सकता है। अधेड़ उम्र के लोग इससे अधिक पीड़ित रहते हैं। क्योंकि इस उम्र में पाचन क्रिया कमजोर होने लगती है। लोग अक्सर इसे आम समस्या समझकर नजर अंदाज कर दिया करते हैं।

गैस उदर या आंतों में बनती है। उदर व आंत शरीर के वे भाग हैं जिसमें आहार का पाचन होता है। पाचन के लिए आमाशयिक रस की जरूरत होती है। अमाशयिक रस में एंजाइम, पेप्सिन, लाइपेज और रेनिन होते हैं। पेप्सिन, हाइड्रो क्लोरिक अम्ल के साथ मिलकर प्रोटीन को पेप्टीन में बदलता है। रेनिन, दूध के केसीनोजन को गाढ़ा करता है और लाइपेज वसा का पाचन कराता है। अमाशयिक रस द्वारा ही कुछ विषैले पदार्थ जैसे विष, धातु, अल्केलोइड्स आदि निकलते हैं। अनावश्यक जीवाणुओं व कीटाणुओं का नाश भी अमाशयिक रस के द्वारा ही होता है। खाने की चीजों के पाचन के लिए अमाशयिक प्रक्रिया के दौरान पोषक तत्व सोख लिए जाते हैं, और अनचाहे अवशेष मलमूत्र के रूप में शरीर से बाहर निकल जाते हैं। पाचन क्रिया के तहत रासायनिक प्रक्रिया होती है और गैस बन जाती है। गैस का अधिक या कम बनना पाचन शक्ति, व्यक्ति की आयु, शारीरिक और मानसिक रोग और खाने की चीजों के मिश्रण आदि पर निर्भर होता है।

पेट की गैस दो प्रकार की होती है। एक तो वह जो भोजन करते समय हमारे पेट में पहुंच जाती है। जैसे? नाइट्रोजन, ऑक्सीजन। दूसरी कार्बन डाइआक्साइड, हाइड्रोजन और मीथेन है जो पाचन प्रक्रिया के दौरान आंतों में बनती है। एक स्वस्थ व्यक्ति में ये गैसें कम मात्रा में होती हैं जो कि मलद्वार या डकार से आसानी से बाहर निकल जाती हैं। परन्तु अधिक मात्रा में गैस बनने और पाचन क्रिया के दौरान इसके भोजन में मिलने के कारण इससे कष्ट देने वाले लक्षण पैदा होने लगते हैं। इन लक्षणों में मुख्य है। खाना खाने के एक या दो घंटे पश्चात पेट में भारीपन महसूस होता है और सांस लेने में भी तकलीफ होती है तथा मलद्वार से अधिक गैस निकलने के कारण आंतों में अनपचे कार्बोहाइड्रेट का बैक्टीरिया द्वारा फर्मेंटेशन होता है। ये गैसें अधिकतर हाइड्रोजन कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन होती हैं। सामान्यतः इनमें कोई गंध नहीं होती।

पेट के दर्द की वजह गैस नहीं है। दर्द आंतों की गतिशीलता में कमी की वजह से होता है। ज्यादा गैस बनना किसी गंभीर रोग से संबंधित हो सकता है। खट्टी डकारें आना, पेट का फूलना और मलद्वार से दुर्गंधमय गैस निकलने को नजरअदांज नहीं किया जाना चाहिए। इन का पूरा इलाज होना जरूरी है। उदर के रोग जैसे गैस्ट्राइटिस, पेट में अल्सर या पेप्टिक कैंसर, आंतों के रोग एंट्राइटिस, अल्सर, एमीबाइसिस तथा जिआर्डिएसिस आदि से भी गैस की समस्या हो सकती है।

इसके अलावा हवाई यात्रा में भी गैस विकार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हवाई यात्रा के दौरान इस रोग से ग्रस्त लोगों को अधिक सावधानी की आवश्यकता होती है क्योंकि हवाई जहाज में वायुमण्डल का दबाव कम होने के कारण उदर की गैस आयतन में तीस प्रतिशत की वृद्धि हो जाती है और कष्टदायक लक्षण सामने आने लगते हैं।

मुंह और सांस लेने के अंगों में विकारों की वजह से भी गैस की समस्या हो सकती है। नाक, सांस में बाधा, टौंसिल और एडिनाइड का इलाज आसानी से संभव हो सकता है और अगर गैस की समस्या इनके कारण से हो तो उसे दूर किया जा सकता है। इसी तरह दांतों के विकार और कृत्रिम दांतों की बनावट के कारण होने वाले विकार भी गैस के लक्षण हो सकते हैं।

शिशुओं में भी गैस विकार की समस्या पाई जाती है। शिशु मां से या बोतल से दूध पीते समय मुंह से हवा अंदर ले लेते हैं। इस प्रकार दूध के साथ-साथ आक्सीजन और नाइट्रोजन गैसें भी उनके पेट में पहुंच जाती हैं। यदि पेट में गैस ज्यादा मात्रा में हो जाती है तो वह दूध पीना छोड़ देता है और बेचैनी महसूस करता है, रोने लगता है और यदि यह गैस समय पर डकार द्वारा नहीं निकलती है तो या तो शिशु उल्टी कर देता है या फिर उसे असमय ही गैस के साथ मल हो जाता है।

गैस निकालने के लिए बच्चे को

दूध पिलाने के बाद कंधे से लगाकर पीठ थपथपानी चाहिए, जब तक कि वह डकार न ले ले। गैस के विकार से होने वाली समस्या से बचने के लिए खाने?पीने में सफाई की आदत की जरूरत होती है। जल्दी-जल्दी जरूरत से ज्यादा खाना, खाते समय, चिंता या मानसिक तनाव से ग्रस्त होना, भोजन के समय बीच-बीच में ज्यादा पानी पीना आदि गैस की परेशानी को और अधिक बढ़ाते हैं। जुलाब की गोलियों का बार-बार इस्तेमाल भी हानिकारक होता है।

गैस के अलग-अलग शारीरिक और रोगात्मक कारण होते हैं इसलिए हर किसी के लिए एक सा भोजन उपयुक्त नहीं होता। जिन खाने की चीजों से गैस बनने की संभावना हो उनसे बचना चाहिए। कोका कोला, पेप्सी, सोड़ा आदि पेय ज्यादा गैस पैदा करते हैं क्योंकि इन सब में कार्बन डाईआक्साइड तथा सोड़े की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसी खाने की चीजों से भी बचना चाहिए जिन में लेक्टोज की मात्रा ज्यादा होती है। बच्चों को लेक्टोज रहित आहार के तहत न्यूट्रा माइजेन जैसे एमिनो एसिड, प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट या फिर सोयाबीन का दूध दिया जा सकता है। बड़ों को सभी प्रकार के दूध, आइस्क्रीम, चीज, दूध से बनी मिठाई, दूध से बने पेय, सफेद ब्रेड, बिस्कुट, क्रीम सूप, क्रीम युक्त व्यंजन और ठंडे मांसाहार से बचना चाहिए।

कुछ सब्जियां और फल भी अधिक गैस बनाते हैं। फूल गोभी, पत्ता गोभी, सूखी फलियां, ककड़ी, हरी मिर्च, सलाद, मटर, मूली, प्याज, कच्चे सेब, तरबूज, खरबूजा आदि अधिक गैस बनाते हैं। तले हुए या वसायुक्त पदार्थों से भी ज्यादा गैस बनती है। इनके इस्तेमाल से आंतों में कार्बन डाईआक्साइड बनती है।

अन्य रोगों की तरह गैस विकार की समस्या पर काबू पाने के लिए भी नियमित व्यायाम और योगाभ्यास लाभदायक होते हैं। सुबह शाम 2-4 किलोमीटर तक घूमना गैस की समस्या को दूर करने के लिए अच्छा व्यायाम है। इससे रक्त संचार भी ठीक बना रहता है। पाचन शक्ति भी सही रहती है। मानसिक तनाव से दूर रहते हुए शांति से सादा भोजन, इसका सबसे बड़ा इलाज है।

खाना खाते वक्त कम पानी पीना चाहिए। क्योंकि अधिक पानी पाचन के लिए हानिकारक होता है। रात को देर से भोजन करना भी गैस की समस्या को बढ़ाता है। भोजन को ठीक से पचने के लिए 6-8 घंटे लगते हैं। इसके लिए पूर्ण आराम और 7-8 घंटे की नींद आवश्यक होती है। इन सावधानियों को बरतने के बाद भी यदि गैस से पीछा न छूटे तो किसी विशेषज्ञ से सलाह लें।

जिंदगी के 14 साल कम कर देगी आपकी यह गलती

अगर आप अपने बढ़ते वजन पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं, न तो डाइट सेहतमंद लेते हैं और न ही खुद को फिट करने के लिए कसरत करते हैं तो आप अपने जीवन के 14 साल कम कर रहे हैं।यकीन नहीं आता तो अमेरिका के नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट द्वारा करवाए गए शोध पर गौर करें। शोधकर्ता का दावा है कि मोटापे के शिकार वे लोग जिनका बीएमआई 40 से अधिक है, उनका जीवनकाल 14 साल घट जाता है।

कई रोगों का है खतरा – पिछ्ले 20 अलग-अलग शोधों के आधार पर किए गए इस अध्ययन में अत्याधिक मोटापे के कारण दिल के रोगों, कैंसर और डायबिटीज जैसे रोगों की आशंका जताई है। उन्होंने अपने अध्ययन में अधिक बीएमआई वाले लोगों के वजन की तुलना सामान्य वजन वाले लोगों से की है और इसी आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। शोधकर्ता कैरी कितहारा के अनुसार, हमने अपने अध्ययन में पाया कि मोटापे की समस्या जिन लोगों को है उनकी मृत्यु दर सामान्य वजन वाले लोगों की अपेक्षा 2.5 गुना अधिक है।

ये उपाय हैं मददगार – शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में माना है कि खानपान और जीवनशैली पर नियंत्रण, कसरत और सेहतमंद डाइट की मदद से वजन को नियंत्रित रखा जा सकता है और असमय मृत्यु के रिस्क को कम किया जा सकता है।

नवजात शिशुओं को रोगों से बचाएगी यह नई थेरेपी

जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे नवजात शिशुओं को कूलिंग थेरेपी देने से उन्हें सेरेब्रल पॉल्सी जैसी बीमारी से बचाया जा सकता है।

प्रसिद्ध शोध पत्रिका न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन में यह पता चला है। इस शोध के अनुसार स्कूल जाने की उम्र में इन बच्चों का आईक्यू (इंटेलीजेंस कोशेंट) भी बेहतर होता है।

कूलिंग थेरेपी में नवजात शिशु को एक खास मैट पर तीन दिन तक 33 डिग्री सेंटीग्रेड पर रखा जाता है। इससे उनका दीर्घकालिक मानसिक क्षति से बचाव होता है।

ब्रिटेन में हर 500 में से एक नवजात शिशु को जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी का सामना करता है।

ऑक्सीजन की कमी के कारण मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं। इससे बच्चों के दिमाग़ को क्षति पहुंच सकती है, यहां तक कि कई बार उनकी मौत का ख़तरा भी रहता है।

कुछ समय पहले तक इस बीमारी का कोई स्वीकार्य तरीका नहीं था।

जीवित रहने की संभावना

साल 2009 में 300 से अधिक नवजात शिशुओं पर एक अध्ययन हुआ। उन्हें कूलिंग ट्रीटमेंट या थेरेप्युटिक हाइपोथर्मिया दिया गया।

इसके बाद पाया गया कि 18 महीने के शिशुओं में होने वाली मस्तिष्क की क्षति कम की जा सकती है।

कूलिंग थेरेपी वाले 45 फ़ीसदी नवजात शिशुओं में मस्तिष्क से जुड़ी कोई असामान्यता नहीं मिली। जबकि सामान्य उपचार वाले 28 फ़ीसदी बच्चों में दिमाग़ से जुड़ी असामान्यता पाई गई।

इसी तरह सामान्य थेरेपी वाले 36 फ़ीसदी बच्चों की तुलना में कूलिंग थेरेपी वाले केवल 21 फ़ीसदी नवजात शिशुओं में ही सेरेब्रल पॉल्सी पाई गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक़ अब अगला क़दम यह देखना होगा कि हाइपोथर्मिया के इलाज और सामान्य जीवित रहने की संभावना कैसे बढ़ाई जा सकती है।

सेहत
की कुछ बातें

बाल्यावस्था के दिन मौज–मस्ती और नटखटपन के होते हैं। हालांकि इसी अवस्था में शरीर का सही विकास भी होता है। इसलिए इस उम्र में बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना चाहिए। यह माता–पिता और अभिभावकों का दायित्व है कि वे अपने बच्चों में सेहत के प्रति सजगता की आदत बचपन से ही डालें। बाल्यावस्था में बच्चों में मोटापा, वजन कम होना, एनीमिया और दांतों संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। कुछ बच्चों में व्यवहार सीखने संबंधित समस्याएं भी पैदा होती हैं। ऐसे बच्चों को अपनी उम्र के अन्य बच्चों के साथ घुलने–मिलने में दिक्कत होती है।

बहुत जरूरी है नाश्ता

सुबह का नाश्ता करने के लिए बच्चों को अवश्य प्रोत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। चिकित्सकों का कहना है कि बच्चों को संतुलित और पौष्टिक नाश्ता करवाकर ही स्कूल भेजें। बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छे विकल्प फल हैं। ड्राई फरूट्स भी स्नैक्स के अच्छे विकल्प हैं।

स्कूल भी ध्यान रखें

ज्यादातर स्कूल की कैंटीन में खानपान की स्वास्थ्यकर वस्तुएं उपलब्ध नहीं होतीं। यहां समोसा, चाऊमिन और बर्गर आदि वस्तुएं ही उपलब्ध होती हैं। ये वस्तुएं कभी-कभी खायीं जाएं तो ही ठीक रहता है। प्रतिदिन जंक फूड और फास्ट फूड का सेवन बच्चों की सेहत के लिए सही नहीं रहता है। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चे को स्वास्थ्यप्रद वस्तुओं से युक्त टिफिन बाक्स देकर ही स्कूल भेजें।

सामाजिक समारोह

बदलते दौर में माता-पिता के साथ बच्चे भी सामाजिक समारोहों में बढ़-चढ़कर शिरकत करते हैं। मसलन, बर्थ-डे पार्टी में जाना, पिकनिक पर जाना, शॉपिंग मॉल आदि जगहों पर जाना। इन स्थानों पर खाने-पीने की जो वस्तुएं उपलब्ध होती हैं, उनमें से ज्यादातर स्वास्थ्यकर नहीं होतीं। ऐसे स्थानों पर बच्चों को एक बेहतर विकल्प चुनने की राय देनी चाहिए।

मोटापा

अपने देश में बाल्यावस्था में होने वाले मोटापे की समस्याएं बढ़त पर हैं। आप बच्चे में खानपान से संबंधित अच्छी आदतें डालकर उन्हें मोटापे से बचा सकती हैं। इसके लिए उन्हें शुगर युक्त खाद्य पदार्थों से दूर रखें और उनके आहार में सब्जियां व फलों की मात्रा बढ़ाएं। बच्चे को यह भी समझाना चाहिए कि उसे मिठाइयों व ऐसे पेय पदार्‍थो से दूर रहना चाहिए, जिनमें शुगर ज्यादा रहती है। बच्चे को फल व सब्जियां खाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि पहले से ही आपका बच्चा मोटा है तो उसे शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

वजन कम होना

कुछ बच्चों का वजन लंबाई के अनुपात में काफी कम होता है। कुछ बच्चों की आदत कम खाने की होती है। उनकी यह प्रवृत्ति माता-पिता के लिए परेशानी का कारण बन जाती है। ऐसे बच्चों के बारे में माता-पिता को यह मालूम करना चाहिए कि उन्हें कौन से खाद्य पदार्थ पसंद हैं। संभव है कि पसंदीदा खाद्य पदार्थ न मिलने के कारण वे कम खाते हों। उन्हें प्यार से समझाकर स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन दें। अगर बच्चे का वजन कम है तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसे शुगरयुक्त खाद्य पदार्थो को खाने की अनुमति प्रदान करें। शुगरयुक्त खाद्य पदार्‍थो का अधिक सेवन नुकसानदेह ही होता है।

दांतों की समस्या

दांतों में दर्द होना और कीड़ा लगना एक आम समस्या है। इस समस्या से बचने के लिए बच्चों में यह आदत डालें कि वे रात में भी सोने से पहले टूथब्रश करें। रात में शुगरयुक्त खाद्य पदार्थो को कम से कम खाने की सलाह दें।

खून की कमी

खून की कमी अर्थात एनीमिया से ग्रस्त बच्चे थोड़ा सा काम करने पर थकान महसूस करने लगते हैं। उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती नहीं रहती। इसके चलते बच्चों की मानसिक क्षमता भी कम होने लगती है। एनीमिया की कमी दूर करने के लिए बच्चों को हरी पत्तेदार सब्जियां दें। इसके अलावा उन्हें प्रतिदिन थोड़े से ड्राई फरूट्स भी खाने को दें। इससे उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती बनी रहती है।